हिन्दी के रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ

भारतेन्दु युग

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1850-1885) :- नाटक

(अ) **मौलिक :-** वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, चंद्रावली, विषस्य विषमौषधम्, भारत दुर्दशा (1876), नीलदेवी, प्रेमजोगनी और सती प्रताप (अधूरा), अंधेर नगरी (1881), सत्यवादीहरिश्चन्द्र तथा भारत जननी।

(ब) **अनूदित :-** विद्यासुंदर, पाखंड-विडम्बन, धनंजय-विजय, कर्पूरमंजरी, मुद्रा राक्षस, रत्नावली, दुर्लभ बंधु।

निबंध :- कार्तिक-कर्म-विधि, माघ-स्नान-विधि, अथ अंग्रेज स्तोत्र लिख्यते, पाँचवां पैगम्बर, वैष्णवता और भारतवर्ष आदि। चरितावली (जीवनियां), उदयपुरोदय (जीवनी), बूँदी का राजवंश (जीवनी), बादशाह दर्पण (इतिहास), कश्मीर कुसुम (इतिहास), जयदेव का जीवनवृन्त

उपन्यास :- पूर्णप्रकाश और चन्द्रप्रभा (बंगाली से अनुवाद)।

आलोचना :- नाटक (निबंध)–यह सैद्धान्तिक आलोचना की पहली हिन्दी रचना है।

कहानी :- 'एक कहानी कुछ आपबीती कुछ जगबीती'।

पत्र-पत्रिकायें :- कवि वचनसुधा (1868), हरिश्चन्द्र मैगजीन (मासिक, 1873), 1874 में 'हरिश्चन्द्र मैगजीन' का नाम बदल कर 'हरिश्चन्द्र चन्द्रिका' हो गया। 'बालाबोधिनी' (1874, स्त्री शिक्षा संबंधी)।

2. बाल कृष्ण भट्ट :-

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने बालकृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र को हिन्दी का 'स्टील' और 'एडीसन' कहा है।

नाटक :- कविराज की सभा, रेल का विकट खेल, दमयन्ती स्वयंवर, बाल विवाह, चन्द्रसेन शर्मिन्दा, वृहभला, वेणुसंहार और जैसा काम वैसा परिणाम आदि।

निबंध :- भय, दृढता, प्रेम, भक्ति, चन्द्रोदय, रूचि, ईश्वर भी क्या ठठोल है, चली सो चली, देवताओं से हमारी बातचीत, नये तरह का जुनून, खटका, बाल विवाह आदि।

उपन्यास :- नूतन ब्रह्मचारी, सौ अजान एक सुजान

आलोचना :- सच्ची समालोचना (1886 : लाला श्रीनिवासदास के नाटक 'संयोगिता स्वयंवर' की 'हिन्दी प्रदीप' में समीक्षा, जहाँ से व्यावहारिक समीक्षा की हिन्दी में शुरूआत होती है।), रणधीर प्रेममोहिनी, नीलदेवी, परीक्षा गुरु तथा एकान्तवासी योगी की 'हिन्दी-प्रदीप' में आलोचनायें छपी।

(3) प्रताप नारायण मिश्र :-

नाटक :- भारतदुर्दशा, कलिकौतुक रूपक, संगीत शाकुन्तल, हठी हमीर, गोसंकट, जुआरी-खुआरी, कलि प्रभाव।

निबंध :- प्रायः 200 निबंध लिखे । कुछ हैं - धोखा, खुशामद, आप, बात, दांत, भौं, मुच्छ, नारी, परीक्षा, ह, द, मनोयोग, समझदार की मौत आदि।

उपन्यास :- बंकिम चंद्र चटर्जी के चार उपन्यासों 'राजसिंह', 'इन्दिरा', 'राधारानी' तथा 'युगलांगुरीय' का अनुवाद।

पत्र-पत्रिकायें :- ब्राह्मण (मासिक 1883, कानपुर) ; इस पत्र को चलाते रहने के लिए प्रताप नारायण मिश्र को एक बार इन शब्दों में चन्दा माँगना पड़ा था।

''आठ मास बीते जजमान। अब तो करौ दच्छिना दान।।''

कविता :-

प्रेम पुष्पावली, मन की लहर, लोकोक्ति शतक, तृप्यन्ताम्, शृंगार विलास आदि। मिश्र जी कसीदा, शेर, मरसिया भी लिखते थे तथा लोकशैलियों लावनी, कजली, आल्हा का प्रयोग भी करते थे। उनकी एक समस्यापूर्ति 'पपीहा जब पूछिहै पीव कहाँ' बहुत प्रसिद्ध है। वह कानपुर के समस्या पूर्ति मंच 'रसिक समाज' के प्रधान कार्यकर्ता थे।

4. बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' :-

उर्दू में 'अब्र' उपनाम से कविता करते थे।

नाटक : भारत सौभाग्य, प्रयाग रामागमन, वीरांगना रहस्य, बुद्ध विलाप।

आलोचना : 'संयोगिता स्वयंवर' (लाला श्रीनिवासदास) तथा बाबू गदाधर सिंह के अनुवाद बंगविजेता की 'आनंद कादम्बिनी' में समीक्षा।

पत्र-पत्रिकायें : 'नागरी नीरद' तथा 'आनंद कादम्बिनी' (मासिक, 1881 मिर्जापुर)

कविता : जीर्ण जनपद (प्रबंधकाव्य), अलौकिक लीला (प्रबंधकाव्य), मयंक महिमा (प्रबंध अपूर्व) जैसे–आनन्द अरूणोदय, हार्दिक हर्षादर्श, वर्षाबिन्दु आदि इनकी एक समस्यापूर्ति प्रसिद्ध है–

'चरचा चलिबे की चलाइए ना'।

5. लाला श्रीनिवासदास :

नाटक :- प्रह्लाद चरित्र, तप्तासंवरण, रणधीर प्रेममोहिनी, संयोगिता स्वयंवर (1885)।

उपन्यास : परीक्षागुरू (1882, हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास है।)

पत्र-पत्रिकायें : सदादर्श (1874, दिल्ली)।

प्रमुख रचनायें : नाटक : हिन्दी का प्रथम नाटक 'आनन्दरघुनन्दन नाटक' (महाराजा विश्वनाथ सिंह रीतिकाल), खड़ी बोली हिन्दी का प्रथम नाटक 'शकुन्तला नाटक' (राजा लक्ष्मण सिंह अनुवाद, पूर्वाभास काल), 'नहुष' (बाबू गोपालचन्द्र गिरधर दास, पूर्वाभास काल)।

उपन्यास :

'देवरानी जेठानी की कहानी' (गौरीदत्त शुक्ल), भाग्यवती (1871, श्रद्धाराम फिल्लौरी), परीक्षागुरू (1882 लाला श्रीनिवास दास), परीक्षागुरू हिन्दी का पहला मौलिक अंग्रेजी छन्द का उपन्यास है। भाग्यवती हिन्दी का पहला उपन्यास है।

उपदेश प्रधान सामाजिक उपन्यास : पूर्ण प्रकाश और चन्द्रप्रभा (भारतेन्दु), भाग्यवती (श्रद्धाराम फिल्लौरी), परीक्षागुरू (लाला श्रीनिवास दास), नूतन ब्रह्मचारी, सौ अजान एक सुजान (बालकृष्णभट्ट), निस्सहाय हिन्दू (राधाकृष्णदास), विधवा विवाह (राधाकृष्ण गोस्वामी तथा देवी प्रसाद शर्मा), जया (कार्तिक प्रसाद खत्री), लवंग लतिका, कुसुम कुमारी, लीलावती वा आदर्श सती, पुनर्जन्मवा सौतिया डाह, अंगूठी का नगीना, त्रिवेणी वा सौभाग्य श्रेणी, हृदाहारिणी वा आदर्श रमणी (किशोरी लाल गोस्वामी), सास पतोहू, बड़ा

भाई, नये बाबू (गोपालराम गहमरी), धूर्त रसिकलाल, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी चक्र हिन्दी गृहस्थ, आदर्श दम्पति, बिगडों का सुधार, सुशीला विधवा, आदर्श हिन्दू (मेहता लज्जाराम शर्मा), अधखिला फूल, ठेठ हिन्दी का ठाठ (हरिऔध), सौन्दर्योपासक, राधाकान्त (ब्रजनन्दन सहाय), रामलाल (मन्नन दुबे), वनजीवन वा प्रेमलहरी (राधिकारमण प्रसाद सिंह), वीरमणि (1917, मिश्रबंधु) - कोष्ठक के अन्दर की रचनायें द्विवेदी युग की हैं।

ऐतिहासिक उपन्यास : हृदयहारिणी वा आदर्शरमणी (1890), लवंगलता वा आदर्श बाला, तारा (1902), राजकुमारी (1902), कनक कुसुम वा मस्तानी (1903), लखनऊ की कब्र वा शाही महलसरा (1906), रजिया बेगम, प्रणयिनी परिणय, त्रिवेणी, चपला, मल्लिका देवी वा बंग सरोजनी, अंगूठी का नगीना (किशोरी लाल गोस्वामी)।

रोमानी उपन्यास : ठाकुर जगमोहन सिंह का 'श्यामा स्वप्न' आश्चर्य वृतान्त (अम्बिका दत्त व्यास)।

तिलस्मी-ऐयारी उपन्यास : चन्द्रकान्ता (1891), चन्द्रकान्ता सन्तति, नरेन्द्र मोहिनी, वीरेन्द्र वीर अथवा कटोरा भर खून, कुसुम कुमारी, काजर की कोठरी, अनूठी बेगम, गुप्त गोदना, भूतनाथ : छह भाग (देवकीनन्दन खत्री), कुसुमलता, मयंकमोहिनी या मायामहल, कमल कुमारी, निराला नकाबपोश, भयानक खून (हरिकृष्ण जौहर), तिलस्मी शीशमहल (किशोरीलाल गोस्वामी), पुतलीमहल (रामलाल वर्मा), भूतनाथ के शेष भाग (दुर्गाप्रसाद खत्री)।

जासूसी उपन्यास : अद्भुत लाश, बेकसूर की फाँसी, गुप्तचर, सरकती लाश, खूनी कौन, बेगुनाह का खून, जासूस की भूल, अद्भुत खून, खूनी का भेद, गुप्त भेद (गोपालराम गहमरी)।

अनूदित उपन्यास : बंगविजेता (गदाधर सिंह, बंगला), दुर्गेशनन्दिनी (गदाधर सिंह, बंगला), मृण्मयी (राधाचरण गोस्वामी, बंगला), आँख की किरकिरी (रवीन्द्र नाथ टैगोर), वृतान्तमाला (रामकृष्ण वर्मा, उर्दू), पूना में हलचल (गंगाप्रसाद गुप्त, उर्दू), छत्रसाल (रामचन्द्र मराठी), स्वर्णलता, मरता क्या न करता (राधाकृष्णदास, बंगला), दीपनिर्वाण (मुंशी उदित नारायण लाल), इला प्रमिला, जया, मधुमालती (कार्तिक प्रसाद खत्री), चतुरचंचला, भानमती, नये बाबू (गोपालराम गहमरी), वीरेन्द्र (पुरोहित गोपीनाथ), गुप्तचर (गोपालराम गहमरी), संसार दर्पण अमला वृतान्तमाला, ठग वृतान्तमाला, पुलिस वृतान्तमाला (रामकृष्ण वर्मा), बिरजा जावित्री (राधाचरण गोस्वामी, बंगला)।

यात्रावृत्त : सरयू पार की यात्रा, लखनऊ की यात्रा (भारतेन्दु), गया यात्रा (बालकृष्ण भट्ट), विलायत यात्रा (प्रतापनारायण मिश्र), लन्दन यात्रा (श्रीमती हरदेवी), लन्दन का यात्री (भगवान दास वर्मा), मेरी पूर्व दिग्यात्रा, मेरी दक्षिण दिग्यात्रा (दामोदर शास्त्री), ब्रजविनोद (तोताराम वर्मा), बदरी-केदार यात्रा (कल्याण चन्द्र), ब्रजयात्रा (देवीप्रसाद)।

द्विवेदी युग

(1) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (1864-1938)

मौलिक काव्य ग्रन्थ : काव्य मंजूषा, सुमन, कान्यकुब्ज, अबला-विलाप

अनूदित कविता : कुमारसंभवसार, कविता कलाप, गंगालहरी, ऋतुतरंगिणी।

विविध गद्य : सम्पत्तिशास्त्र (1908), हिन्दी महाभारत, बेकन विचार रत्नावली (अनुवाद)।

निबंध : रसज्ञ रंजन, लेखांजलि, कवि कर्त्तव्य, क्या हिन्दी नाम की कोई भाषा ही नहीं आदि।

समालोचना : हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, कालिदास की निरंकुशता, कालिदास और उनकी कविता, सुकवि संकीर्तन, साहित्य संदर्भ, आलोचनांजलि, साहित्य सीकर, समालोचना समुच्चय (1930), विक्रमांक देव चरित चर्चा, नैषध चर्चा।

(2) श्रीधर पाठक

कवितायें : जगत सच्चाई सार, कश्मीर सुषमा, जार्ज वंदना, श्रीगोखले प्रशस्ति, सांध्य अटन, गुनवंत हेमंत, भारतगीत, स्वर्गीय वीणा।

अनूदित : 'गोल्डस्मिथ' के 'हरमिट', 'डेजर्टेड विलेज' तथा 'ट्रैवलर' के अनुवाद क्रमशः एकान्तवासी योगी (1886, खड़ी बोली), ऊजड़ ग्राम (ब्रजभाषा), श्रांतपथिक (खड़ी बोली)।

(3) रामनरेश त्रिपाठी

काव्य : मिलन, पथिक (1920), स्वप्न (1939), मानसी

अन्य : बाल साहित्य, कविता कौमुदी (संकलन : इसके एक भाग में ग्रामगीत संकलित है जो हिन्दी में पहला प्रयास है।)

आलोचना : तुलसीदास और उनकी कविता

संस्मरण : तीस दिन : मालावीय जी के साथ (1942)

(4) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : दो बार 'हिंदी साहित्य सम्मेलन' के सभापति रहे।

काव्य संग्रह : प्रियप्रवास (यह खडी बोली हिन्दी का पहला महाकाव्य है। इस पर मंगलाप्रसाद पारितोषिक मिला। वैदेही वनवास (खडी बोली, प्रबंधकाव्य), रसकलश (ब्रजभाषा), चोखे-चौपदे, चुभते चौपदे, पद्यप्रसून, बोलचाल।

नाटक : प्रद्युमन विजय व्यायोग, रूक्मिणी परिणय नाटक

उपन्यास : ठेठ हिन्दी का ठाठ (1899), अधखिला फूल (1907), वेनिस का बाँका (पहली गद्य पुस्तक)।

(5) मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964)

गुप्तजी की पहली कविता 'हेमन्त' 1905 की सरस्वती में छपी। आरम्भिक रचनायें 'वैश्योपकारक' (कलकत्ता) से छपती थी।

काव्य ग्रन्थ : रंग में भंग (खण्डकाव्य, 1909), जयद्रथ-वध, भारत-भारती (1912), पंचवटी, साकेत (1932) महाकाव्य है। लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला को नायिका बनाकर रामकथा कही गयी है। यशोधरा (1932) महाकाव्य है। नायिका गौतम बुद्ध की पत्नी यशोधरा है। नहुष, जयभारत (1952), विष्णुप्रिया (1957 महाकाव्य), विकट भट, गुरूकुल, किसान, सिद्धराज, जयिनी (यह मार्क्स की पत्नी जैनी पर रचित रचना है।), शकुन्तला, त्रिपथगा, झंकार, काबा और कर्बला, मंगलघट, स्वदेश संगीत, कुणाल गीत, अजित, द्वापर, वैतालिक।

अनुवाद : प्लासी का युद्ध, मेघनाद वध, वृत्त संहार।

नाटक : तिलोत्तमा, चन्द्रहास, अनघ (गीतिनाट्य)।

(6) बालमुकुंद गुप्त

निबंध : शिवशंभु के चिट्ठे (1905), चिट्ठे और खत

कविता : ब्रज और खड़ी बोली में स्फुट रचनायें

अनुवाद : मडेल भगिनी (1892, बंगला उपन्यास का अनुवाद), रत्नावली (हर्ष की नाटिका का अनुवाद)।

समाचार पत्र संपादन : उर्दू : अखबारे चुनार, कोहेनूर

हिन्दी : हिन्दोस्थान (1889-91), हिन्दी बंगवासी, भारत मित्र (1899-1907)।

(7) श्यामसुन्दर दास (1875-1945)

आलोचना : साहित्यालोचन (1922), रूपक रहस्य, भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और साहित्य।

जीवनी : हिन्दी कोविद रत्नमाला : पहला भाग 1909, दूसरा भाग 1914
आत्मकथा : मेरी आत्मकहानी (1941)
पत्रकारिता : सरस्वती (1900-1902)
संपादन : हिन्दी शब्द सागर (1929), हस्तलिखित ग्रन्थों के खोज विवरण, रामचरितमानस, पृथ्वीराज रासो, कबीर ग्रन्थावली, द्विवेदी अभिनन्दन ग्रन्थ (1933)।

प्रमुख रचनायें : काव्य ग्रन्थ

नाथूराम शर्मा 'शंकर' : अनुराग रत्न, शंकर-सरोज, गर्भरण्डा रहस्य, शंकर सर्वस्व।

राय देवीप्रसाद पूर्ण : बसन्त वियोग, स्वदेशी कुण्डल, मृत्युंजय।

रामचरित उपाध्याय : रामचरित चिन्तामणि (महाकाव्य), राष्ट्रभारती, देवसभा, देवदूत, विचित्र विवाह।

गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' : ('सुकवि' पत्रिका के सम्पादक भी थे।) कृषक-क्रन्दन, प्रेम पचीसी, कुसुमांजलि, करूणा कादम्बिनी, राष्ट्रीय मंत्र, राष्ट्रीय वीणा, त्रिशूल तरंग (यह 'त्रिशूल' उपनाम से कविता करते थे।)

रूपनारायण पाण्डेय : पराग, वनवैभव

मुकुटधर पाण्डेय : पूजा-फूल, कानन कुसुम (द्विवेदी युग के सर्वश्रेष्ठ प्रगीतकार थे।)

रामचन्द्र शुक्ल : 'हृदय का मधुरभार', बुद्धचरित (लाइट ऑफ एशिया का ब्रजभाषा में अनुवाद), कल्पना का आनन्द (एडिसन के 'ऐसे आन इमेजिनेशन का अनुवाद)।

लाला भगवानदीन : वीर क्षत्राणी, वीर बालक, वीर पंचरत्न, नवीन बीन

सैयद अमीर अली मीर : अलाहनापंचक, अन्योक्तिशतक

लोचनप्रसाद पाण्डेय : प्रवासी, मेवाडगाथा, महानदी, पद्यपुष्पांजलि, मृगी दुःखमोचन

ठाकुर गोपालशरण सिंह : माधवी, मानवी, संचिता, ज्योतिष्मती

कामताप्रसाद गुरु : भौमासुर वध (ब्रजभाषा), विनयपचासा (ब्रजभाषा), पद्य पुष्पावली (खड़ी बोली) : इनका एक प्रसिद्ध व्याकरण ग्रन्थ भी है।

निबंध

सरदार पूर्णसिंह : 'सच्ची वीरता', 'कन्यादान', 'नयनों की गंगा', 'पवित्रता', 'आचरण की सभ्यता', 'मजदूरी और प्रेम', 'अमरीका का मस्त जोगी वाल्ट ह्विटमैन' नामक छह निबंध।

चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' : 'पुरानी हिन्दी', 'काशी', 'जय जमुना मैया जी', 'कछुवा धरम', 'मारेसि मोंहि कुठाँव'। चर्चित कहानी 'उसने कहा था'।

महावीर प्रसाद द्विवेदी : म्युनिसपैलिटी के कारनामे, आत्मनिवेदन, प्रभात, सुतापराधे जनकस्य दण्ड, रसज्ञ रंजन, लेखांजलि, कवि कर्त्तव्य, 'क्या हिन्दी नाम की कोई भाषा ही नहीं' आदि।

माधव प्रसाद मिश्र : पुष्पांजलि (1916, संकलन)।

जगन्नाथ प्रसाद चतुर्वेदी : ब की बहार, पिक्चरपूजा, अनुप्रास का अन्वेषण।

गंगा प्रसाद अग्निहोत्री : निबंधमालादर्श (चिपलूणकर के मराठी निबंधों का अनुवाद।)

नाटक

मौलिक : वेणुसंहार (बालकृष्ण भट्ट), करूणालय, राज्यश्री (जयशंकर प्रसाद), कृष्णार्जुन युद्ध (माखनलाल चतुर्वेदी), सेनापति उदल (वृन्दावल लाल वर्मा), भारत दुर्दशा (प्रताप नारायण मिश्र), चुंगी की उम्मीदवारी (बदरीनाथ भट्ट), अलट फेर, नोंक झोंक (जी. पी. श्रीवास्तव), चौपट चपट, मयंक मंजरी (किशोरी लाल गोस्वामी), रूक्मिणी परिणय, प्रद्युमन विजय व्यायोग (हरिऔध), सुदामा (शिवनंदन सहाय), चंद्रकला भानुकुमार (राय देवीप्रसाद 'पूर्ण'), कुरूवनदन (बदरीनाथ भट्ट)।

उपन्यास

काजर की कोठरी (1902), अनूठी बेगम, गुप्त गोदना, भूतनाथ : छह भाग (देवकीनन्दन खत्री), मयंक मोहिनी या मायामहल (1901), कमलकुमारी, निराला नकाबपोश, भयानक खून (हरे कृष्ण जौहर), तिलस्मी शीशमहल (किशोरी लाल गोस्वामी), पुतली महल (1908) (रामलाल वर्मा), सरकटी लाश, चक्करदार चोरी (1901), जासूस की भूल, जासूस पर जासूसी (1904), जासूस चक्कर में, इन्द्रजालिक जासूस, गुप्त भेद, जासूस की ऐयारी (1914) (गोपालराम गहमरी), प्रेम का फल या मिस जौहरा (निहालचन्द वर्मा), अद्भुत भूत (1916) (दुर्गाप्रसाद खत्री), नवजीवन वा प्रेमलहरी (राधिकारमण प्रसाद सिंह) : प्रेमा (1907), रूठी रानी (1907), सेवासदन (1918) (प्रेमचन्द)।

कहानी

किशोरीलाल गोस्वामी की कहानी 'इन्दुमति' (1900 ई0) को आचार्य शुक्ल ने हिन्दी की पहली कहानी माना है।

अन्य महत्वपूर्ण कहानियाँ : गुलबहार (किशोरीलाल गोस्वामी), पंडित और पंडितानी (गिरिजा दत्त), ग्राम (1911, जयशंकर प्रसाद की पहली कहानी), रसिया बालम (बालम), सौत (1915, प्रेमचंद), बड़े घर की बेटी (1916, प्रेमचन्द), टोकरी भर मिट्टी (1901, माधवराव सप्रे), 'इन्दुमती' या 'प्रणयिनी-परिणय' (1900 किशोरीलाल गोस्वामी), सज्जनता का दंड (1916), ईश्वरीय न्याय (1917), दुर्गा का मंदिर (1917) (प्रेमचन्द), रानी सारंधा (प्रेमचन्द)।

आलोचना : 'अलंकार मंजूषा'—लाला भगवानदीन

छायावादी युग

1. **जयशंकर प्रसाद (1890-1937)**

काव्य :- चित्राधर (1918, ब्रजनाथ), यह प्रसाद का पहला काव्य संग्रह है। इसमें एक साथ 10 ग्रन्थ संकलित थे। कानन कुसुम, प्रेमपथिक, महाराणा का महत्व, करूणालय, सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य, छाया, उर्वशी (चंपू), राज्यश्री, प्रायश्चित और कल्याणी परिणय। पहले चार इसमें से कविता संग्रह हैं। कानन कुसुम (1912, खड़ी बोली तथा ब्रजभाषा), प्रेमपथिक (1909 ब्रजभाषा, 1914 खडी बोली), करूणालय (1913), महाराणा का महत्व (1914), झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1935), तथा कामायनी (1937, पांडुलिपि संस्करण 1971)।

नाटक : सज्जन कल्याणी-परिणय, प्रायश्चित, करूणालय, राज्यश्री, विशाख, अजातशत्रु (1922), कामना (अन्यापदेशिक नाटक या महानाटक), जनमेजय का नागयज्ञ, स्कन्दगुप्त (1928), चन्द्रगुप्त मौर्य (1931), ध्रुवस्वामिनी (1933), एक घूँट (एकांकी), अग्निमित्र (1980)।

उपन्यास : कंकाल (1929), तितली (1934), इरावती (अपूर्ण, 1940)

निबंध : काव्य और कला तथा अन्य निबंध (1939)

कहानियाँ : ग्राम (1911), पुरस्कार, आकाशदीप, मधुवा, गुंडा, सालवती आदि।

'ग्राम' प्रसाद की पहली कहानी थी। उनके कहानी संग्रह हैं—छाया, प्रतिध्वनि, आकाशदीप, आँधी, इन्द्रजाल।

2. **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (1899-1961 ई॰)**

काव्यग्रन्थ : अनामिका (1923, प्राचीन), परिमल (1929), गीतिका (1936), तुलसीदास (1938), अनामिका (1938, नवीन), कुकुरमुत्ता (1942), अणिमा (1943), बेला (1946), नये पत्ते (1946), अर्चना (1950), आराधना (1953), गीतकुंज (1954), सांध्यकाकली (1969)।

उपन्यास : अप्सरा (1931), अलका (1933), प्रभावती (1936), निरूपमा (1937), चोटी की पकड़ (1946), काले कारनामे (1950)।

कहानी : लिली (1930), सुकुल की बीबी (1941) आदि।

संस्मरण : कुल्ली भाट (1939), बिल्लेसुर बकरिहा (1942)

समीक्षा : रवीन्द्र कविता कानन, पन्त और पल्लव (1928)

अन्य जानकारियाँ : निराला की अत्यधिक प्रसिद्ध कवितायें निम्नलिखित हैं - जूही की कली (परिमल, 1916, यह उनकी पहली रचना है।), रेखा, शेफालिका, जागो फिर एक बार, कवि, पंचवटी प्रसंग, जागरण, बादल राग, महाराज शिवाजी का पत्र (परिमल); वर दे वीणावादिनी वर दे (गीतिका), नव-बेला, सरोज-स्मृति, राम की शक्तिपूजा (अनामिका), सम्राट अष्टम एडवर्ड के प्रति, तोड़ती पत्थर (अनामिका), कुकुरमुत्ता (नये पत्ते) तथा तुलसीदास।

3. **सुमित्रानन्दन पन्त (1900-1977 ई॰)**

काव्य ग्रन्थ : पहली कविता 'गिरजे का घण्टा' (1916), ग्रन्थि, पल्लव (1926), वीणा (1927), गुंजन (1932), युगांत (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्णकिरण (1947), स्वर्णधूलि (1947), युगपथ (1949), उत्तरा (1949), अतिमा (1955), वाणी (1958), पतझर, कला और बूढ़ा चाँद (1959), लोकायतन (1964, महाकाव्य), सत्यकाम (1975)।

काव्यनाटक : ज्योत्स्ना (1934), रजत शिखर (1952), शिल्पी (1952)

उपन्यास : हार (1960)

आलोचना : गद्यपथ (1953), शिल्प और दर्शन (1961), छायावाद : पुनर्मूल्यांकन (1965)

आत्मकथा : साठ वर्ष एक रेखांकन (1960)

अन्य जानकारियाँ :- पन्त जी की अत्यधिक प्रसिद्ध कवितायें ये हैं– उच्छ्वास, आँसू की बालिका, पर्वत प्रदेश में पावस, बादल, छाया, परिवर्तन, एक तारा, नौकाविहार, मधुस्मिति, भावी पत्नी के प्रति, अनंग, चाँदनी, अप्सरा आदि।

4. **महादेवी वर्मा (1907-1987 ई॰)**

काव्य ग्रन्थ : नीहार (1930), रश्मि (1932), नीरजा (1934), सांध्यगीत (1936), यामा (इसमें ऊपर की चारों काव्य रचनाओं को एक साथ संकलित कर दिया गया), दीपशिखा (1942)।

रेखाचित्र संस्मरण : अतीत के चलचित्र (1941), स्मृति की रेखायें (1943), पथ के साथी (1956)।

निबंध : शृंखला की कड़ियाँ (1942), क्षणदा (1956)।

आलोचना : साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध (1962, सम्पादक–गंगाप्रसाद पाण्डेय)।

5. **प्रेमचन्द (1880-1936 ई॰) :** पहले नवाबराय नाम से लिखते थे। प्रेमचन्द का लेखन उर्दू में 1905 से तथा हिन्दी में 1918 से 'सेवासदन' के साथ शुरू होता है।

उपन्यास : सेवासदन (1918, प्रमुख पात्र–सुमन, दरोगा कृष्णचन्द्र, वेश्या जीवन की समस्या पर रचित), वरदान (1921, पहले उर्दू में लिखा जा चुका था, बाद में हिन्दी में आया), प्रेमाश्रम (1921, प्रमुख पात्र–प्रेमशंकर, किसान जीवन पर रचित), रंगभूमि (1924, प्रमुख पात्र–सूरदास, विनय और सोफिया, सुभागी; राष्ट्र की बहुआयामी परिस्थितियों तथा चेतना पर लिखा गया एक राष्ट्रीय उपन्यास), कायाकल्प (1926, प्रमुख पात्र–चक्रधर-मनोरमा, शंखधर-देवप्रिया हिन्दू-मुस्लिम दंगा तथा पुनर्जन्म के साथ अनेक चीजें जैसे समाज-सेवा, राजसी विलास आदि समेटने की कोशिश की गयी है।), निर्मला (1927, निर्मला-तोताराम, रूक्मिणी, मंशाराम, जियाराम और सियाराम दहेज और अनमेल विवाह की समस्या पर रचित), प्रतिज्ञा (1929, उर्दू में पहले ही रचा जा चुका था), गबन (1930, रमानाथ-जालपा, मनोवैज्ञानिक छवि से भरपूर मध्यवर्गीय जीवनयथार्थ पर केन्द्रित रचना है), कर्मभूमि (1932, अमरकान्त-सकीना, सुखदा, डॉ॰ शान्तिकुमार, एक बहुआयामी उपन्यास जिसमें राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक चेतना के स्वर गुथे हुए हैं), गोदान (1936, पात्र- होरी, धनिया, गोबर, सिलिया, रायसाहब, मालती तथा मेहता आदि, किसान जीवन पर की समानान्तर कथा), मंगलसूत्र (अपूर्ण, मरणोपरान्त प्रकाशन 1948)।

कहानी : सप्तसरोज (संकलन : 1917), मानसरोवर : आठ भाग।

6. **रामचन्द्र शुक्ल (1884-1941 ई॰)**

निबंध : आचार्य शुक्ल का निबंध 'कविता क्या है' (1909) पहली बार सरस्वती में छपा। उनके मनोविकार संबंधी निबंध हैं–भाव या मनोविकार, उत्साह, श्रद्धा-भक्ति, करूणा, लज्जा और ग्लानि, लोभ और प्रीति, ईर्ष्या, भय और क्रोध। अन्य महत्वपूर्ण निबंध हैं–मानस की धर्मभूमि, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था, साधारणीकरण और व्यक्ति वैचित्र्यवाद तथा रसात्मक बोध के विविधरूप।

संकलन : चिंतामणि, भाग-1 (1939), भाग-2(1945)।

कहानी : ग्यारह वर्ष का समय (1930 'सरस्वती' में छपी)।

कविता : मधुस्रोत (1971, संकलन)

आलोचना : गोस्वामी तुलसीदास (1923), जायसी ग्रन्थावली की भूमिका (1924), भ्रमरगीत सार (1925), रस मीमांसा (1949)।

इतिहास : हिन्दी साहित्य का इतिहास (मूल रूप 'हिन्दी शब्द सागर' की प्रस्तावना के रूप में) 1939, संशोधित-संवर्धित रूप 1940।

अनुवाद : प्रमुख हैं–विश्व प्रपंच (रिड्ल ऑफ दि यूनीवर्स का अनुवाद 1920), शशांक (राखालदास बंद्योपाध्याय के उपन्यास का अनुवाद 1922), बुद्धचरित ('लाइट आफ एशिया' का अनुवाद 'काव्यभाषा' शीर्षक मौलिक भूमिका सहित 1922)।

सम्पादन : हिन्दी शब्द सागर 1929 ।

उपन्यास

1. **विश्वम्भर नाथ 'कौशिक' :** भिखारिणी (1929), माँ (1929)
2. **जयशंकर प्रसाद :** कंकाल (1929, पात्र : निरंजन, वाथम आदि, धार्मिक विसंगतियों एवं वासनात्मक सांसारिक मनोवृत्तियों पर केन्द्रित), तितली (पात्र : मधुआ, इन्द्रदेव-शैला, नंदरानी, तितली आदि प्रसाद की भारतीय दृष्टि और कृषि सभ्यता की गहरी पहचान का उपन्यास), इरावती।

3. **पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'** : उग्र की सामाजिक यथार्थ दृष्टि कुछ अंश में प्रकृतिवाद की ओर उन्मुख है। उनके प्रधान उपन्यास हैं– चन्द हसीनों के खतूत (1927, पत्रात्मक शैली का पहला उपन्यास, हिन्दू युवक और मुसलमान युवती के प्रेम की कहानी), 'बुधुवा की बेटी' या 'मनुष्यानन्द' (1928, पात्र–भंगी बुधुवा, रधिया, अघोरी मनुष्यानन्द, अछूत समस्या के आर्थिक सामाजिक पहलुओं पर रचित), शराबी, घंटा, दिल्ली का दलाल, सरकार तुम्हारी आँखों में, जीजी जी, कढ़ी में कोयला और फागुन के दिन चार।
4. **मन्नन द्विवेदी** : कल्याणी, रामलाल
5. **दुर्गाप्रसाद** : लालपंजा
6. **मदारीलाल गुप्त** : सखाराम
7. **चतुरसेन शास्त्री** : हृदय की प्यास, 'अमर अभिलाषा' या 'बहते आँसू' हृदय की परख, आत्मदाह
8. **ऋषभचरण जैन** : भाई, मंदिरदीप, सत्याग्रह, दिल्ली का कलंक, दिल्ली का व्यभिचार, वेश्यापुत्र, रहस्यमयी
9. **वृन्दावन लाल वर्मा** : लगन, संगम, प्रत्यागत, कुंडली चक्र, प्रेम की भेंट
10. **राधिकारमण प्रसादसिंह** : राम-रहीम
11. **प्रताप नारायण श्रीवास्तव** : विदा, विजय, विकास
12. **चंडीप्रसाद 'हृदयेश'** : मनोरमा, मंगलप्रभात
13. **सियाराम शरण 'गुप्त'** : गोद, अंतिम आकांक्षा
14. **शिवपूजन सहाय** : देहाती दुनिया (1926)
15. **अनूपलाल मंडल** : समाज की वेदी, रूपरेखा (दोनों उपन्यासों में पत्रात्मक प्रविधि का प्रयोग)।

नाटक

ऐतिहासिक-सांस्कृतिक नाटक :

1. **मिश्रबन्धु** : पूर्व भारत (1922), उत्तर भारत (1923)
2. **बदरीनाथ भट्ट** : कुरूवन दहन (1912), वेन चरित, तुलसीदास, चन्द्रगुप्त, दुर्गावती
3. **कौशिक** : भीष्म
4. **माखनलाल चतुर्वेदी** : कृष्णार्जुन युद्ध (1918)
5. **वियोगी हरि** : छद्मयोगिनी (1923)
6. **सियाराम शरणगुप्त** : पुण्य पर्व (1933)
7. **ब्रजनन्दन सहाय** : सत्यभामा (1930)
8. **जगन्नाथ प्रसाद मिलिन्द** : प्रताप प्रतिमा (1928)

एकांकी :

जयशंकर प्रसाद (एक घूँट - प्रथम एकांकी है), उग्र (चार बेचारेः संग्रह), भुवनेश्वर प्रसाद (कारवाँ : संग्रह), रामकुमार वर्मा (बादल की मृत्यु : आधुनिक ढंग की पहली एकांकी), जगदीश चन्द्र माथुर (भोर का तारा), भगवतीचरण वर्मा (सबसे बडा आदमी), भुवनेश्वर प्रसाद (स्ट्राइक), अश्क (लक्ष्मी का स्वागत)।

हास्य प्रहसन :

1. **बदरीनाथ भट्ट** : चुंगी की उम्मीदवारी (1919), चबडघोंघों (1926), विवाह का विज्ञापन (1927), मिस अमेरिका (1929)
2. **जी. पी. श्रीवास्तव** : गडबड़झाला (1912), दुमदार आदमी (1917), उलटफेर (1918), मर्दानी औरत, न घर का न घाट का, भूलचूक (1926), साहित्य का सपूत
3. **सुदर्शन** : माई हेड (1926)

सामाजिक समस्या प्रधान नाटक :

1. **प्रेमचन्द** : संग्राम (1922), कर्बला (1924), प्रेम की बेदी (1933)
2. **सुदर्शन** : ऑनरेरी मजिस्ट्रेट (1927)
3. **रूपनारायण पाण्डेय** : प्रायश्चित (1928)
4. **रामनरेश त्रिपाठी** : वफाती चाचा (1927)
5. **लक्ष्मण सिंह 'चौहान'** : कुली प्रथा (1913), गुलामी का नशा (1924), उत्सर्ग, एक ही समाधि।

कहानी :

1. **गुलेरी** : उसने कहा था (1915), सुखमय जीवन (1911), बुद्धू का काँटा।
2. **प्रेमचन्द** : पंचपरमेश्वर, नमक का दरोगा, बड़े घर की बेटी, रानी सारंधा, सारंगा सदावृक्ष, सवा सेर गेहूँ, दो बैलों की कथा, दतरी, जुलूस, दीक्षा, लाटरी, माता का हृदय, मैकू, शंखनाथ, अलग्योझा, बूढ़ी काकी, आत्माराम, गरीब की हाय, दुर्गा का मंदिर, ब्रजपात, सेवामार्ग, आभूषण, ठाकुर का कुआँ, शतंरज के खिलाड़ी, दिल की रानी, मैकू, दो बैलों की कथा, रामलीला, ईदगाह, बड़े भाई साहब, नशा, मिस पद्मा, पूस की रात, मोटेराम शास्त्री, इस्तीफा, तावान, कजाकी, कफन, दामुल का कैदी (इस कहानी में पुनर्जन्म का कथा में प्रयोग है।)
3. **'कौशिक'** : रक्षाबंधन, ताई, पगली, उद्धार
   कहानी संग्रह - चित्रशाला, मणिमाला, कल्पमंदिर, कल्लोल
4. **विश्वम्भरनाथ 'जिज्जा'** : संग्रह है - 'घूँघट वाली'
5. **सुदर्शन** : हार की जीत, कवि की स्त्री, एथेंस का सत्यार्थी, कमल की बेटी।
   संग्रह है - सुदर्शन सुधा, तीर्थयात्रा, पुष्पलता, गल्पमंजरी, सुप्रभात, परिवर्तन, पनघट
6. **उग्र** : देशभक्त
   संकलन–चिनगारियां, शैतान मंडली, इन्द्रधनुष, बलात्कार, चाकलेट, दोजख की आग, निर्लज्जा
7. **रायकृष्णदास** : अंतःपुर का आरम्भ, रमणों का रहस्य
8. **चतुरसेन शास्त्री** : दुखवा मै कासो कहूँ मोरी सजनी (हरिसाधन मुखोपाध्याय की कहानी 'सेलिसमा बेगम' का रूपांतर), अंबपालिका, प्रबुद्ध, भिक्षुराज, बावर्चिन, हल्दीघाटी में, बाणवधू।
9. **जयशंकर प्रसाद** : आकाशदीप, देवदासी, रसिया बालम, आँधी, मधुआ, पुरस्कार, ममता, इन्द्रजाल, सालवती, गुंडा।

निबंध :

1. **बाबू गुलाबराय** : ठलुआ क्लब, फिर निराशा क्यों, मेरी असफलताएं, कुछ उथले कुछ गहरे
2. **रघुवीर सिंह** : निबंध संग्रह हैं 'शेष स्मृतियाँ'
3. **शिवपूजन सहाय** : निबंध संग्रह है 'कुछ'
4. **निराला** : संग्रह है : प्रबंध प्रतिमा, चयन, चाबुक

5. **पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी :** संग्रह हैं - 'पंचपात्र'। एक प्रसिद्ध निबंध है- 'क्या लिखूँ'
6. **गुलेरी :** विक्रमोवर्शी की मूल कथा, अमंगल के स्थान में मंगलशब्द।

छायावादोत्तर युग

कविता : प्रगति प्रयोग काल के समानान्तर अन्य कई तरह की काव्य रचनायें भी होती रहीं। इनका मुख्य स्वर या तो गाँधीवादी है या फिर विप्लव अथवा मस्ती का। हम पहले इन्हीं का परिचय यहाँ पर दे रहे हैं।

1. **हरिवंशराय बच्चन :** मधुशाला (1935), मधुबाला (1936), मधुकलश (1937), निशा-निमन्त्रण (1938), एकांत संगीत (1939), आकुल अंतर (1943), सतरंगिणी, मिलनयामिनी तथा प्रणय पत्रिका।
   अंतिम चरण में बच्चन ने सामाजिक-राजनीतिक कवितायें लिखीं। ये हैं—बंगाल का अकाल, खादी के फूल, सूत की माला, धार के इधर-उधर, आरती और अंगारे, बुद्ध और नाचघर, त्रिभंगिमा, चार खेमे चौसठ खूँटे, दो चट्टानें, जाल समेटा।
   बच्चन ने उमर खैय्याम की रूबाइयों का अनुवाद 1935 में 'खैय्याम की मधुशाला' नाम से किया।
2. **रामकुमार वर्मा :** रूपराशि, निशीथ, चित्ररेखा, आकाशगंगा, अंजलि, चन्द्रकिरण, एकलव्य (वर्मा जी छायावादी ढंग की ही कविता करते थे।)
3. **माखनलाल चतुर्वेदी :** हिमकिरीटिनी, हिमतंरगिणी, वेणु लो गूँजे धरा, माता, युगचरण, मरणज्वार, बिजुली काजल आँज रही, समर्पण। इनकी कविता 'पुष्प की अभिलाषा' अत्यंत प्रसिद्ध है।
4. **सियारामशरण गुप्त :** इनकी कविता 'एक फूल की चाह' बहुत प्रसिद्ध है। प्रमुख काव्य ग्रन्थ हैं - मौर्य विजय, अनाथ, दूर्वादल, विषाद, आर्द्रा, आत्मोत्सर्ग, पाथेय, मृष्मयी, बापू, उन्मुख, दैनिकी, नकुल, नोआखाली, गोपिका।
   प्रबंधकाव्य : उन्मुक्त (युद्ध की विभीषिका और मानवीय करुणा पर रचित ; अत्याचारी लौह द्वीप के लोग शान्तिप्रिय कुसुमद्वीप को युद्ध पर मजबूर कर देते हैं।)
5. **बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' :** इनकी 'साकी' कविता अत्यन्त प्रसिद्ध है। 'आज खड्ग की धार कुंठिता' और 'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ' भी प्रसिद्ध कवितायें हैं। इनके काव्यग्रंथ है—उर्मिला (प्रबन्धकाव्य), कुंकुम (पहला काव्य संग्रह है), रश्मिरेखा और अपलक, विनोबास्तवन, क्वासि, हम विषपायी जन्म के।
6. **भगवती चरण वर्मा :** 'हम दीवानों की क्या हस्ती, हैं आज यहां कल वहां चले।' तथा 'चली आ रही भैंसागाड़ी' भी इनकी एक चर्चित कविता है। इनके काव्यग्रन्थ हैं—मधुकण, प्रेमसंगीत तथा मानव।
7. **सुभद्राकुमारी चौहान :** झाँसी की रानी, जलियाँवाला बाग में वसंत आदि कवितायें।
8. **रामधारीसिंह 'दिनकर' :** रेणुका (1935), हुंकार, सामधेनी, रसवन्ती, द्वन्द्वगीत, यशोधरा, कुरूक्षेत्र (युद्ध की समस्या पर रचित प्रबंधकाव्य है, जो मुख्यतः भीष्म-युधिष्ठिर संवाद पर आधारित है।), उर्वशी (ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रबंधकाव्य, जिसका उपजीव्य 'उर्वशी-पुरूरवा प्रेमाख्यान' है।), रश्मिरथी (महाभारत के 'कर्ण' को नायक बनाकर रचित प्रबंधकाव्य है।), आत्मा की आँखें, परशुराम की प्रतीक्षा (प्रबंधकाव्य) है। इतिहास के आँसू, धूप और धुआँ, दिल्ली, नीम के पत्ते तथा हारे को हरिनाम। 'संचयिता' हाल में किया गया संकलन है।
9. **नरेन्द्र शर्मा :** शूल-फूल, कर्णफूल, प्रभातफेरी, प्रवासी के गीत, पलाशवन, ग्राम्या, मिट्टी के फूल, हंसमाला, रक्तचंदन, अग्निशस्त्र, कदलीवन, उत्तरजय (प्रबंधकाव्य, युधिष्ठिर तथा अश्वत्थामा के खण्डित और पीड़ाभोगी व्यक्तियों की गाथा), द्रौपदी (महाभारत में 'द्रौपदी' के चरित्र पर आधारित खंडकाव्य।)
10. **रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' :** मधुलिका, अपराजिता, लाल चूनर, किरणबेला, करील और वर्षान्त के बादल, अपराधिता (प्रबंधकाव्य)।
11. **सोहन लाल द्विवेदी :** कुणाल, चित्रा, युगाधार।
12. **श्यामनारायण पाण्डेय :** हल्दीघाटी, जौहर।
13. **उदयशंकर भट्ट :** विसर्जन, मानसी, अमृत और विष, युगदीप, यथार्थ और कल्पना, एकला चलो रे, विजयपथ।
14. **जानकी बल्लभ शास्त्री :** रूप-अरूप, शिप्रा, मेघगीत, अवन्तिका।
15. **गुरूभक्तसिंह 'भक्त' :** विक्रमादित्य (प्रबंधकाव्य, कथानक विशाखदत्त के 'देवी चन्द्रगुप्त' नाटक पर आधारित), नूरजहाँ (प्रबन्धकाव्य)।
16. **मोहनलाल महतो 'वियोगी' :** आर्यावर्त (पृथ्वीराज चौहान-गौरी युद्ध पर रचित प्रबन्धकाव्य)
17. **केदारनाथ मिश्र 'प्रभात' :** कैकयी (प्रबंधकाव्य), कर्ण (खण्डकाव्य), शुभ्रा (गीतिकाव्य), बैठो मेरे पास तथा ऋतम्बरा प्रबंधकाव्य है। प्रलयवर्णन से प्रारम्भ होकर मानव-सृष्टि के भविष्य पर रचित।
18. **ठाकुर प्रसादसिंह :** महामानव (प्रबंधकाव्य : गाँधी जी के जीवन पर।)

प्रगतिवादी काव्य

1. **नागार्जुन :** (वास्तविक नाम वैद्यनाथ मिश्र) इन्होंने 'यात्री' नाम से मैथिली में भी कवितायें रची हैं। प्रमुख कविता-संग्रह हैं - सतरंगे पंखों वाली, प्यासी पथरायी आँखें, युगधारा, ऐसे भी हम क्या, ऐसे भी तुम क्या, आखिर ऐसा क्या कह दिया मैंने, पुरानी जूतियों का कोरस, रत्नगर्भ, तालाब की मछलियां, तुमने कहा था, खिचड़ी विप्लव देखा हमने, हजार-हजार बाँहों वाली, पका है यह कटहल, भूमिजा (खण्डकाव्य)। नागार्जुन की बहुत प्रसिद्ध कविताओं में से कुछ हैं—
   बादल को घिरते देखा है, पाषाणी, चन्दना, रवीन्द्र के प्रति, सिंदूर तिलकित भाल, तुम्हारी दंतुरित मुस्कान, ओ जन-मन के सजग चितेरे (यह केदारनाथ अग्रवाल पर लिखी गई है।), गुलाबी चूड़ियाँ, तन गयी रीढ़, यह तुम थी, जोत की फाँक, भादों की तलैया, प्रेत का बयान, मास्टर तथा अकाल।
2. **केदारनाथ अग्रवाल :** संग्रह है—युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं, पंख और पतवार, गुलमेंहदी, कहे केदार खरी-खरी, अपूर्वा, आत्मगंध, नींद के बादल, लोक तथा आलोक। केदार की प्रसिद्ध कवितायें हैं -
   बसंती हवा, चन्द्रगहना से लौटती बेर, आज नदी बिल्कुल उदास थी, केन किनारे पाल्थी मारे, केन हमारी तड़प रही है आदि।
3. **रांगेय राघव :** अजेय खंडहर, मेधावी, पांचाली (खंडकाव्य), पिघलते पत्थर, राह के दीपक (संकलन)।
4. **त्रिलोचन :** संग्रह है—धरती, मिट्टी की बारात, ताप के तापे हुए दिन, फूल नाम है एक, शब्द, उस जनपद का कवि हूँ, गुलाब और बुलबुल, दिगंत, अरघान, तुम्हें सौंपता हूँ, सबका अपना आकाश तथा अनकहनी भी कुछ कहनी है। त्रिलोचन का प्रिय छंद 'सॉनेट' है।

5. **'सुमन'** : संग्रह हैं–जीवन के गान, प्रलय-सृजन, हिल्लोल।
6. **रामविलास शर्मा** : ने भी कतिपय काव्य रचना की है, जो प्रगतिवादी काव्य के अंतर्गत ही आती है। इनके संग्रह का नाम है - 'रूपतरंग'।

प्रयोगवादी काव्य

अज्ञेय (1911-1987 ई०) : के कविता संग्रह है - भग्नदूत (1933), चिंता (1942), इत्यलम् (1946), हरी घास पर क्षण भर (1949), बावरा अहेरी (1954), इंद्रधनुष रौंदे हुए (1957), अरी ओ करूणा प्रभामय (1959), आँगन के पार द्वार (1961), कितनी नावों में कितनी बार (1967), क्योंकि मैं उसे जानता हूँ (1970), सागर मुद्रा (1970), पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ (1974), महावृक्ष के नीचे (1977), नदी की बाँक पर छाया (1981), प्रिजन डेज एण्ड अदर पोएम्स (अंग्रेजी, 1946)। चारों सप्तकों का संपादन।
अज्ञेय की अत्यधिक प्रसिद्ध कवितायें हैं - नदी के द्वीप (संग्रह- हरी घास पर क्षण भर), असाध्य वीणा (आँगन के पार द्वार : संग्रह)। यह दीप अकेला, पूर्वा, सुनहरे शैवाल आदि।

मुक्तिबोध (1917-1964) : के दो काव्य संग्रह है - चाँद का मुँह टेढ़ा है (1964), भूरि-भूरि खाक धूल (1980)। अत्यधिक प्रसिद्ध कवितायें हैं - एक आत्मवक्तव्य, चाँद का मुँह टेढ़ा है, चकमक की चिंगारियाँ, भूल-गलती, दिमागी गुहान्धकार, ब्रह्मराक्षस तथा अँधेरे में।

शमशेरबहादुर सिंह (1911-1993) : के काव्यसंग्रह हैं–सुकून की तलाश में, कुछ कविताएं, कुछ और कविताएं, चुका भी हूँ नहीं मैं, इतने अपने पास, बात बोलेगी, काल तुझसे होड़ है मेरी, टूटी हुई बिखरी हुई, विविध-शमशेर, कहीं बहुत दूर से सुन रहा हूँ। शमशेर की कुछ अत्यधिक प्रसिद्ध कविताएं हैं–
'वाम, वाम, वाम दिशा', अमनराग, उदिता, चुका भी हूँ नहीं मैं, टूटी हुई बिखरी हुई, एक पीली शाम, सलोना जिस्म आओ न तथा 'अभिव्यक्ति का संघर्ष'।

भवानीप्रसाद मिश्र : कमल के फूल, वाणी की दीनता, टूटने का सुख, सतपुड़ा के जंगल, सन्नाटा, गीतफरोश, असाधारण, स्नेहशपथ, आदि कवितायें दूसरा सप्तक में संग्रहीत हैं। 'सतपुड़ा के जंगल' में प्रबंधत्व की विशेषता है।
काव्य संग्रह हैं–अनाम तुम आते हो, त्रिकाल संध्या, परिवर्तन जिए, मानसरोवर दिन, बुनी हुई रस्सी, खुशबू के शिलालेख। कालजयी (प्रबन्धकाव्य है)।

नरेश मेहता : के काव्य ग्रन्थ हैं–बनपाखी सुनो (1957), बोलने दो चीड़ को (1962), संशय की एक रात (1962), उत्सवा, मेरा समर्पित एकांत (1953), महाप्रस्थान (1975), शबरी (1977), प्रवाद पर्व (1977), 'समय देवता' इनकी एक प्रसिद्ध लंबी कविता है, जो 'मेरा समर्पित एकांत' में संकलित हैं। संशय की एक रात, महा प्रस्थान, शबरी तथा प्रवाद पर्व इनकी महत्वपूर्ण काव्य रचनायें हैं। 'संशय की एक रात' एक पौराणिक काव्य रूपक (नाट्य शैली में रचित लम्बी कविता) है, जिसमें राम-रावण युद्ध से पूर्व राम के मन का संशय चित्रित हुआ है। 'महाप्रस्थान' भी पौराणिक काव्य-रूपक है जिसमें पांडवों के हिमालय में गलने की प्रसिद्ध कथा वर्णित है। 'प्रवाद-पर्व' सीता-बनवास के करूण प्रसंग पर आधारित खण्डकाव्य है। 'शबरी' प्रबंधकाव्य में शबरी (राम कथा से सम्बद्ध) की कथा है। 'चैत्या' हाल मे किया गया संग्रह है।

धर्मवीर भारती : की रचनायें हैं–ठंडा लोहा (काव्य संग्रह, 1952), अंधा युग (1955, प्रतीकवादी काव्य नाटक है, जिसमें महाभारत के अंतिम दिन के युद्ध से लेकर कृष्ण के गोलोकवास तक की घटनाओं को समेटा गया है।), सात गीत वर्ष (1959, 'प्रथुम्य गाथा' इस संग्रह की प्रसिद्ध लम्बी कविता है।), कनुप्रिया (1959, युद्ध और इतिहास की व्यर्थता को संकेतित करता, राधाकृष्ण-प्रेम पर रचित काव्य ग्रन्थ), संकलन : मेरी वाणी गैरिक वासना।

नेमिचन्द जैन : का कविता संग्रह है 'एकांत', 'अचानक हम फिर'।

कुँवरनारायण : की रचनायें हैं–चक्रव्यूह (काव्यसंग्रह), परिवेशः हम तुम (काव्य संग्रह), आत्मजयी (कठोपनिषद के 'नचिकेता-प्रसंग' पर आधारित चिंतनपरक प्रबंधकाव्य है), अपने सामने (काव्य संग्रह), कोई दूसरा नहीं (काव्य संग्रह)।

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : के कविता संग्रह है - काठ की घंटियाँ, बाँस का पुल, एक सूनी नाव में, कुआनों नदी, जंगल का दर्द, खूँटियों पर टंगे लोग। बाद में 'कवितायें-1' तथा 'कवितायें-2' नाम से दो भागों में कुछ रचनायें प्रकाशित हुई हैं।

रघुवीर सहाय (1929-1990) ई० : के कविता-संग्रह है - सीढ़ियों पर धूप में (1960), आत्महत्या के विरुद्ध (1967), हँसो हँसो जल्दी हँसो (1975), लोग भूल गये हैं (1982), कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989)। रामदास की हत्या इनकी प्रमुख राजनीतिक कविता है।

केदारनाथ सिंह : के कविता संग्रह हैं–अभी बिल्कुल अभी (1960), जमीन पक रही है (1980), यहाँ से देखो, अकाल में सारस, उत्तर कबीर, 'बाघ' प्रसिद्ध लम्बी कविता है।

विजयदेवनारायण साही : कविता संग्रह हैं–'मछलीघर', 'साखी', तथा 'छठवाँ दशक'। हाल में किया गया संग्रह है 'संवाद तुमसे'।

गिरिजाकुमार माथुर : के काव्य संग्रह हैं–मंजीर (1941), नाश और निर्माण (1946), धूप के धान (1955), शिलापंख चमकीले (1961), छाया मत छूना मन, भीतरी नदी की यात्रा, साक्षी रहे वर्तमान, कल्पांतर, अभी कुछ और, मै वक्त के हूँ सामने, 'पृथ्वीकल्प', मुझे और अभी कहना है।

भारत-भूषण अग्रवाल : के काव्य संग्रह हैं–अनुपस्थित लोग, कागज के फूल, छवि के बन्धन, मुक्तिमार्ग, जागते रहो, ओ अप्रस्तुत मन, उतना वह सूरज है।
प्रबन्ध काव्य–'अग्निलीक' (सीता की अग्निपरीक्षा पर रचित)।

प्रभाकर माचवे : के काव्य संग्रह हैं–स्वप्नभंग, मेपल, क्षणभंगुर।

देवराज : दो प्रबंधकाव्य रचे–'आहत आत्माएं', 'इला और अमिताभ'। काव्य संग्रह हैं–धरती और स्वर्ग, उर्वशी ने कहा।

जगदीश गुप्त : काव्य-संग्रह हैं–'नाव के पांव', 'हिमदंश' तथा 'आदिम एकान्त'। प्रबन्धकाव्य 'शंबूक'।

लक्ष्मीकान्त वर्मा : काव्य संग्रह हैं–अतुकांत, तीसरा पक्ष तथा 'आधुनिक कवि - 15'।
इनकी कुछ कवितायें हैं–अपना-अपना जूता, सिर पर जूता पैर में टोपी। चित्रकूट चरित (खंडकाव्य)।

उपन्यास :

प्रेमचन्द के बाद उपन्यास कई धाराओं में बँट गया। विभिन्न धाराओं को अलग-अलग देने के पहले हम यहां पर प्रेमचन्द के समकालीन अन्य उपन्यासकारों की रचनाओं की सूची संक्षेप में दे रहे हैं -

जयशंकर प्रसाद : कंकाल (धार्मिक पाखण्डों पर केन्द्रित), तितली (प्रमुख पात्रा - मधुवन और तितली, इन्द्रदेव और शैल), इरावती (अपूर्ण, पुष्यमित्र के पुत्र अग्निमित्र शुंग और इरावती की प्रेमकथा)।

'कौशिक' : माँ, भिखारिनी

चण्डीप्रसाद शर्मा 'हृदयेश' : मनोरमा, मंगलप्रभात

शिवपूजन सहाय : देहाती दुनियां

सियारामशरण गुप्त : गोद, अंतिम आकांक्षा, नारी

पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' : चन्द हसीनों के ख़तूत (हिन्दी में पत्रात्मक प्रविधि का पहला उपन्यास, 1927), 'बुधुआ की बेटी' या 'मनुष्यानन्द', शराबी, घंटा, दिल्ली का दलाल, सरकार तुम्हारी आँखों में, जीजी जी, कढ़ी में कोयला, फागुन के दिन चार।

वृन्दावनलाल वर्मा : लगन, संगम, प्रत्यागत, कुण्डलीचक्र, प्रेम की भेंट (1931), लोककथा पर आधारित - सोना (1950) तथा अमरबेल (1952)।

चतुरसेन शास्त्री : हृदय की परख (1931), अमर अभिलाषा, आत्मदाह (1934), बहते आँसू ; परवर्ती उप॰ - 'पत्थर युग के दो बुत' (1960, बंबई के नानावरी काण्ड पर)।

राजा-राधिकारमण प्रसाद सिंह : राम-रहीम (1936), पुरुष और नारी (1939), सूरदास, संस्कार, पूरब और पश्चिम।

भगवतीप्रसाद बाजपेयी : मीठी चुटकी, पतिता की साधना, पिपासा, निमंत्रण

प्रतापनारायण 'श्रीवास्तव' : विदा, विनाश के बादल, बेकसी का मज़ार

उषादेवी 'मित्रा' : वचन का मोल, जीवन की मुस्कान, पिया, पथचारी

भगवतीचरण वर्मा : चित्रलेखा (1934, पाप और पुण्य की समस्या पर रचित, प्रमुख पात्र—कुमारगिरि, चाणक्य, बीजगुप्त, चित्रलेखा और चन्द्रगुप्त।

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' : चढ़ती धूप, नयी इमारत, उल्का, मरूप्रदीप

जैनेन्द्र कुमार : (मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार) : परख (पात्रा : कट्टो), सुनीता (पात्रा : श्रीकान्त, सुनीता और हरिप्रसन्न), त्याग पत्र (पात्र : मृणाल), जयवर्द्धन, कल्याणी, मुक्तिबोध, दशार्क, सुखदा, विवर्त, व्यतीत, अनंतर, अनामस्वामी।

इलाचन्द्र जोशी (मनो॰ उपन्यासकार) : सन्यासी (1941, पात्रा('रामदास की हत्या' कविता से) नन्दकिशोर) पर्दे की रानी (पात्र : निरंजना, मनमोहन तथा इन्द्रमोहन), प्रेतछाया (पात्र : पारसनाथ), निर्वासित (पात्रः महीप), जिप्सी (पात्र : रंजन, मनिया, शोभना), जहाज का पंछी, लज्जा, मुक्तिपथ, सुबह के भूले, भूत का भविष्य, ऋतुचक्र, घृणामयी (पात्रा : लज्जा)

'अज्ञेय' (मनो॰ उपन्यासकार) : शेखर : एक जीवनी (दो भाग 1941-44, पात्र : शशि, शेखर), नदी के द्वीप (1951 : पात्र : भुवन, रेखा, गौरा और चन्द्रमोहन), अपने-अपने अजनबी (1961; पात्र : योटके, सेल्मा, अनेक आलोचक इसे अस्तित्ववादी उपन्यास भी मानते हैं।)

देवराज (मनो॰ उपन्यासकार) : अजय की डायरी, पथ की खोज, बाहर-भीतर, रोड़े और पत्थर, मै वे और आप, न भेजे गए पत्र।

मन्मथनाथ गुप्त : बहता पानी, शहीद और शोहदे

यशपाल (प्रगतिवादी उपन्यासकार) : अमिता, दिव्या (ऐतिहासिक उपन्यास ; पात्रा : दिव्या, पृथुसेन, मारिश, रूद्रधीर तथा देवी मल्लिका), दादा कॉमरेड (पात्रा : शैला, हरीश), पार्टी कॉमरेड, देशद्रोही, मनुष्य के रूप, झूठा-सच (देश विभाजन), मेरी तेरी उसकी बात, बारह घंटे, अप्सरा का श्राप, क्यों फँसे।

अमृतलाल नागर (सामाजिक यथार्थ-वादी उपन्यासकार) : महाकाल ('बंगाल के अकाल' पर ; 1946), सेठ बांकेमल, बूँद और समुद्र, शतरंज के मोहरे, सुहाग के नुपूर, अमृत और विष, सात घूँघट वाला मुखड़ा, एकदा नैमिषारण्ये, नाच्यो बहुत गोपाल, खंजन नयन, बिखरे तिनके, अग्निगर्भा, करवट, पीढ़ियाँ, मानस का हंस, नवाबी मसनद।

उपेन्द्रनाथ 'अश्क' (सामाजिक यथार्थवादी उपन्यासकार) : सितारों के खेल, गिरती दीवारें (1947 : पात्र चेतन), गर्म राख, बड़ी-बड़ी आँखें, पत्थर-अल-पत्थर, निमिषा, शहर में घूमता आईना, एक नन्हीं कन्दील, बाँधों न नाव इस ठाँव (दो भाग- 1974), पलटती धारा।

भगवती चरण वर्मा (सामाजिक यथार्थवादी उपन्यासकार) : पतन, धुप्पल (आत्मकथात्मक उपन्यास), चित्रलेखा (ऐतिहासिक उपन्यास), तीन वर्ष, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, भूले बिसरे चित्र, सामर्थ्य और सीमा, रेखा, सीधी सच्ची बातें, सबहिं नचावत राम गोसाईं, प्रश्न और मरीचिका, आखिरी दाँव, युवराज चूण्डा, चाणक्य, अपने खिलौने।

धर्मवीर भारती (मनो॰ उपन्यासकार) : गुनाहों का देवता (पात्र : चन्दर, सुधा, पम्मी, गेसू, विनती), सूरज का सातवाँ घोड़ा (धर्म कथा शैली में रचित, पात्रा : किस्सागो 'मणिक मुल्ला', यह एक प्रयोगधर्मी रचना है।)

वृन्दावन लाल वर्मा (ऐतिहासिक उपन्यासकार) : गढ़कुण्डार (बुन्देलों और अंगारों पर; पात्र : नागदेव, अग्निदत्त, हेमवती, मानवती), विराटा की पद्मिनी (पात्र : कुमुद, कुंजर), झाँसी की रानी, मृगनयनी (पात्र : राजा मानसिंह, मृगनयनी, अटल, लाखी), माधवजी, सिंधिया, टूटे कांटे (पात्र : मस्तानी), कीचड़ और कमल (पात्र : पद्मावती), कचनार, भुवनविक्रम (पात्र : रोमक, विक्रम, नील, फणिश, हिमानी), मुसाहिबजू, अचल मेरा कोई, अमरबेल, लगन, प्रत्यागत, प्रेम की भेंट, कुण्डली चक्र, संगम, सोना, अहिल्याबाई, आहत, उदयकिरण।

राहुल सांकृत्यायन (प्रगतिवादी उपन्यासकार) : जीने के लिए (सामाजिक उपन्यास), सिंह सेनापति (ऐतिहासिक उपन्यास; लिच्छवि सेनापति, रोहिणी, आचार्य बाहुलाश्व, भामा आदि मुख्य पात्र हैं।) मधुर स्वप्न, जय यौधेय, विस्मृत यात्री, दिवोदास।

चतुरसेन शास्त्री (ऐतिहासिक उपन्यासकार) : वैशाली की नगरवधू (दो भाग, पात्रा : अम्बपाली, बिम्बसार, सोम, बुद्ध आदि), वयं रक्षामः, सोमनाथ, आलमगीर, गोली, सोना और खून, धर्मपुत्र, मोती।

हजारीप्रसाद द्विवेदी (ऐतिहासिक उपन्यासकार) : बाणभट्ट की आत्मकथा (1944, बाण, भट्टिनी, निपुणिका), चारूचन्द्रलेखा (सीदीमौला, राजा सातवाहन, चन्द्रलेखा), पुनर्नवा (समुद्रगुप्त, आर्थक, देवरात, सुमेर काका, चन्द्रा, लोरिक-चन्दा की कथा इसी में नियोजित की गई है।) अनामदास का पोथा।

रांगेय राघव (प्रगतिवादी उपन्यासकार) : घरौंदे, विषादमठ, हुजूर, सीधा-साधा रास्ता, राई और पर्वत, छोटी सी बात, प्रतिदान, उबाल शहरी जीवन से सम्बन्धित उपन्यास है।

पथ का पाप, आखिरी आवाज ग्राम जीवन से सम्बन्धित आवाज है।

कब तक पुकारूं (1957), धरती मेरा घर आंचलिक उपन्यास है।

ऐतिहासिक उपन्यास हैं—

मुर्दों का टीला (1948, मोहन जोदडो की पृष्ठभूमि में आर्य-आक्रमण को लेकर) चीवर, अंधेरे के जुगनू, पक्षी और आकाश, राह न रुकी जीवनचरितात्मक उपन्यास है - देवकी का बेटा, यशोधरा जीत गयी, लोई का ताना, रत्ना की बात, भारती का सपूत, लखिमा की आँखें, धूनी का धुँआ।

शिवप्रसाद मिश्र 'रूद्र' : बहती गंगा (ऐतिहासिक उपन्यास)

नागार्जुन (प्रगतिवादी उपन्यासकार) : इनके उपन्यासों में आंचलिकता के तत्व मिलते हैं, परन्तु वे पूरी तरह आंचलिक नहीं हैं। इनके उपन्यास रतिनाथ की चाची (1948), बलचनमा (1952), नई पौध, बाबा बटेसरनाथ (1954), दुखमोचन (1956), वरूण के बेटे (1957), कुंभीपाक, हीरक जयन्ती, उग्रतारा, इमरतिया, जमनिया के बाबा, चेहरे नए पुराने।

फणीश्वरनाथ रेणु (आंचलिक उपन्यासकार) : मैला आंचल (1954 ; मिथिला के पूर्णिया जिले के मीरगंज गाँव पर केन्द्रित प्रमुख पात्र : बालदेव, कालीचरण, लक्ष्मी, बावनदास, कमली तथा डॉक्टर) ; परती परिकथा, जुलूस, दीर्घतपा, पल्टू बाबू रोड, कितने चौराहे, कलंकमुक्ति।

उदयशंकर भट्ट (आंचलिक उपन्यासकार) : वह जो मैंने देखा, नये मोड़, लोक-परलोक, सागर लहरें और मनुष्य, (1956, बम्बई की मछुवा बस्ती बरसोवा पर केन्द्रित, पात्र : रत्ना, माणिक, डॉक्टर पांडुरंग), एक नीड़ दो पंछी, शेष-अशेष।

लक्ष्मीनारायण लाल (प्रयोगशील उपन्यासकार) : धरती की आँखें, बया का घोंसला और साँप, रूपाजीवा, प्रेम एक पवित्र नदी, काले-काले फूलों का पौधा, बसन्त की प्रतीक्षा, देवीना, मन वृन्दावन, बड़ी चम्पा-छोटी चम्पा।

विष्णुप्रभाकर : ढलती रात, निशिकांत, तट के बंधन, स्वप्नमयी, दर्पण का व्यक्ति, कोई तो, अर्द्धनारीश्वर, संकल्प (तीन उपन्यासों का संकलन)।

भैरवप्रसाद गुप्त (प्रगतिवादी उपन्यासकार) : शोले, मशाल, गंगा मैया, जंजीरें और नया आदमी, सत्ती मैया का चौरा, धरती, आशा, कालिन्दी, रंभा, बांदी, नौ जबान, भाग्यदेवता, अंतिम अध्याय (व्यंग्य उपन्यास), नौजवान, आदमी और जंजीरें।

अमृतराय (प्रगतिवादी उपन्यासकार) : बीज, हाथी के दांत, नागफनी का देश, धुआँ, सुख-दुख, भटियाली, जंगल।

भीष्मसाहनी (प्रगतिवादी उपन्यासकार) : झरोखे, कड़ियाँ, तमस (1973), बसन्ती, मय्यादास की माड़ी, कुंतो।

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

उपन्यासकार

राही मासूम रजा : आधा गाँव, (गाजीपुर के एक गाँव गंगोली पर केन्द्रित), टोपी शुक्ला, हिम्मत जौनपुरी, ओस की बूँद, दिल एक सादा कागज, सीन - 75, कटरा बी-आर्जू।

रामदरश मिश्र : पानी के प्राचीर, जल टूटता हुआ, सूखता हुआ तालाब।

विवेकी राय : बबूल, पुरुष पुराण, लोकऋण, श्वेत पत्रा, सोनामाटी, समर शेष है, मंगल भवन।

शैलेश मटियानी : हौलदार, चिट्ठी रसैन, चौथी मुट्ठी, मुख सरोवर के हंस, बोरीवली से बोरीबंदर तक, आकाश कितना अनन्त है, बावन नदियों का संगम, जलतरंग, छोटे-छोटे पक्षी, मुठभेड़, किस्सा नर्मदाबेन गंगूबाई।

राजेन्द्र अवस्थी : सूरज किरण की छाँव, जंगल के फूल।

सच्चिदानन्द धूमकेतु : माटी की महक।

उदयराज सिंह : अँधेरे के विरुद्ध।

हिमांशु जोशी : कगार की आग, बुराँश फूलते तो हैं, समय साक्षी है, छाया मत छूना मन।

हिमांशु श्रीवास्तव : रथ के पहिए, कथा सूर्य की नई यात्रा।

ठाकुरप्रसाद सिंह : सात घरों का गाँव, कुब्जा सुन्दरी।

प्रभाकर माचवे (प्रयोगधर्मी रचनाकार) : साँचा, परन्तु, जो, द्वाभा, किसलिए, द्यूत, दर्द के पैबंद, तीस-चालीस-पचास।

गिरिधर गोपाल (प्रयोगधर्मी रचनाकार) : चाँदनी रात के खण्डहर, कंदील और कुहासे।

लक्ष्मीकान्त वर्मा (प्रयोगधर्मी रचनाकार) : खाली कुर्सी की आत्मा, टेरीकोटा, एक कटी हुई जिन्दगी, एक कटा हुआ कागज।

भारतभूषण अग्रवाल (प्रयोगधर्मी रचनाकार) : लौटती लहरों की बाँसुरी।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (प्रयोगधर्मी रचनाकार) : सोया हुआ जल, पागल कुत्तों का मसीहा, कच्ची सड़क, उड़ते हुए रंग, अंधेरे पर अन्धेरा।

रामदरश मिश्र : बीच का समय, अपने लोग, रात का सफर, आकाश की छत, बिना दरवाजे का मकान, दूसरा घर।

राजेन्द्र अवस्थी : बीमार शहर, जाने कितनी आँखें, मछली बाजार।

कृष्णचन्द्र शर्मा 'भिक्खु' : लाल ढांग, मौत की सराय (ऐतिहासिक उपन्यास)।

विश्वंभरनाथ उपाध्याय : रीछ, जोगी मत जा

नरेश मेहता : डूबते मस्तूल, यह पथ बंधु था, धूमकेतु : एक श्रुति, उत्तरकथा, दो एकान्त, नदी यशस्वी है।

चन्द्रकिरण सोनरिक्सा : चंदन चांदनी।

आनन्द प्रकाश जैन (ऐति॰ उपन्यासकार) : कुड़ाल की आँखें, ताँबे के पैंसे

नरेन्द्र कोहली : अवसर, युद्ध की ओर, युद्ध, अभिज्ञान, दीक्षा (इसमें रामकथा को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखा गया है। तथा अनेक राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय तथा मानवीय पक्षों से जोड़ा गया है।), जंगल की कहानी, साथ सहा गया दुख, टप्पर गाड़ी, शंखनाद, क्षमा करना जीजी।

वीरेन्द्रकुमार जैन : अनुत्तर योगी (तीन खंड, ऐतिहासिक उप॰, भगवान महावीर के जीवन पर), मुक्तिदूत।

कन्हैया लाल ओझा : मकड़ी का जाल, अर्थान्तर, सिन्धु-सीमान्त, सर्वनाम, सम्भवामि (ऐति॰ उपन्यास है, हड़प्पा सभ्यता पर केन्द्रित)

राजीव सक्सेना : पणिपुत्री सोमा (ऐतिहासिक उपन्यास)

मुक्तिबोध : विपात्र

कृष्णबलदेव वैद : उसका बचपन, गुज़रा हुआ ज़माना, नसरीन, विमल उर्फ जाएँ तो कहाँ, दर्द-ला-दवा, काला-कोलॉज, नर-नारी

मोहनराकेश : अँधेरे बन्द कमरे, न आने वाला कल, अन्तराल

राजेन्द्र यादव : उखड़े हुए लोग, सारा आकाश, मंत्रविद्ध, एक इंच मुस्कान, प्रेत बोलते हैं, अनदेखे अनजाने पुल, शह और मात

शानी : काला जल, कस्तूरी, साँप और सीढ़ी, पत्थरों में बंद आवाज, नदी और सीपियाँ।

निर्मल वर्मा : वे दिन (पात्र : मैं, रायना), लाल टीन की छत, एक चिथड़ा सुख, रात का रिपोर्टर।

गिरिराज किशोर : लोग, जुगलबंदी, यथा प्रस्तावित यात्रायें, चिड़ियाघर, पहला गिरमिटिया (गाँधी जी के अफ्रीका प्रवास काल पर), दो परिशिष्ट, अंतर्ध्वंस ढाई घर, इंद्रसुनें, दावेदार, तीसरी सत्ता।

गिरीश अस्थाना : धूप छाहीं रंग, धूलभरे चेहरे।

जगदम्बा प्रसाद दीक्षित (महानगरीय बोध के उपन्यासकार) : मुरदाघर, कटा हुआ आसमान, अकाल।

गोपाल उपाध्याय : एक टुकड़ा इतिहास।

महीपसिंह (महानगरीय बोध के उपन्यासकार) : यह भी नहीं।

श्रीकान्त वर्मा : दूसरी बार।

शिवसागर मिश्र : अक्षत, दूब जनम आयी, जनमेजय बचो, मगध की जय, अजन्मा वह, राज तिलक।

गंगाप्रसाद विमल : मृगांतक, मरीचिका, कहीं कुछ और, अपने से अलग

ख्वाज़ा बदी उज्जमा : एक चूहे की मौत (महानगरीय जीवन पर), छठा तन्त्र, सभापर्व, छाको की वापसी।

कमलेश्वर : एक सड़क सत्तावन गलियाँ, काली आँधी, समुद्र में खोया हुआ आदमी, डाक बँगला, आगामी अतीत, लौटे हुए मुसाफिर, तीसरा आदमी, कितने पाकिस्तान (साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत)।

देवेश ठाकुर : भ्रमभंग, प्रिय शबनम

योगेश गुप्त : उनका फैसला

मनोहर श्याम जोशी : कुरू कुरू स्वाहा (व्यंग्य उप॰), कसप, ट-टा-प्रोफेसर, हरिया हरकुलिस की कहानी, हमजाद, नेता जी कहिन।

गोविन्द मिश्र : लाल-पीली जमीन, हुजूर दरबार, वह अपना चेहरा, उतरती हुई धूप, तुम्हारी रोशनी में, धीर-समीर, पाँच आंगनों वाला घर, फूल इमारतें और बंदर।

हरिशंकर परिसांई : रानी नागफनी की कहानी (व्यंग्य उप॰)

श्रीलाल शुक्ल (व्यंग्य उपन्यासकार) : अज्ञातवास, रागदरबारी (1968, रिपोर्ताज शैली का प्रयोग), पहला पड़ाव, मकान, सीमाएं टूटती हैं, आदमी का जहर, बिस्रामपुर का संत।

अमरकान्त : सूखा पत्ता, ग्राम सेविका, कंटीली राह के फूल, काल उजले दिन, दीवार और आँगन।

राजकमल चौधरी : नदी बहती थी, मछली मरी हुई, एक अनारः एक बीमार, देहगाथा, बीस रानियों का बाईस्कोप, अग्निस्नान, शहर था शहर नहीं था, ताश के पत्तों का शहर।

केवल सूद : मुर्गीखाना

महेन्द्र भल्ला : एक पति के नोट्स, दूसरी तरफ, उड़ने से पेश्तर, दो देश और तीसरी उदासी।

रमेश बक्षी : अठारह सूरज के पौधे, बैसाखियों वाली इमारत, खुले आम, चलता हुआ लावा, एक घिसा हुआ चेहरा, हम तिनके।

शिवप्रसाद सिंह : अलग-अलग वैतरणी, गली आगे मुड़ती है, शैलूष, औरत, मंजुशिमा, वैश्वानर, नीला चाँद, कुहरे में युद्ध, दिल्ली दूर है।

मार्कण्डेय : अग्निबीज, सानेल का फूल

हृदयेश : हत्या, एक कहानी अंतहीन, सफेद घोडा काला सवार, सांड, पुनर्जन्म, दंडनायक, पगली घंटी, गांठ।

जगदीश चन्द्र : यादों का पहाड़, आधा पुल, मुट्ठी भर काँकर, कभी न छोड़ें खेत, टुण्डा लाट, धरती धन न अपना, नरक कुण्ड में वास, घासगोदाम।

काशीनाथ सिंह : अपना मोर्चा (छात्र-आन्दोलन पर)

सतीश जमाली : प्रतिबद्ध

दुष्यन्त कुमार : आँगन में एक वृक्ष

रमाकान्त : जुलूस वाला आदमी, तीसरा देश, प्यारा फर्जी अदब, छोटे-छोटे महायुद्ध।

स्वयंप्रकाश : बीच में विनय

रमेश उपाध्याय : दण्डद्वीप, स्वप्नजीवी, हरे फूल की खुशबू

कामतानाथ : समुद्र तट पर खुलने वाली खिड़की, एक और हिन्दुस्तान, तुम्हारे नाम, कालकथा

पंकज बिष्ट : लेकिन दरवाजा (महानगरीय जीवन पर), उस चिड़िया का नाम

मंजूर एहतेशाम : सूखा बरगद, दास्तान-ए-लापता

अब्दुल बिस्मिल्लाह : झीनी-झीनी बीनी चदरिया, मुखडा क्या देखे

रमेशचन्द्र शाह : गोबर गणेश, किस्सा गुलाम, आखिरी दिन, पुनर्वास

संजीव : किसनगढ़ के अहेरी, सर्कस, सावधान ! नीचे आग है, धार, जंगल जहाँ से शुरू होता है

वीरेन्द्र जैन : डूब, पार, पंचनामा

सुरेन्द्र वर्मा : अंधेरे से परे, मुझे चाँद चाहिए (1993, पात्र : यशोदा, वर्षा वशिष्ठ (नायिक), दिव्या कात्याल, हर्ष (नायक)), दो मुर्दों के लिए गुलदस्ता

सुरेश कांत : धम्मं शरणम्

कमलाकान्त त्रिपाठी : पाहीघर (1857 के स्वाधीनता संग्राम की पृष्ठभूमि में अवध की जनता में मानसिक उद्वेलन की कथा), बेदखल

अजगर बजाहत : सात आसमान

विनोद कुमार शुक्ल : नौकर की कमीज (1979), खिलेंगे तो देखेंगे (1996), दीवार में एक खिड़की रहती थी (1997)

मणि मधुकर : सफेद मेमने, पिंजरे में पन्ना

रामकुमार भ्रमर : कांचघर

शमशेरसिंह नरूला : एक पंखड़ी की तेज धार

प्रयाग शुक्ल : गठरी, लौट कर आने वाला दिन

श्याम व्यास : एक प्यासा तालाब

ओमप्रकाश दीपक : कुछ जिन्दगानियाँ बेमतलब

हरिप्रकाश त्यागी : दूसरा आदमी लाओ

सुरेन्द्र तिवारी : फिर भी कुछ

रवीन्द्र कालिया : खुदा सही सलामत है

यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र : हजार घोड़ों का सवार, ढोलन कुंजकली

सुदर्शन चोपडा : सम्मोहन

द्रोणवीर : टूटे हुए सूर्य

अनिरूद्ध पाण्डेय : पन्ना पुखराज

मुद्राराक्षस : हम सब मंसाराम, दण्डविधान

पानू खोलिया : बिम्ब

भगवानसिंह : अपने-अपने राम, महाभीषण

रवीन्द्र वर्मा : निन्यानबे

दूधनाथ सिंह : नमो अन्धकार

प्रकाश मनु : पापा के जाने के बाद

मायानंद मिश्र : पुरोहित

प्रियंवद : परछांई नाच

रामविलास शर्मा : चार दिन

भगवानदास मोरवाल : काला पहाड़

रघुवंश : अर्थहीन

जगदीश चतुर्वेदी : कनॉट प्लेस

महिला उपन्यासकार

कृष्णासोबती : मित्रो मरजानी (लंबी कहानी के रूप में चर्चित), डार से बिछुड़ी (1958), सूरजमुखी अँधेरे के (1972 पात्र : रती), जिंदगीनामा (1979, की पंजाब की विभाजन पूर्व स्थिति पर), दिल-ओ दानिश (1993), यारों के यार, आदमीनामा, ए-लड़की!

उषा प्रियंवदा : पचपन खंभे लाल दीवारें (सुषमा (नायिका)), रुकोगी नहीं ..... राधिका ?, जय यात्रा

मन्नू भण्डारी : आपका बंटी (पात्र : शकुन और जय), महाभोज (राजनीतिक विसंगतियों पर रचित, पात्र : दा साहब, बिसेसर, बिंदा)

शशिप्रभा शास्त्री : अमलतास, नावें, सीढ़ियां, उम्र एक गलियारे की, मीनारें

ममता कालिया : बेघर, नरक दर नरक, प्रेम कहानी, एक पत्नी के नोट्स, साँची

मृदुला गर्ग : उसके हिस्से की धूप, चित्तकोबरा, अनित्य, मैं और मैं, कठगुलाब, वंशज

राजी सेठ : तत्सम्, निष्कवच

निरूपमा सेवती : पतझड़ की आवाजें, बंटता हुआ आदमी, मेरा नरक अपना है

मृणाल पाण्डेय : विरुद्ध, पटरंगपुर पुराण, देवी, रास्तों पर भटकते हुए

मंजुल भगत : अनारो, लेडी क्लब

कमल कुमार : अपार्थ

कुसुम कुमार : हीरामन हाईस्कूल

चित्रा मुद्गल : एक जमीन अपनी

इला डालमियां : छत पर अपर्णा

नासिरा शर्मा : सात नदियाँ : एक समुन्दर, शाल्मली, जिंदा मुहावरे, ठीकर की मंगनी

प्रभा खेतान : आओ, पेपे घर चलें, छिन्नमस्ता (पात्र : प्रिया), अपने अपने चेहरे, पीली आँधी।

मैत्रेयी पुष्पा : बेतवा बहती रही, इदन्नमम् (नायिका : मंदा), चाक, झूला नट, स्मृतिदंश, विजन, अग्नपांखी, अल्मा कबूतरी

मेहरून्निसा परवेज : उसका घर, आँखों की दहलीज

सुनीता जैन : बिन्दु

सूर्यबाला : मेरे सन्धिपत्रा

कुसुम अंसल : अपनी-अपनी यात्रा

अलका सरावगी : कलिकथा : वाया बाईपास, शेष कादम्बरी

शिवानी : चौदह फेरे, कृष्णकली

कृष्णा अग्निहोत्री : टपरेवाले

मालती लफकर : इन्नी

रजनी पणिक्कर : महानगर की गीता, दूरियाँ

मालती जोशी : पाषाण युग

मीनाक्षी पुरी : जाने पहचाने अजनबी

कांता भारती : रेत की मछली

मैत्रेयी देवी : झिपय्या, न हन्यते

पद्मा सचदेवा : भटको नही धनंजय

ऋता शुक्ल : अग्निपर्व

प्रतिभा डावर : वह मेरा चाँद

नाटककार

लक्ष्मीनारायण मिश्र (समस्यामूलक नाटककार) : अशोक, संन्यासी, राक्षस का मंदिर, मुक्ति का रहस्य, राजयोग, सिन्दूर की होली, आधीरात, गरूड़ध्वज, नारद की वीणा, वत्सराज, दशाश्वमेघ, कवि भारतेन्दु, वितस्ता की लहरें, चक्रव्यूह, वैशाली में वसन्त, जगतगुरू, अपराजिता, धरती का हृदय, चित्रकूट, मृत्यंजय।

हरिकृष्ण प्रेमी : रक्षाबन्धन, शिवसाधना, प्रतिशोध, आहुति, स्वप्नभंग, मित्र, विषपान, प्रथम जौहर, शतरंज के खिलाड़ी, प्रकाशस्तम्भ, भग्नप्राचीर, विदा, साँपों की सृष्टि, रक्तदान, सोहिनी-महिवाल, अमरगान, सीमा संरक्षण, अमर बलिदान, शक्तिसाधना, अमृतपुत्री, स्वर्णविहान, पातालविजय, आन का मान, जौहर, छाया उद्धार, बन्धन।

पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' : गंगा का बेटा, माधव महाराज, महात्मा ईसा

गोविन्द वल्लभ 'पंत' : वरमाला, अंतःपुर का छिद्र, ययाति, अप्सरा, तुलसीदास, काशी का जुलाहा, कंजूसी की खोपड़ी, अंगूर की बेटी, राजमुकुट, सिंदूर की बिंदी, सुहागबिंदी।

वृन्दावनलाल वर्मा : सेनापति ऊदल, फूलों की बोरी, हंस मयूर, पूर्व की ओर, ललित विक्रम, झाँसी की रानी, बीरबल

आचार्य चतुरसेन शास्त्री : उत्सर्ग, अमर राठौर, मेघनाद, श्रीराम, अजीत सिंह, पग ध्वनि, छत्रसाल, गांधारी शशि गुप्त, सन्तोष कहाँ

सेठ गोविन्ददास : कुलीनता, शेरशाह, कर्ण, कर्तव्य, सिंहल द्वीप, रहीम, कवि भारतेन्दु महाप्रभु, वल्लभाचार्य, अशोक, भिक्षु से गृहस्थ, गृहस्थ से भिक्षु, स्नेह या स्वर्ग (गीतिनाट्य)।

रामवृक्ष बेनीपुरी : अम्बपाली, तथागत, विजेता चाणक्य, सीता की माँ

चन्द्रगुप्त विद्यालंकार : अशोक, रेखा, देव और दानव, न्याय की रात

परिपूर्णानन्द वर्मा : नाना फड़नवीस, सन् सत्तावन की क्रान्ति, वाजिद अलीशाह

उदयशंकर भट्ट : सागर विजय, विक्रमादित्य, विद्रोहिणी, अम्बा, कमला, मुक्तिदूत, शक विजय, अंतहीन अंत, क्रान्तिकारी, नया समाज, पार्वती, यह स्वतंत्रता का युग है, दाहर अथवा सिन्ध पतन; इनके सात काव्य नाटक हैं—विश्वामित्र, मत्स्यगंधा, राधा, अशोक वननंदिनी, कालिदास, नहुषनिपात, एकला चलो रे

सिद्धनाथ कुमार : सृष्टि की साँझ और अन्य काव्य नाटक

बलराज साहनी : मशाल, जादू की कुर्सी

रामकुमार वर्मा : कौमुदी महोत्सव, विजय पर्व, अशोक का शोक, नौहर की ज्योति, नाना फड़नवीस, महाराणा प्रताप, जय आदित्य, जय बांग्ला, अग्निशिखा, पृथ्वी का स्वर्ग, संत तुलसीदास, समुद्रगुप्त पराक्रमांक, भगवान बुद्ध, अहिल्याबाई, स्वयंवरा, अनुशासन पर्व, सम्राट कनिष्क, कुन्ती का परिताप, सरजा शिवाजी, कर्मवीर कर्ण।

राधिकारमण प्रसाद सिंह : धर्म की धुरी, अपना पराया

रांगेयराघव : स्वर्गभूमि का यात्री, रामानुज, विरूढ़क

भगवती चरण वर्मा : कर्ण, सबसे बडा आदमी, रुपया तुम्हें खा गया, वसीयत, तारा (काव्यनाटक)।

उपेन्द्रनाथ अश्क : जय पराजय, अंधीगली, उड़ान, छटा बेटा, पैंतरे, कैद, अलग अलग रास्ते, बड़े खिलाडी, अंजो दीदी, तूफान से पहले, स्वर्ग की झलक, पड़ोसिन का कोट, भँवर, आपस का समझौता, पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ, लौटता हुआ दिन।

जगदीश चन्द्र माथुर : कोणार्क, शारदीया, पहला राजा, दशरथ नन्दन, रघुकुल रीति, कुँवरसिंह की टेक

भुवनेश्वर : ऊसर (1938, एकांकी), ताँबे के कीड़े, (1946), एकाकी, कारवां (संकलन)

विष्णुप्रभाकर : डॉक्टर, नव-प्रभात, समाधि, युगे-युगे क्रान्ति, टूटते परिवेश, कुहासा और किरण, सत्ता के आर-पार, अब और नहीं, गांधार की भिक्षुणी, श्वेतकमल, बंदिनी (प्रभात कुमार मुखोपाध्याय के 'देवी' का नाट्यानुवाद)

हंसकुमार तिवारी : कच-देवयानी

केदारनाथ मिश्र 'प्रभात' : अंगुलिमाल

देवराज दिनेश : मानव प्रताप, यशस्वी भोज

धर्मवीर भारती : अंधा युग

गिरिजाकुमार माथुर : इन्दुमती, पृथ्वीकल्प, रोटी और कमल

भारतभूषण अग्रवाल : पलायन, सेतुबंधन, अग्निलीक

दुष्यन्त कुमार : एक कंठ विषपायी, मसीहा मर गया

अज्ञेय : उत्तर प्रियदर्शी

अमृतलाल नागर : युगावतार, उतार-चढाव, बात की बात, चंदन वन, चक्करदार सीढ़ियाँ और अन्धेरा, चुक्कड पर

नरेश मेहता : खण्डित यात्राएं, संशय की एक रात, अपराधी कौन, सरोवर के फूल, महाप्रस्थान, सुबहे के घण्टे

भीष्मसाहनी : हानुश, कबिरा खडा बाजार में, माधवी, मुआवजे

कमलेश्वर : अधूरी आवाज, चारूलता

शिवप्रसाद सिंह : घाटियाँ गूँजती हैं, चिरंजीत, तस्वीर उसकी

रमेश बक्शी : देवयानी का कहना है, तीसरा हाथी, बामाचार, कसे हुए तीर

ख्वाजा अहमद अब्बास : मैं कौन हूँ

शील : बेकारी, संघर्ष

गिरिराज किशोर : प्रजा ही रहने दो, घास और घोडा, चेहरे-चेहरे किसके चेहरे, नरमेध, केवल मेरा नाम लो, जुर्म आयद

मृणाल पाण्डेय : मौजूदा हालात को देखते हुए, जो राम रचि राखा, काजर की कोठरी, आदमी जो मछुवारा नहीं था, चोर निकल के भागा

नरेन्द्र कोहली : शम्बूक की हत्या

सुदर्शन चोपड़ा : अपनी पहचान

मन्नू भण्डारी : बिना दीवारों के घर, महाभोज (उपन्यास का नाट्य रूपान्तर)

भैरव प्रसाद गुप्त : चन्दवरदायी

सुरेन्द्र तिवारी : दीवारें

अमृत नाहटा : किस्सा कुरसी का

प्रियदर्शी प्रकाश : सभ्य साँप

गंगाप्रसाद विमल : आज नहीं कल

कृष्णबलदेव वैद : हाय हाय क्या

ममता कालिया : आप न बदलेंगे

रमेशचन्द्र शाह : मारा जाई खुसरो

विभुकुमार : तालों में बंद प्रजातंत्र, कहें ईसा सुनें मूसा

आशीष सिन्हा : एक उदास शाम

जगदीश चतुर्वेदी : पीली दोपहर

सुदर्शन नारंग : शवयात्रा

विश्वेश्वर : बहिष्कार

राजेश जोशी : जादू जंगल

मधुकर सिंह : सुबह के लिए

मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे-अधूरे, पैर तले की जमीन, छतरियाँ, रात बीतने तक (ध्वनि नाटक), पाँच परदे

लक्ष्मीनारायण लाल : अंधा कुआँ, सुन्दर रस, मादा कैक्टस, रातरानी, दर्पन, सूर्यमुख, कलंकी, मि॰ अभिमन्यु, कर्फ्यू, अब्दुला दीवाना, रक्तकमल, गंगाद्वार, व्यक्तिगत, खेल नहीं नाटक, यक्ष प्रश्न, चतुर्भुज राक्षस, एक सत्य हरिश्चन्द्र, संस्कार ध्वज, सगुन पंछी, गंगा माटी, पंच पुरूष, सूखा सरोवर, उत्तर युद्ध, नरसिंह कथा, राम की लड़ाई

दयाप्रकाश सिन्हा : साँझ सबेरा, भँवर, दुश्मन, इतिहास चक्र, ओह अमरीका, कथा एक कंस की, सादर आपका, मेरे भाई मेरे दोस्त, सीढ़ियाँ

ललित सहगल : हत्या एक आकार की, वरदान, गुफावासी

नागबोडस : खूबसूरत बहू

अमृतराय : चिन्दियों की झालर, शताब्दी, हम लोग।

ललितमोहन थपलियाल : मछलियों का तालाब, सुबह होती है शाम होती है, काला राजा, चिमटे वाले बाबा, अलग-अलग राहें

ज्ञानदेव अग्निहोत्री : नेफा की एक शाम, वतन की आबरू, चिराग जल उठा, शुतुरमुर्ग, अनुष्ठान, माटी जागी रे

विपिन कुमार अग्रवाल : तीन अपाहिज, ऊँची-नीची टाँग का जंघिया, उत्तर प्रश्न, उल्टा-सीधा स्वेटर, रेल कब आयेगी, यह पूरा नाटक एक शब्द है, कूड़े का पीपा, लोटन, खोये हुए आदमी की खोज।

शंकर शेष : मूर्तिकार, नयी सभ्यता के नये नमूने, रत्नगर्भा, विवाह मण्डप, बेटों वाला बाप, तिल का ताड़, बिन बाती के दीप, बंधन अपने अपने, फन्दी, खजुराहों का शिल्पी, एक और द्रोणाचार्य, घरौंदा, अरे मायावी सरोवर, रत्नगर्भा आधी रात के बाद, बाढ़ का पानी।

मृदुला गर्ग : एक और अजनबी, तुम लौट जाओ, जादू का कालीन।

असगर वजाहत : इन्ना की आवाज, वीरगति, फिरंगी लौट आये, सबसे सस्ता गोश्त (संकलन), पाँच नाटक (संकलन), जिस लाहौर नही देखया वो जन्मेई नई।

बृजमोहन शाह : त्रिशंकु, शह ये मात, युद्धमन, अलगोजा

मुद्राराक्षस : तिलचट्टा, योर्स फेथफुली, मरजीना, तेंदुआ, गुफाँए, सन्तोला, आला अफसर

हमीदुल्ला : समय संदर्भ, एक और युद्ध, उलझी आकृतियाँ, दरिन्दे, घरवन्द, दूसरा पक्ष, अपना अपना दर्द, उत्तर उर्वशी, हर बार

सुशील कुमार सिंह : बापू की हत्या हजारहवीं बार, सूरज जल धरती पर, अँधेरे के राही, सिंहासन खाली है, चार यारों की यार, नागपाश, गुडबाई स्वामी, नारी की सलीब।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : बकरी, लड़ाई, कल भात आयेगा, अब गरीबी हटाओ।

सुरेन्द्र वर्मा : सेतुबंध, 'नायक, खलनायक और विदूषक', द्रौपदी, सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक, आठवाँ सर्ग, नींद क्यों रात भर नहीं आती, वे नाक से बोलते हैं, मरणोपरान्त, हरी घास पर घण्टे भर, शनिवार को दो बजे, छोटे सैयद बड़े सैयद, शकुन्तला की अंगूठी, एक दूनी एक, कैद-ए-हयात

मणि मधुकर : रस गंधर्व, बुलबुल सराय, दुलारी बाई, खेला पोलमपुर, इकतारे की आँख, सारे सर्वनाम, इलायची बेंगम, सुने बोधिवृक्ष, छत्रभंग (संगीत), फूले मंदे (काव्यनाटिका), सलवटों में संवाद (एकांकी संग्रह)

कुसुम कुमार : ओम क्रान्ति-क्रान्ति, सुनो शेफाली, दिल्ली ऊँची सुनती है, सुनती है, संस्कार को नमस्कार, रावणलीला, मरसिया, पवन चतुर्वेदी की डायरी, मादा मिट्टी।

चिरंजीत (हास्यनाटककार) : बेकारी, संघर्ष

बलराज पण्डित : पाँचवाँ सवार, लोग उदासी, एक और तथागत, जनाने दाँत का अस्पताल।

प्रभाकर श्रोत्रिय : इला, फिर से जहाँपनाह।

शरद जोशी : अंधों का हाथी, एक था गधा उर्फ अलादाद खाँ

शंकर पुण्ताम्बेकर : बचाओ मुझे डॉक्टरों से बचाओ, शीशे के टुकड़े।

विलास गुप्ते : आदमी का गोश्त, आपके कर कमलों से

सतीश जमाली : आदमी आजाद है

आलोक शर्मा : चेहरों का जंगल

लक्ष्मीकान्त वर्मा : आदमी का जहर, अपना अपना जूता

सत्यव्रत सिन्हा : अमृतपुत्र

विनोद रस्तोगी : आजादी के बाद, नया हाथ, बर्फ की मीनार

डॉ॰ विनय : एक प्रश्न मृत्यु, पहला विद्रोही

सन्तोषकुमार नौटियाल : चाय पार्टियाँ

कणद ऋषि 'भटनागर' : जहर, जनता का सेवक

रमेश उपाध्याय : पेपर वेट

हबीब तनवीर : आगरा बाजार, राज चम्बा और चार भाई, गाँव के नॉव ससुरार मोर नॉव दामाद, ख्याल ठाकुर पृथ्वीपालसिंह, चरनदास चोर

सत्यप्रकाश संगर : दीप से दीप जले

रेवतीशरण शर्मा : अपनी धरती

रामकुमार वर्मा : जग बंग्ला

रघुवीर सहाय : बरनम वन

रामविलास शर्मा : पाप के पुजारी

काशीनाथ सिंह : घोआस

दूधनाथ सिंह : यमगाथा

शीला भाटिया : दर्द आएगा दबे पाँव (फैज के जीवन पर)

बलवन्त गार्गी : चाकू

राजेश जैन : कोयल चली हंस की चाल

शंभूनाथ सिंह : दीवार की वापसी

सुरेन्द्र गुलारी (हास्य नाटककार) : दाल में काला, शाबाश अनारकली

कहानीकार

उषादेवी मित्रा : पिंड कहाँ

राहुल सांकृत्यायन : सतमी के बच्चे, वोल्गा से गंगा

भगवती चरण वर्मा : दो बाँके, मुगलों ने सल्तनत बख्श दी, इन्स्टालमेन्ट, प्रायश्चित, राख और चिंगारी, प्रजेन्ट्स

राधिकारमण प्रसाद सिंह : दरिद्रनारायण, पैसे की घुघनी

भगवती प्रसाद बाजपेयी : मिठाई वाला, निंदिया लागी

सुभद्राकुमारी चौहान : बिखरे मोती, उन्मादिनी, पापी पेट

'उग्र' : देशभक्त, खुदाराम, चिन्गारियां, इन्द्रधनुष, चाकलेट, दोजख की आग, बलात्कार

अमृतलाल नागर : गरीब की हाय, नवाबी चक्कर, गोरखधन्धा, कालदण्ड की चोरी

उपेन्द्रनाथ 'अश्क' : गोखरू, अंकुर, चट्टान, डाची, पिंजरा, मेमने, काले साहब, कैप्टेन रशीद, टेबुल लैण्ड, जादुई शासन की गति, (संग्रह), कांगड़ा का तेली

जैनेन्द्र कुमार : तत्सत्, जाह्नवी, हत्या, खेल, वातायन, अपना-अपना भाग्य, बाहुबली, ध्रुवतारा, नीलम देश की राजकन्या, कः पन्थः, फाँसी, एक रात, पाजेब, स्पर्धा, दो चिड़ियाँ, एक दिन, पत्नी

'अज्ञेय' : अमरवल्लरी, शरणार्थी, विपथगा, परम्परा, कोठरी की बात, जयदोल, पठार का धीरज, गैंग्रीन, ये तेरे प्रतिरूप, रोज, मेजर चौधरी की वापसी, शत्रु, हिली बोन की बतखें, पुलिस की सीट, कडियाँ, मैना, सिगनिलर, रेल की सीटी, हरसिंगार

'मुक्तिबोध' : काठ का सपना, क्लाड ईथरली, विपात्र, सतह से उठता आदमी

यशपाल : परदा, मक्रील, कुछ न समझ सका, सूखी गण्डेरी, ज्ञानदान, अभिशप्त, तर्क का तूफान, भस्मावृत चिनगारी, वो दुनियाँ, फूलों का कुर्ता, धर्मयुद्ध,

उत्तराधिकारी, उत्तमी की माँ, तुमने क्यों कहा कि मैं सुन्दर हूँ, पिंजरे की उडान, चित्र का शीर्षक, दो मुँह की बात, पाप का कीचड़, सच बोलने की भूल।

विद्यालंकार : एक और हिन्दुस्तानी का जन्म हुआ, हूक

विष्णुप्रभाकर : धरती अब भी घूम रही है

कमल जोशी : शीराजी, पत्थर की आँखें

निर्मल वर्मा : परिन्दे, दहलीज, लंदन की एक रात, कुत्ते की मौत, जलती झाडी, बीच बहस में, हिल स्टेशन, लवर्स, एक दिन का मेहमान, पिछली गर्मियों में, कव्वे और कालापानी

राजेन्द्र यादव : शहर के बीच एक वृक्ष, किनारे से किनारे तक, मेहमान, टूटना, अभिमन्यु की आत्महत्या, देवताओं की मूर्तियां, जहाँ लक्ष्मी कैद है, छोटे-छोटे ताजमहल, प्रतीक्षा, ढोल और अपने पार, एक दुनियां: समानान्तर (संग्रह), वहां तक पहुँचने की दौड़

मोहन राकेश : कई एक अकेले, पाँचवे माले का लैट, मिस पाल, मलबे मालिक, सेफ्टीपिन, एक और जिन्दगी, जख्म, ठहरा हुआ चाकू, जानवर और जानवर, मवाली,

भीष्मसाहनी : चीफ की दावत, इन्द्रजाल, वांगचू, पहला पाठ, भटकी राख, शोभायात्रा, निशाचरी।

कमलेश्वर : राजा निरबंसिया, खोया हुआ आदमी, तलाश, पीला गुलाब, खोई हुए दिशाएं, एक अश्लील कहानी, नीली झील, मांस का दरिया, इतने अच्छे दिन, देवा की माँ, कस्बे का राजा, हमपेशा

अमरकान्त : जिन्दगी और जोंक, बहादुर, दोपहर का भोजन, डिप्टी कल्कटरी, खलनायक, हत्यारे, बस्ती, मूस, सप्ताहांत, मकान

फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम, लाल पान की बेगम, ठुमरी

कमलाकान्त वर्मा : खंडहर, तकली, पगडण्डी

शैलेश मटियानी : प्यास, घोडे, हारा हुआ

मन्नू भण्डारी : क्षण, यही सच है, आकाश के आईने में, कृषक, मैं हार गयी, तीन निगाहों की एक तस्वीर, एक लैट सैलाब, आँखों देखा झूठ, रेत की दीवार, त्रिशंकु, अलगाव, तीसरा आदमी, एखाने आकाश नेई।

शिवानी : सती, करिये छिमा

नरेश मेहता : चाँदनी, अनबीता व्यतीत, तथापि, निशाजी, एक समर्पित महिला

श्रीकान्त वर्मा : टेरसो, टुकडों में बंटी जिन्दगी ठंड

सुरेश सिन्हा : पानी की मीनारें, नीली धुंध के आरपार, कई कुहरे, एक अपरिचित दायरा

मार्कण्डेय : हंसा जाई अकेला, आदर्शों का नायक, बीच लोग, भूदान, माही, गुलरा के बाबा, महुए का पेड़, पानफूल

ज्ञानरंजन : फेस के इधर और उधर, घण्ट, बहिर्गमन, एक और अनुभव, पिता, संबंध, रचनाप्रक्रिया, यात्रा, शेष होते हुए, सपना नहीं

शेखर जोशी : दाज्यू, कोसी का घटवार, शुभो दीदी, प्रश्नवाचक आकृतियाँ, मेंटल, बोझ, बच्चे का सपना, गाइड, प्रथम साक्षात्कार, नौरंगी, बीमार है, विडुवा, संवादहीन, किस्सागो, बिरादरी, नेकलेस, निर्णय, आशीर्वचन, डांगरीवाले, बदबू, हलवाहा।

भैरव प्रसाद गुप्त : चाय का प्याला, मंगली की टिकुली, चुपचाप, ज्योतिष, झण्डा बाबा, लोहे की दीवार, सोने का पिंजड़ा, एक खामोश मौत, अपरिचय का घेरा, यही जिन्दगी है, कदम के नीचे, घुरघुआ, फूल एक मकान एक मौत, आप क्या कर रहे हैं, आँख की पट्टी, चरम बिन्दु

रांगेय राघव : पंच परमेश्वर, गदल

सतीश जमाली : प्रथम पुरुष, सहपाठी, निर्णय, चुनौती

काशीनाथ सिंह : सुधीर घोषाल, कहानी सराय मोहन की, अपना रास्ता लो बाबा, चाय घर में मृत्यु चोट, हस्तक्षेप, सूचना, कविता की नई तारीख, लालकिले का बाज

रमेश उपाध्याय : किसी बहाने

गिरिराज किशोर : नया, चार मोती, बेआब, नीम के फूल, पेपरवेट, रिश्ता

भुवनेश्वर : सूर्यपूजा, भेड़िये

इलाचन्द्र जोशी : खंडहर की आत्माएं, डायरी के नीरस पृष्ठ, आहुति, दीवाली और होली

भगवानदास मोरबाल : पहली हत्या, ललिहार, जीने के लिए, सूर्यास्त से पहले

उदयप्रकाश : डिबिया, तिरिछ, हीरालाल का भूत, दद्दू तिवारी, रामसजीवन की प्रेमकथा, टेपचू, वारेन हेस्टिंग्स का साँड़, पॉलगोमरा का स्कूटर, दरियाई घोड़ा और अंत में प्रार्थना, पीली छतरी वाली लड़की, दिल्ली की दीवार

दूधनाथ सिंह : गुप्त दान, रीछ, इंतजार, दुःस्वप्न, आइसबर्ग, सपाट चेहरे वाला आदमी, माई का शोकगीत, सुखांत, ममी तुम उदास क्यों हो, प्रतिशोध, रक्तपात

रवीन्द्र कालिया : कहानी अधूरी ही है, छाया मद्ध

जितेन्द्र भादिया : शहादतनामा

मधुकर सिंह : तीसरी सांस, शिकस्त

नीरज सिंह : मोहभंग, उसकी वापसी, जमीन, एक होते हुए, तिलचट्टा

विवेकानन्द : गुंजन शर्मा बीमार है, देर से आई बारात, लाल लकीर, शरीफ लोग, शिवालिंगम्, चोंचले, मटुआ छाया

रघुवीर सहाय : रास्ता इधर से है, जो आदमी हम बना रहे हैं, सीढ़ियों पर धूम में (कहानी, कविता, संस्मरण आदि का संग्रह)

धर्मवीर सहाय : गुलकी बन्नो, सावित्री नम्बर-2, बंद गली का आखिरी मकान, चाँद और टूटते हुए लोग, स्पर्श और पृथ्वी

रामदरश मिश्र : खाली घर, एक वह, दिनचर्या, सर्पदंश, सड़क

मृदुला गर्ग : कितनी कैदें, टुकड़ा-टुकड़ा आदमी उर्फ सैम, डैफोडिल जल रहे हैं, ग्लेशियर से, शहर के राम, दुनिया का कायदा, उसका विद्रोह

मैत्रीयी पुष्पा : चिन्टार, ललमलियाँ

कृष्णा सोबती : मित्रो मरजानी, डार से बिछुड़ी, यारों की यार, तीन पहाड़, नामपट्टिका का, से लड़की (लंबी कहानियाँ हैं।), बादलों के घेरे (संग्रह)

शिवप्रसाद सिंह : खैरा पीपल कभी न डोले, नन्हो, आरपार की माला, मुर्दासराय, इन्हें इतजार है, दादी माँ, बिन्दा महाराज

उषा प्रियंवदा : वापसी, जिंदगी और गुलाब के फूल, एक कोई दूसरा, फिर बसंत आया

गंगाप्रसाद विमल : प्रश्नचिन्ह्, एक और विदाई

हरिशंकर परसाई : भोलाराम का जीव

अमृतराय : ओर से पहले

मुद्राराक्षस : मुठभेड़

अखिलेश : जलडमरूमध्य, शापग्रस्त

महेन्द्र भल्ला : तीन चार दिन

प्रकाश : अंधेरे के सिलसिले (संग्रह)

गोविन्द्र मिश्र : गिद्ध, आसमान कितना नीला, हताबाज

इसराइल : अर्थहीन

योगेश गुप्त : एन्क्लोजर

वेद राही : हर रोज

अजगर वजाहत : केक

अमितेश्वर : हुक्कापाली, तीलियाँ

दिनेश पालीवाल : तोताचश्य, स्वीकारोक्ति, गिरता जटायु

मंजुल भगत : सफेद कौआ, मृत्यु की ओर, बूँद, गुलमोहर के गुच्छे

रमेश बत्तरा : थप्पड़, लड़ाई

सुरेन्द्रतिवारी : वार्ड नम्बर टू

यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' : स्वयं के निगलते हुए, महापुरुष

मंजूर एहतेशाम : तसबीह

विनोदकुमार शुक्ल : महाविद्यालय

अलका सरावगी : कहानी की तलाश में, दूसरी कहानी

मृणाल पाण्डेय : चार दिन की जवानी तेरी, यानि कि एक बात थी, बचुली चौकीदारिन

नाग बोडस : पाजामें में आदमी

कुँवरनारायण : अकारों के आसपास

संजीव : आप यहां हैं

विकल गौतम : शापित गंधर्व

नासिरा शर्मा : खुदा की वापसी

राजी सेठ : यह कहानी नहीं, पुल

विजयमोहन सिंह : शेरपुर 15 मील, एक बंगला बने न्यारा, गमे हस्ती का हो किसके

त्रिलोचन : देशकाल

शानी : इमारत ढहाने वाले

अब्दुल बिस्मिल्लाह : सुलह

निबन्धकार

गुलाबराय : ठलुवा क्लब, फिर निराशा क्यों, मेरी असफलताएं, कुछ उथल कुछ गहरे, मन की बातें, मेरे निबन्ध

निराला : प्रबंध प्रतिमा, चाबुक, चयन, संग्रह

रघुवीर सिंह : शेष कहानियाँ

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी : पंचपात्र

जयशंकर प्रसाद : काव्य कला और अन्य निबंध

महादेवी वर्मा : शृंखला की कड़ियाँ, क्षणदा, साहित्यकार की आस्था और अन्य निबंध

प्रेमचन्द : साहित्य का उद्देश्य

गुलेरी : विक्रमादित्य की मूल कथा, अमंगल के स्थान में मंगल शब्द

'अज्ञेय' : आत्मनेपद, भवन्ती, त्रिशंकु, आलावाल, लिखि कागद कोरे, हिन्दी साहित्य, एक आधुनिक परिदृश्य, केन्द्र और परिधि अद्यतन, स्रोत और सेतु, युगसंधियों पर घाट के किनारे, सर्जना और संदर्भ, जाग लिखी, अन्तरा, सब रंग कुछ राग (कुट्टिचातन नाम से)

नन्ददुलारे वाजपेयी : जयशंकर प्रसाद, आधुनिक साहित्य, नया साहित्य : प्रश्न

हजारी प्रसाद द्विवेदी (ललित निबंधकार) : नाखून क्यों बढ़ते हैं, ठाकुर की बटोर, कालिदास की लालित्य योजना, अशोक के फूल, विचार और वितर्क, कल्पता, विचार-प्रवाह, कुटज, मध्यकालीन धर्मसाधना, आलोकपर्व, शिरीष का फूल, बसंत आ गया, देवदारू, आम फिर बौरा गये आदि।

जैनेन्द्र कुमार : पूर्वोदय, मंथन, समय और हम, जड़ की बात, साहित्य का श्रेय और प्रेय, सोच-विचार, ये और वे इतस्ततः

शान्तिप्रिय द्विवेदी : संचारिणी, युग और साहित्य, सामयिकी, धरातल, प्रतिष्ठान, आधान, वृन्त और विकास, साकल्य।

दिनकर : अर्द्धनारीश्वर, मिट्टी की ओर, रेती के फूल, हमारी सांस्कृतिक एकता, पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण, संस्कृति के चार अध्याय, शुद्ध कविता की खोज, राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय साहित्य

नगेन्द्र : यौवन के द्वार पर, चेतना के बिम्ब, आस्था के चरण, आलोचक की आस्था

रामवृक्ष बेनीपुरी : गेहूँ और गुलाब, बन्दे वाणी विनायकौ

देवेन्द्र सत्यार्थी : धरती गाती है, एक युग एक प्रतीक, रेखायें बोल उठी

भदन्त आनन्द कोसल्यायन : जो भूल न सका

वासुदेवशरण अग्रवाल : पृथ्वीराज, कला और संस्कृति

यशपाल : चक्कर क्लब, देखा सोचा समझ गया, बात बात में बात, गाँधी की शव परीक्षा, न्याय का संघर्ष

बनारसीदास चतुर्वेदी : साहित्य और जीवन, हमारे आराध्य
माखनलाल चतुर्वेदी : अमीर इरादे : गरीब इरादे
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' : जिन्दगी मुस्कराई, बाजे पायलिया के घुंघरू, कारवां आगे बढ गये, जिन्दगी लहलहायी, माटी हो गयी सोना, महके आँगन चहके द्वार
भगवतशरण 'उपाध्याय' : ठूँठा आम
'अश्क' : मंटो : मेरा दुश्मन
प्रभाकर माचवे : खरगोश के सींग
विद्यानिवास मिश्र (ललित निबंधकार) : तुम चन्दन हम पानी, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, जीवन अलभ्य है, जीवन सौभाग्य है, शिरीष की याद आयी, चितवन की छाँह, आँगन का पंछी और बनजारा मन, मैने सिल पहुँचाई
धर्मवीर भारती : ठेले पर हिमालय, कहनी-अनकहनी, पश्यन्ती
शिवप्रसाद सिंह : शिखरों के सेतु
कुबेरनाथ राय (ललित निबंधकार) : प्रिया नीलकण्ठी, रस आखेटक, गन्धमादन, निषाद बाँसुरी, विषाद योग, दृष्टि अभिसार, कामधेनु
विद्यानिवास मिश्र : हिन्दू धर्म : जीवन में सनातन की खोज, परम्परा बन्धन नही, बसन्त आ गया पर उत्कण्ठा नही, कँटीले तारों के आर पार, संचारिणी, कौन तू फुलवा बीननहारी, अस्मिता के लिये, भ्रमरानन्द के पत्र, अंगद की नियति, कदम की फूली डाल साहित्य की चेतना, महाभारत का काव्यार्थ, लागौ रंग हरी, अग्निरथ, देश-धर्म और साहित्य, तमाल के झरोखे से, व्यक्ति व्यंजना
मुक्तिबोध : नयी कविता का आत्मसंघर्ष, नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, समीक्षा की समस्या, एक साहित्यिक की डायरी
विजयदेव नारायण 'साही' : लघुमानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस, शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट, अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग, हस्ताक्षर, ठलुवा बुद्धिजीवी, हँसना मना है अतिथि की मूर्खता पर
निर्मल वर्मा : शब्द और स्मृति, कला का जोखिम, हर बारिश में, शताब्दी के ढलते वर्षों में, दूसरे शब्दों में
नेमिचन्द्र जैन : अधूरे साक्षात्कार, रंगदर्शन, बदलते परिप्रेक्ष्य, जनान्तिक
रमेश कुन्तल मेघ : क्योंकि समय एक शब्द है, अथातो सौन्दर्य जिज्ञासा, साक्षी है सौन्दर्य प्राक्षिक
राहुल सांकृत्यायन : घुमक्कड़शास्त्र, अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा
रामविलास शर्मा : आस्था और सौन्दर्य, भाषा साहित्य और संस्कृति, विराम चिन्ह्, मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य, परम्परा का मूल्यांकन, मानव सभ्यता का विकास, भाषा युगबोध और कविता, कथा-विवेचना और गद्यशिल्प, भारत में अंग्रेजीराज और मार्क्सवाद, मार्क्स और पिछडे हुए समाज
विवेकीराय : बबूल, फिर बैतलवा डाल पर, जलूस रूका है, गंवई पाँव की गंध में
रवीन्द्रनाथ त्यागी : शोकसभा, देवदार के पेड, अतिथिकक्ष
हरिशंकर परसाई (व्यंग्यकार) : भूत के पाँव पीछे, विन्दारस, सदाचार का ताबीज, निठल्ले की डायरी, जैसे उनके दिन फिरे
शरद जोशी (व्यंग्यकार) : तिलस्म, जीप पर सवार इल्लिया, यथासंभव, श्रीगणेशाय नमः, भैसन्ह मांह रहता नित, बकुला, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, सरकार का जादू, बिल्लियों का अर्थशास्त्र, दूतावासों के चक्कर, हर फूल दिल्लीमुख, बंसी वाले का पुजारी, साहित्य का महाबली, बुद्धिजीवी, अर्थब्रहम, नदी में खड़ा कवि, प्रभु हमें डॉक्ट्रेट से बचा, अब मै रीतिकाल की ओर लौट रहा हूँ, मधुबाला से टीवी बाला तक, नये मेघदूत यत्र-तत्र सर्वत्र
भवानी प्रसाद मिश्र : जिन्होंने मुझे रचा, कुछ नीति कुछ राजनीति
रघुवीर सहाय : लिखने का कारण, दिल्ली मेरा परदेश, अर्थात्, और होगें जो मारे जायेंगे, ऊबे हुए सुखी, 'सीढियों पर घूप में' के कुछ निबंध हैं (ये हैं–लेखक के चारों ओर, दिल्ली-बसंत, आदि दिल्ली के एक सम्पादक से भेंट आदि)
श्रीकान्त वर्मा : जिरह
जगदीश चतुर्वेदी : दस्तावेज
अशोक वाजपेयी : फिलहाल, कवि कह गया है
रमेशचन्द्र शाह : समानान्तर, बागार्थ, शैतान के बहाने, साहित्य में आज का गतिरोध, समकालीन रचना में स्वतंत्रता का अर्थ
विष्णु प्रभाकर : हम जिनके ऋणी
जानकी वल्लभ शास्त्री : मन की बात, जो न बिक सकी
कृष्णदत्त पालीवाल : नया सृजन नया बोध
दूधनाथ सिंह : लौट आ ओ धार
गोविन्द मिश्र : परतों के बीच
श्रीनारायण चतुर्वेदी : राजभवन की सिगरेटदानी
लक्ष्मीचन्द्र : कागज की किश्तियां
लक्ष्मीकान्त : मैंने कहा
केदारनाथ अग्रवाल : समय-समय पर
नामवर सिंह : बकलमखुद
कृष्णबिहारी मिश्र : बेहया का जंगल, चुनाव जीत गया गाँव हार गया
विष्णुकान्त शास्त्री : कुछ चन्दन की कुछ कपूर की
मृदुला गर्ग : रंग ढंग
नन्दकिशोर नवल : कविता की मुक्ति, प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र, शब्द जहाँ सक्रिया हैं, दृश्यालेख

समालोचक

नंददुलारे वाजपेयी : आधुनिक साहित्य, नया साहित्य-नये प्रश्न, कवि निराला, जयशंकर प्रसाद, राष्ट्रीय साहित्य, प्रकीर्णिका, हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी, महाकवि सूरदास, आधुनिक काव्यः रचना और विचार, सम्पादन - सूरसागर, रामचरितमानस

शान्तिप्रिय द्विवेदी (प्रभाववादी समीक्षा के जनक) : साहित्यकी, कवि और काव्य, सामयिकी, संचारिणी, युग और साहित्य, ज्योति विहग (सुमित्रानन्दन पन्त पर), हमारे साहित्य निर्माता

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907-1979 ई॰) : हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940), सूर-साहित्य, कबीर (1942), हिन्दी साहित्य का आदिकाल (1952), मध्यकालीन बोध का स्वरूप (1970), मेघदूत एक कहानी, कालिदास की लालित्य योजना, भाषा साहित्य और देश, हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास, संदेश रासक (आलोचना)

डॉ॰ नगेन्द्र (1915-2000 ई॰) : सुमित्रानन्दन पन्त (1938), साकेत : एक अध्ययन (1939), शोध और सिद्धान्त, काव्यबिम्ब, हिन्दी साहित्य की प्रवृतियां, विचार और अनुभूति, रीतिकाव्य की भूमिका, देव और उनकी कविता, रस सिद्धान्त (1964), मिथक और साहित्य, आधुनिक हिन्दी नाटक, कामायनी के अध्ययन की समस्यायें, नयी समीक्षा : नये संदर्भ, साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय सौन्दर्य की भूमिका, आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां, शैली विज्ञान, भारतीय समीक्षा और आचार्य शुक्ल की काव्य दृष्टि

अनुवाद : अभिनव भारती, वक्रोक्ति जीवत, ध्वन्यालोक तथा नाट्यदर्पण (नगेन्द्र की देख-रेख में आचार्य विश्वम्भर ने किया) अरस्तू का काव्यशास्त्र, काव्य में उदान्त तत्व (द सब्लाइम—लोंजाइनिस), काव्य कला (आर्स पोएतिका - होरेस), पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा (लोसाई क्रिटिकाई - सेन्ट्सबरी)

निराला : रवीन्द्र कविता कानन, पन्त और पल्लव

सुमित्रानन्दन पन्त : गद्यपथ, शिल्प और दर्शन, छायावाद पुनर्मूल्यांकन

प्रेमचंद : साहित्य का उद्‌देश्य

दिनकर : पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण, शुद्ध कविता की खोज

गुलाबराय : सिद्धान्त और अध्ययन, काव्य के रूप, अध्ययन और आस्वाद, नवरस

विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : वाङमय विमर्श, बिहारी की वाग्विभूति, हिन्दी साहित्य का अतीत, हिन्दी का सम सामयिक साहित्य, हिन्दी नाट्य साहित्य का विकास

संपादन : घनआनंद ग्रंथावली, पद्‌माकर ग्रन्थावली, केशव ग्रन्थावली, भिखारीदास ग्रन्थावली, रामचरित मानस

पं॰ कृष्णशंकर शुक्ल : केशव की काव्यकला, कविवर रत्नाकर

लक्ष्मीनारायण सुधांशु : काव्य में अभिव्यंजनावाद, जीवन के तत्व और काव्य के सिद्धान्त

रामकुमार वर्मा : साहित्य समालोचना, कबीर का रहस्यवाद, हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज' : प्रेमचंद की उपन्यास कला

गिरिजादत्त शुक्ल गिरीश : महाकवि हरिऔध, गुप्त की काव्य धारा

रामनाथ सुमन : प्रसाद की काव्य कला

सत्येन्द्र : गुप्तजी की कला

शिवदानसिंह चौहान (पहले मार्क्सवादी आलोचक) : 1937 ई॰ के 'विशाल भारत' में चौहान जी का एक महत्वपूर्ण लेख 'भारत में प्रगतिशील साहित्य की आवश्यकता' छपा था। इनकी प्रमुख पुस्तकें हैं : प्रगतिवाद, साहित्य की परख, आलोचना के मान, साहित्य की समस्याएं, साहित्यनुशीलन

प्रकाशचंद्र गुप्त (मार्क्सवादी आलोचक) : नया हिन्दी साहित्य, आधुनिक हिंदी साहित्य, हिन्दी सहित्य की जनवादी परम्परा

रामविलास शर्मा (प्रगतिशील आलोचक) : प्राचीन भारत के भाषा-परिवार, मार्क्स और पिछडे हुए समाज, प्रगति और परम्परा, प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं, आस्था और सौन्दर्य, भाषा साहित्य और संस्कृति, मार्क्सवाद और प्राचीन साहित्य का मूल्यांकन, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, निराला की साहित्य साधना, लोकजागरण और हिन्दी साहित्य, नयी कविता और अस्तित्ववाद, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा, भाषा और समाज, परम्परा का मूल्यांकन, भारतीय इतिहास की समस्याएं, मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य, स्वाधीनता और राष्ट्रीय साहित्य, कथा विवेचन और गद्य शिल्प, मार्क्स, त्रातस्की और एशियाई समाज, प्रगतिशील विचारधारा और केदारनाथ अग्रवाल, भारतीय इतिहास और ऐतिहासिक भौतिकवाद, निराला, भारत में अंग्रेजी राज्य और मार्क्सवाद, प्रेमचन्द और उनका युग

अमृतराय (मार्क्सवादी आलोचक) : नयी समीक्षा

नामवरसिंह (प्रगतिशील) : इतिहास और आलोचना, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, छायावाद, कहानी : नई कहानी, कविता के नये प्रतिमान, दूसरी परम्परा की खोज, कला के विकास में अपभ्रंश का योग, वाद विवाद संवाद, काल मार्क्स : कला और साहित्यचिंतन, पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य

चन्द्रबली सिंह (प्रगतिशील आलोचक) : लोकदृष्टि और साहित्य

'अज्ञेय' : त्रिशंकु, आत्मनेपद, अद्यतन, संवतसर, कवि-दृष्टि, हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य, लिखि कागद कोरे, सर्जन और संदर्भ, जोग लिखी

पं॰ देवराज : छायावाद का पतन, साहित्य चिन्ता, आधुनिक समीक्षा प्रतिक्रियाएं

इलाचन्द्र जोशी : साहित्य सर्जना, विवेचना, साहित्य सन्तरण, विशेषण, साहित्य चिन्तन

देवराज उपाध्याय : आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य और मनोविज्ञान

मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार, एक साहित्यिक की डायरी, नयी कविता का आत्म संघर्ष, नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, भारत : इतिहास और संस्कृति (प्रतिबंधित)

विजयदेवनारायण साही : इतिहास और परम्परा, गोदान, राजनीति और साहित्य, जनवादी साहित्य, साहित्य क्यों, धर्मसापेक्ष और धर्मनिरपेक्ष तत्वों की तलाश हिन्दी साहित्य और उसके आसपास, 'पद्‌मावत' (जायसी की रचना 'पद्‌मावत' की समीक्षा है)

रमेशचन्द्र शाह : छायावाद की प्रासंगिकता, जयशंकर प्रसाद, वागर्थ, समानान्तर भारतीय साहित्य के निर्माता, अज्ञेय : भागर्थ का वैभव

रमेशकुन्तल मेघ : आधुनिकताबोध और आधुनिकीकरण, मध्ययुगीन रसदर्शन, अथातो सौन्दर्य जिज्ञासा, क्योंकि समय एक शब्द है, साक्षी है सौन्दर्य प्राश्निक

नेमिचन्द्र जैन : अधूरे साक्षात्कार, रंगदर्शन, बदलते, परिप्रेक्ष्य, जनान्तिक

मैनेजर पाण्डेय : साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और इतिहास दृष्टि, भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, शब्द और कर्म अनभै साँचा।

रामस्वरूप चतुर्वेदी : मध्ययुगीन हिन्दी काव्यभाषा, नवलेखन, भाषा और संवेदना, अज्ञेयः आधुनिक रचना की समस्या, कामायनीः पुनर्मूल्यांकन, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य

लक्ष्मीकान्त वर्मा : नयी कविता के प्रतिमान, नये प्रतिमान पुराने निकष

रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : शैलीविज्ञान की भूमिका, संरचनात्मक शैली विज्ञान, शैली विज्ञान और हिन्दी का समाजशास्त्र, हिन्दी भाषा के संरचना के विविध आयाम, आलोचना की नयी भूमिका, भाषा विज्ञान : सैद्धान्तिक चिन्तन

धर्मवीर भारती : साहित्य और मानव मूल्य, पश्यन्ती

रघुवंश : साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य, आधुनिक साहित्य का परिप्रेक्ष्य

देवीशंकर अवस्थी : विवेक के रंग, नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति, साहित्य विधाओं की प्रकृति

इन्द्रनाथ मदान : प्रेमचन्द : एक विवेचन, आलोचना और काव्य, आधुनिक कविता का मूल्यांकन, आज का हिन्दी उपन्यास, आधुनिकता और हिन्दी आलोचना, महादेवी, कामायनी : मूल्यांकन और मूल्यांकन

बलदेव उपाध्याय : भारतीय साहित्यशास्त्र

रामदहिन मिश्र : काव्य दर्पण, काव्य विमर्श

बच्चनसिंह : समकालीन साहित्य : आलोचना को चुनौती, आलोचक और आलोचना, आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीजशब्द, साहित्य का समाजशास्त्र और रूपवाद, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, हिन्दी नाटक

निर्मला जैन : पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी सरोकार, अंतस्थल का पूरा विप्लव : अंधेरे में, हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी, कविता का प्रतिसंसार, नयी समीक्षा के प्रतिमान, रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र, आधुनिक साहित्य : मूल्य और मूल्यांकन

विद्यानिवास मिश्र : रीतिविज्ञान, नयी कविता की मुक्तधारा, साहित्य का प्रयोजन

परमानन्द श्रीवास्तव : समकालीन कविता का व्याकरण, शेखर एक जीवनी का महत्व, काव्य शास्त्र

भगीरथ मिश्र : हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, हिन्दी रीतिसाहित्य, भारतीय काव्यशास्त्र

आनन्दप्रकाश दीक्षित : रस सिद्धान्त : स्वरूप और विश्लेषण, रस चिन्तन के विविध आयाम

रामानन्द तिवारी : सत्यं शिवम् सुन्दरम्

सुरेशचन्द गुप्त : आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्यसिद्धान्त

गिरिजाकुमार माथुर : नयी कविता : सीमायें और संभावनायें

भोलानाथ तिवारी : अभिव्यक्ति विज्ञान

गंगाप्रसाद विमल : समकालीन कहानी का रचना विधान

रामचन्द्र तिवारी : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी गद्य साहित्य

कृष्णदत्त पालीवाल : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिन्तन जगत्

जगदीश गुप्त : नयी कविता : शक्ति और सीमा, नयी कविताः स्वरूप और समस्यायें

जगदीशकुमार : शमशेर का काव्यलोक

प्रभाकर श्रोत्रिय : संवाद, रचना एक यातना है, कालयात्री है कविता, मेघदूत : एक अन्तर्यात्रा, जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता

नरेन्द्र मोहन : लंबी कविता का रचना विधान

केदारनाथ सिंह : आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्बविधान, मेरे समय के शब्द

मलयज : कविता से साक्षात्कार

दूधनाथ सिंह : निराला : आत्महंता आस्था

अशोक बाजपेयी : फिलहाल, कविता का गल्प, कविता का जनपद, कवि कह गया है, कुछ पूर्वाग्रह

विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास, हिंदी आलोचना

नन्दकिशोर नवल : निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कवितायें, हिन्दी आलोचना का विकास, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, समकालीन हिन्दी कवि

राममूर्ति त्रिपाठी : भारतीय काव्यशास्त्र : नव मूल्यांकन

मार्कण्डेय : कहानी की बात

मधुरेश : आज की हिन्दी कहानी : विचार और प्रतिक्रिया, **सिलसिला :** समकालीन कहानी की पहचान, हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, हिन्दी कहानी का विकास, हिन्दी उपन्यास का विकास, यशपाल : एक समर्पित व्यक्तित्व, राहुल का कथाकर्म

रामदरश मिश्र : हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा

सुनीति कुमार चटर्जी : भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी

हरदेव बाहरी : भाषा विज्ञान

कुमार विमल : सौंन्दर्यशास्त्र के तत्व, कला विवेचन

चंद्रभूषण तिवारी : आलोचना की धार

विजयमोहन सिंह : कथा समय

देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, काव्य के तत्व

प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य, भक्ति काव्य का समाजशास्त्र, भक्तिकाव्य की भूमिका, हिन्दी स्वच्छंदतावादी काव्य

विजयेन्द्र स्नातक : कबीर

मन्नू भण्डारी : संकल्प का सौन्दर्यशास्त्र

शेफालिका : रेणु का कथा संसार

रेखा खरे : निराला की कवितायें और काव्य भाषा

गोपालराम : हिन्दी उपन्यास कोश

अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की कविताई, मुक्तिबोध की समीक्षाई

नलिन विलोचन शर्मा : साहित्य का इतिहास-दर्शन

निर्मल वर्मा : शब्द और स्मृति

विपिन कुमार अग्रवाल : आधुनिकता के पहलू

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'बादल की मृत्यु' एकांकी के रचनाकार हैं–
A. रामकुमार वर्मा B. आचार्य शुक्ल
C. प्रसाद D. विष्णु प्रभाकर

2. धर्मवीर भारती के एकांकी का नाम है–
A. निशानेबाज B. नदी प्यासी थी
C. उपर्युक्त दोनों D. इनमें से कोई नहीं

3. अमृतराय की एकांकी है–
A. राह चलते B. रूसी लोग
C. उपर्युक्त दोनों D. इनमें से कोई नहीं

4. 'एक साहित्यिक की डायरी' के लेखक हैं–
A. अज्ञेय B. मुक्तिबोध
C. धर्मवीर-भारती D. अमृतराय

5. उपन्यास और रचनाकारों को सुमेलित करें–

रचनाकार	उपन्यास
(*i*) राजेन्द्र यादव	(*a*) अंधेरे बंद कमरे
(*ii*) मोहन राकेश	(*b*) एक सड़क सत्तावन गलियाँ
(*iii*) कमलेश्वर	(*c*) आँचल में कोई
(*iv*) वृन्दावन लाल वर्मा	(*d*) कुलटा

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*d*)	(*c*)	(*b*)
B.	(*b*)	(*d*)	(*c*)	(*a*)
C.	(*d*)	(*a*)	(*b*)	(*c*)
D.	(*b*)	(*a*)	(*d*)	(*c*)

6. 'टेढ़े-मेढ़े रास्ते' उपन्यास के लेखक हैं–
A. रांगेय राघव B. अमृतराय
C. मन्नू भंडारी D. भगवती चरण वर्मा

7. 'निशिकान्त' उपन्यास के लेखक हैं–
A. विष्णु प्रभाकर B. प्रभाकर माचवे
C. नरेश मेहता D. राम नरेश त्रिपाठी

8. 'अपने-अपने अजनबी' उपन्यास लिखा है–
A. मुक्तिबोध B. अज्ञेय
C. चतुरसेन शास्त्री D. शमशेर

9. 'नागार्जुन' के उपन्यास का नाम है–
A. हीरक जयंती B. मशाल
C. जंजीरे D. उपर्युक्त सभी

10. 'दीर्घतपा' उपन्यास लिखा है–
A. नरेश मेहता B. रांगेय राघव
C. रेणु D. मन्नू भण्डारी

11. उषा प्रियंवदा के उपन्यास का नाम है–
A. हम तिनके B. पचपन खम्भे, लाल दीवारें
C. जंगल के फूल D. धूमकेतु

12. भीष्म साहनी का उपन्यास है–
A. सोनल का फूल B. वृषित
C. गंगामैया D. बसन्ती

13. अमृतराय के उपन्यास का नाम है :
A. धुँआ B. छोटे-छोटे पक्षी
C. कुरू-करू स्वाहा D. नई ईमारत

14. 'नवनिधी' किसका कहानी संग्रह है?
A. पंकज बिष्ट B. नागार्जुन
C. प्रेमचंद D. अज्ञेय

15. 'कोठरी की बात' कहानी संग्रह के रचयिता हैं–
A. मुक्तिबोध B. अज्ञेय
C. लाला श्रीनिवासदास D. प्रभाकर माचवे

16. यशपाल के कहानी संग्रह का नाम है–
A. फूलों का कुर्ता B. पिंजड़े की उड़ान
C. उपर्युक्त दोनों D. इनमें से कोई नहीं

17. 'संगीनों का साया' किसका काव्य संग्रह है?
A. प्रभाकर माचवे B. राहुल सांकृत्यायन
C. यशपाल D. अज्ञेय

18. कहानी संग्रह और लेखकों के नाम को सुमेलित करें–

लेखक	कहानी संग्रह
(*i*) मोहन राकेश	(*a*) फिर बसन्त आया
(*ii*) कमलेश्वर	(*b*) पहला पाठ
(*iii*) भीष्म साहनी	(*c*) नए बादल
(*iv*) उषा प्रियंवदा	(*d*) मांस का दरिया

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*d*)	(*a*)	(*c*)	(*b*)
B.	(*d*)	(*c*)	(*d*)	(*a*)
C.	(*c*)	(*d*)	(*b*)	(*a*)
D.	(*a*)	(*c*)	(*b*)	(*d*)

19. 'मेरी जीवन रेखा' आत्मकथा के रचयिता हैं–
A. हजारी प्रसाद द्विवेदी B. महावीर प्रसाद द्विवेदी
C. राहुल सांकृत्यायन D. प्रभाकर माचवे

20. 'मेरा जीवन साथी' किसकी आत्मकथा है?
A. नंद दुलारे वाजपेयी B. अज्ञेय
C. राम कुमार वर्मा D. प्रेमचंद

21. 'मेरी जीवन यात्रा' किसकी रचना है?
A. नागार्जुन B. राहुल सांकृत्यायन
C. महावीर प्रसाद द्विवेदी D. मुक्तिबोध

22. 'आत्मकथा' किसकी रचना है?
A. महात्मा गाँधी B. जवाहर लाल नेहरू
C. डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद D. लाल बहादुर शास्त्री

23. 'मेरी आत्म कहानी' आत्मकथा किसने लिखी है?
A. चतुरसेन शास्त्री B. महावीर प्रसाद द्विवेदी
C. राहुल सांकृत्यायन D. महात्मा गाँधी

24. 'सौष्ठववादी' किसकी समीक्षा पद्धति को कहा जाता है?
A. डॉ॰ नगेन्द्र B. हजारी प्रसाद द्विवेदी
C. आचार्य शुक्ल D. नंद दुलारे वाजपेयी

25. रामविलास शर्मा द्वारा लिखित है–
A. प्रगति और परम्परा B. भाषा, युगबोध और कविता
C. परम्परा का मूल्यांकन D. उपर्युक्त सभी

26. 'भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ' लिखा है–
A. राम कुमार वर्मा B. राम विलास शर्मा
C. नंद दुलारे वाजपेयी D. हजारी प्रसाद द्विवेदी

27. 'पाप के पुजारी' नाटक के रचयिता हैं–
A. प्रभाकर माचवे B. दिनकर
C. रामविलास शर्मा D. नरेश मेहता

28. 'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना' लिखा है–
A. डॉ॰ नगेन्द्र B. रामविलास शर्मा
C. हजारी प्रसाद द्विवेदी D. नामवर सिंह

29. 'मार्क्स, त्रात्सकी और एशियाई समाज' लिखा है–
A. रामकुमार वर्मा B. डॉ॰ नगेन्द्र
C. हजारी प्रसाद द्विवेदी D. राम विलास शर्मा

30. 'ऐन्दुई हिन्दुस्तानी' का प्रकाशन हुआ–
A. 1849 ई॰ B. 1839 ई॰
C. 1832 ई॰ D. 1843 ई॰

31. रीतिकाव्य की भूमिका किसने लिखी?
A. रामविलास शर्मा B. डॉ॰ राम कुमार वर्मा
C. आचार्य शुक्ल D. डॉ॰ नगेन्द्र

32. शुक्ल जी ने रासो शब्द की उत्पत्ति किसके द्वारा मानी है?
A. रास शब्द से B. रासक शब्द से
C. रसायण शब्द से D. रस शब्द से

33. रोमांस शब्द आया है–
A. अंग्रेजी भाषा में B. यूनानी भाषा में
C. जर्मन भाषा में D. फ्रांसीसी भाषा में

34. भारत में रोमांटिक कथाओं का उद्‌भव काल माना जाता है–
A. हड़प्पा काल से B. वेद काल से
C. महाभारत काल से D. आदि काल से

35. 'विकलांग श्रद्धा का दौर' के लेखक हैं–
A. प्रभाकर माचवे B. नरेश मेहता
C. बालकृष्ण भट्ट D. हरिशंकर परसाई

36. परसाई जी की कृति है–
A. निठल्ले की डायरी B. तुलसी भूषण
C. राम रत्नाकर D. रुक्मिणी परिणय

37. भारतेन्दु की भक्तिपरक रचना का नाम है–
A. भक्त सर्वस्त B. रुक्मिणी परिणय
C. उपर्युक्त दोनों D. इनमें से कोई नहीं

38. भारतेन्दु की प्रेम संबंधी रचना का नाम है–
A. प्रेम सरोवर B. प्रेम मालिका
C. उपर्युक्त दोनों D. इनमें से कोई नहीं

39. अम्बिका दत्त व्यास की प्रसिद्ध कृति का नाम है–
A. षटऋतु B. प्रेमतरंग
C. प्रेम माधुरी D. बिहारी बिहार

40. 'प्रेम पथिक' के रचनाकार हैं–
A. अम्बिकादत्त व्यास B. नरेश मेहता
C. ठाकुर जगमोहन सिंह D. वियोगी हरि

41. 'बैशाख माहात्म्य' रचना है–
A. बालकृष्ण भट्ट B. भारतेन्दु
C. वियोगी हरि D. ठाकुर जगमोहन सिंह

42. 'नये जमाने की मुकरी' के रचनाकार का नाम है–
A. अम्बिकादत्त व्यास B. प्रताप नारायण मिश्र
C. बद्रीनारायण चौधरी D. भारतेन्दु

43. 'हिन्दी हिन्दू, हिन्दुस्तान' के रचयिता हैं–
A. भारतेन्दु B. प्रतापनारायण मिश्र
C. वियोगी हरि D. अम्बिकादत्त व्यास

44. नीचे कुछ रचनाकारों और रचनाओं के नाम दिए जा रहे हैं, उन्हें सुमेलित करें।

रचनाकार	रचना
(*i*) प्रताप नारायण मिश्र	(*a*) युगल स्त्रोत
(*ii*) राधाचरण गोस्वामी	(*b*) शिवशम्भू के चिट्ठे
(*iii*) बालमुकुन्द गुप्त	(*c*) नव भक्त माल
(*iv*) बद्री नारायण चौधरी	(*d*) मन की लहर

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*d*)	(*b*)	(*a*)	(*c*)
B.	(*d*)	(*c*)	(*b*)	(*a*)
C.	(*b*)	(*c*)	(*a*)	(*d*)
D.	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)

45. खड़ी बोली के लिए सशक्त आंदोलन चलाया–
A. आचार्य शुक्ल B. हजारी प्रसाद द्विवेदी
C. महावीर प्रसाद द्विवेदी D. नंद दुलारे वाजपेयी

46. 'विरहिणी ब्रजांगना' के रचयिता हैं–
A. माखनलाल चतुर्वेदी B. मैथिलीशरण गुप्त
C. दिनकर D. श्रीधर पाठक

47. 'मिलन' किसकी रचना है?
A. राम नरेश त्रिपाठी B. रामचरित उपाध्याय
C. श्रीधर पाठक D. मैथिलीशरण गुप्त

48. 'शाकुन्तलम्' के रचयिता हैं–
A. दिनकर B. केदारनाथ अग्रवाल
C. माखनलाल चतुर्वेदी D. मैथिलीशरण गुप्त

49. 'काव्य मंजूषा' और 'सुमन' किसकी पद्य रचनाएँ हैं?
A. महावीर प्रसाद द्विवेदी B. प्रसाद
C. मैथिलीशरण गुप्त D. अज्ञेय

50. मैथिलीशरण गुप्त की पद्य रचना है–
A. किसान B. स्वर्गीय पीपा
C. प्रेम प्रबंध D. रस कलश

51. 'पारिजात' महाकाव्य किसके द्वारा रचित है?
A. मैथिलीशरण गुप्त B. सियाराम शरण गुप्त
C. हरिऔध D. श्रीधर पाठक

52. प्रिय प्रवास आधारित है–
A. स्कंध पुराण पर B. उपनिषद पर
C. महाभारत पर D. भागवत पुराण पर

53. 'दिवस का अवसान समीप था' कहाँ से उद्धृत है?
A. प्रिय प्रवास से B. करुणालय से
C. झरना से D. युगांत से

54. सियाराम शरण गुप्त की रचना है–
A. मौर्य विजय B. रसिक रहस्य
C. विष्णुप्रिया D. स्वदेश संगीत

55. 'वीर क्षत्राणी' के रचनाकार हैं–
A. देवी प्रसाद पूर्ण B. सियाराम शरण गुप्त
C. लाला भगवानदीन D. रामचरित उपाध्याय

56. 'महामानव' प्रबंध काव्य किसने लिखा?
A. मोहन लाल महतो वियोगी B. गुरुभक्त सिंह
C. मैथिलीशरण गुप्त D. ठाकुर प्रसाद सिंह

57. 'छायावाद को स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किसने माना है–
A. आचार्य शुक्ल B. हजारी प्रसाद द्विवेदी
C. नंद दुलारे वाजपेयी D. डॉ॰ नगेन्द्र

58. छायावाद पर किसका प्रभाव है?
A. द्वैतवाद का B. अद्वैतवाद का
C. विशिष्ट द्वैतवाद का D. मार्क्सवाद का

59. किसे 'भारतीय आत्मा' कहा जाता है?
A. दिनकर B. मैथिलीशरण गुप्त
C. प्रसाद D. माखनलाल चतुर्वेदी

60. 'उच्छ्वास' किसका काव्य संग्रह है?
A. प्रसाद B. निराला
C. हरिऔध D. पंत

61. छायावाद की प्रथम कृति का नाम है–
A. आँसू B. गुंजन
C. झरना D. पल्लव

62. रजत शिखर और शिल्पी किसके द्वारा लिखे गए?
A. निराला द्वारा B. प्रसाद द्वारा
C. पंत द्वारा D. महादेवी वर्मा

63. 'ग्रंथि' काव्य संग्रह के रचयिता हैं–
A. निराला B. पंत
C. मैथिलीशरण गुप्त D. प्रसाद

64. 'चित्रलेखा' के रचयिता हैं–
A. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' B. भगवती चरण वर्मा
C. जैनेन्द्र D. प्रसाद

65. बच्चन जी की प्रमुख काव्य कृति है–
A. निशा निमंत्रण B. अभिशाप
C. चित्राधार D. महाराणा का महत्व

66. 'सृजन के क्षण' किसका प्रमुख काव्य है?
A. अज्ञेय B. मुक्तिबोध
C. भगवतीचरण वर्मा D. दिनकर

67. 'महाराणा का महत्व' किसकी रचना है?
A. निराला B. प्रसाद
C. पंत D. केदारनाथ अग्रवाल

68. 'हिमकिरीटिनी' किसका प्रसिद्ध काव्य संग्रह है?
A. धूमिल B. आरसी प्रसाद सिंह
C. माखनलाल चतुर्वेदी D. दिनकर

69. 'उर्मिला' किसका काव्य संग्रह है?
A. प्रेमचंद B. भारतेंदु
C. मैथिलीशरण गुप्त D. नवीन जी

70. द्वन्द्व गीत किसका काव्य संग्रह है?
A. जगन्नाथ प्रसाद मिलिन्द B. दिनकर
C. माखनलाल चतुर्वेदी D. देवराज दिनेश

71. 'इतिहास के आँसू' काव्य संग्रह के रचयिता हैं–
A. दिनकर B. माखनलाल चतुर्वेदी
C. मैथिलीशरण गुप्त D. हरिवंश राय बच्चन

72. 'स्वर्णोदय' और 'कर्ण' किसका काव्य संग्रह है?
A. हरिऔध B. श्रीधर पाठक
C. मुक्तिबोध D. केदारनाथ मिश्र

73. 'ऋतुम्भरा' किसका काव्य संग्रह है?
A. माखन लाल चतुर्वेदी B. प्रसाद
C. सुभद्रा कुमारी चौहान D. दिनकर

74. 'मेघगीत' व 'अवन्तिका' किसका काव्य संग्रह है?
A. देवकी नंदन विभव B. जानकी वल्लभ शास्त्री
C. महेश चंद प्रसाद D. सुभद्रा कुमारी चौहान

75. 'रूप रश्मि' किसका काव्य संग्रह है?
A. हरिकृष्ण B. शम्भूनाथ सिंह
C. देवकी नंदन विभव D. नवीन

76. कवि और उनके काव्य संग्रह को सुमेलित करें–

कवि	काव्य संग्रह
(*i*) नरेन्द्र शर्मा	(*a*) प्रवास के गीत
(*ii*) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	(*b*) उर्मियां
(*iii*) विद्यावती कोकिल	(*c*) कुसुमांजलि
(*iv*) देवकी नंदन विभव	(*d*) सुहागिन

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
B.	(*d*)	(*a*)	(*c*)	(*b*)
C.	(*a*)	(*b*)	(*d*)	(*c*)
D.	(*b*)	(*d*)	(*c*)	(*a*)

77. 'आधुनिक कवि' किसका काव्य संग्रह है?
A. दिनकर B. भारतेन्दु
C. हरिऔध D. उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

78. पेरिस में प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई?
A. 1931 ई॰ B. 1932 ई॰
C. 1934 ई॰ D. 1935 ई॰

79. निराला की भिक्षुक, विधवा और बादल कविताएँ संग्रहीत हैं–
A. अनामिका में B. परिमल में
C. गीतिका में D. तुलसीदास में

80. 'मधुकण' किसका काव्य संग्रह है?
A. दिनकर B. भगवती चरण वर्मा
C. पंत D. प्रसाद

81. कालक्रम से हिन्दी के प्रथम प्रगतिवादी कवि हैं–
A. केदारनाथ अग्रवाल B. रांगेय राघव
C. रामेश्वर करूण D. रामविलास शर्मा

82. कवि और उनके द्वारा रचित काव्य संग्रह को सुमेलित करें।

कवि	काव्य संग्रह
(*i*) केदारनाथ अग्रवाल	(*a*) युगधारा
(*ii*) नागार्जुन	(*b*) रूप तरंग
(*iii*) रामविलास शर्मा	(*c*) नींद के बादल
(*iv*) शिवमंगल सिंह	(*d*) कल्लोल

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*b*)	(*d*)	(*c*)
B.	(*a*)	(*c*)	(*b*)	(*d*)
C.	(*d*)	(*a*)	(*c*)	(*b*)
D.	(*b*)	(*c*)	(*a*)	(*d*)

83. 'अजेय खण्डहर' काव्य संग्रह है–
A. रांगेय राधव B. नागार्जुन
C. रामविलास शर्मा D. माखनलाल चतुर्वेदी

84. 'दूब के आंसू' किसका काव्य संग्रह है?
A. रणजीत B. सुदर्शन
C. कमलेश D. मुक्तिबोध

85. 'नई कविता' नाम का प्रचार किया–
A. कमलेश ने B. डॉ॰ जगदीश गुप्त ने
C. हरिनारायण विद्रोही D. अज्ञेय ने

86. 'नई कविता' पत्रिका का संपादन वर्ष है–
A. 1952 ई॰ B. 1953 ई॰
C. 1954 ई॰ D. 1955 ई॰

87. नकेनवादी परम्परा के प्रतिनिधि कवि हैं–
A. नलिन विलोचन शर्मा B. केसरी कुमार
C. नरेश मेहता D. उपर्युक्त सभी

88. प्रतीकवाद की स्थापना कहाँ हुई?
A. इटली B. फ्रांस
C. जर्मनी D. यूनान

89. बिम्बवाद की स्थापना हुई–
A. इंग्लैंड B. यूनान
C. जर्मनी D. फ्रांस

90. दादावाद के विकसित रूप को कहते हैं–
A. प्रयोगवाद B. यथार्थवाद
C. अतियथार्थवाद D. आदर्शवाद

91. 'भग्नदूत' किसका काव्य संग्रह है?
A. मुक्तिबोध B. अज्ञेय
C. माखन लाल चतुर्वेदी D. कमलेश

92. 'मंजीर' काव्य संग्रह के रचयिता हैं–
A. प्रयाग नारायण त्रिपाठी B. दिनकर
C. गिरिजा कुमार माथुर D. रामस्वरूप चतुर्वेदी

93. 'सात गीत वर्ष' किसका काव्य संग्रह है?
A. गिरिजा कुमार माथुर B. नलिन विलोचन
C. लक्ष्मीकांत वर्मा D. धर्मवीर भारती

94. 'जागते रहो' किसका काव्य-संग्रह है?
A. गिरिजा कुमार माथुर B. केदारनाथ अग्रवाल
C. भारतभूषण अग्रवाल D. दिनकर

95. नीचे कवि और उसके काव्य संग्रह को सुमेलित करें।

कवि	काव्य संग्रह
(*i*) शमशेर	(*a*) मेपल
(*ii*) डॉ॰ रघुवीर सहाय	(*b*) कुछ कविताएँ, कुछ और कविताएँ
(*iii*) दुष्यंत कुमार	(*c*) लोग भूल गए हैं
(*iv*) प्रभाकर माचवे	(*d*) सूर्य का स्वागत

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*b*)	(*d*)	(*c*)
B.	(*b*)	(*c*)	(*a*)	(*d*)
C.	(*d*)	(*b*)	(*c*)	(*a*)
D.	(*b*)	(*c*)	(*d*)	(*a*)

96. 'चन्द्रगुप्त मौर्य' रचना की–
A. बालकृष्ण शर्मा B. श्याम नारायण प्रसाद
C. नटवर लाल सनेही D. राम खेलावन

97. 'संशय की एक रात' के रचनाकार हैं–
A. नवीन B. नरेश मेहता
C. दिनकर D. मुक्तिबोध

98. 'दिग्विजय' के रचयिता हैं–
A. अरूण पोद्धार B. आचार्य तुलसी
C. कमलेश D. बलदेव प्रसाद मिश्र

99. नीचे रचनाकार और रचनाओं को सुमेलित करें–

रचनाकार	रचना
(*i*) नागार्जुन	(*a*) सुवर्णा
(*ii*) नरेन्द्र शर्मा	(*b*) भस्मांकुर
(*iii*) परमानंद	(*c*) उत्तरायण
(*iv*) रामकुमार वर्मा	(*d*) निष्कासिका

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*b*)	(*a*)	(*c*)	(*d*)
B.	(*b*)	(*a*)	(*d*)	(*c*)
C.	(*a*)	(*d*)	(*c*)	(*b*)
D.	(*c*)	(*a*)	(*d*)	(*b*)

100. नीचे रचनाकार और रचनाओं को सुमेलित करें–

रचनाकार	रचना
(*i*) नरेश मेहता	(*a*) सत्यकाम
(*ii*) सुमित्रानंदन पंत	(*b*) प्रणभंग
(*iii*) दिनकर	(*c*) महाप्रस्थान
(*iv*) भारतभूषण अग्रवाल	(*d*) अग्निलीक

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
B.	(*b*)	(*a*)	(*d*)	(*c*)
C.	(*a*)	(*d*)	(*c*)	(*b*)
D.	(*c*)	(*a*)	(*d*)	(*b*)

101. नीचे दिए गए रचनाकार और रचनाओं को सुमेलित करें–

रचनाकार	रचना
(*i*) भवानी प्रसाद मिश्र	(*a*) कालजयी
(*ii*) पंत	(*b*) पुरूषोत्तम राम
(*iii*) नरेंद्र शर्मा	(*c*) द्रौपदी
(*iv*) केदार नाथ मिश्र	(*d*) ऋतुम्भरा

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*d*)	(*c*)	(*b*)
B.	(*a*)	(*b*)	(*d*)	(*c*)
C.	(*c*)	(*a*)	(*d*)	(*b*)
D.	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)

102. 'सारथी' के रचनाकार हैं–
A. अनूपशर्मा
B. भारतभूषण अग्रवाल
C. राम गोपाल शर्मा
D. नरेन्द्र शर्मा

103. नीचे रचनाकारों और रचनाओं को सुमेलित करें?

रचनाकार	रचना
(*i*) बालकृष्ण शर्मा नवीन	(*a*) कालजयी (प्रबंध काव्य)
(*ii*) देवेन्द्र शर्मा	(*b*) प्राण अपर्ण
(*iii*) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	(*c*) सुनंदा (प्रबंध काव्य)
(*iv*) सियाराम शरण गुप्त	(*d*) चांदनी रात

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*b*)	(*d*)	(*c*)
B.	(*b*)	(*a*)	(*d*)	(*c*)
C.	(*c*)	(*a*)	(*d*)	(*b*)
D.	(*d*)	(*b*)	(*a*)	(*c*)

104. 'नई कविता' के प्रमुख कवि हैं-
A. दिनकर B. प्रसाद
C. निराला D. अज्ञेय

105. नवगीत के प्रवर्तन का श्रेय किसे है?
A. राजेन्द्र प्रसाद सिंह B. अज्ञेय
C. डॉ॰ देवराज D. शमशेर

106. प्रज्ञा नामक साहित्यिक संस्था है–
A. कोलकाता में B. इलाहाबाद में
C. दिल्ली में D. मेरठ में

107. रंगायन संस्था है–
A. मुम्बई में B. कोलकाता में
C. दिल्ली में D. हैदराबाद में

108. साहित्यिक संस्था कहाँ है?
A. मुम्बई B. दिल्ली
C. बनारस D. कोलकाता

109. नवगीत परम्परा में सर्वाधिक प्रसिद्धि किसे मिली?
A. राजेन्द्र प्रसाद सिंह B. अज्ञेय
C. नीरज D. इनमें से कोई नहीं

110. नीचे दिए गए कवि और उनके काव्य संग्रह को सुमेलित करें।

कवि	काव्य संग्रह
(*i*) नीरज	(*a*) संघर्ष
(*ii*) रवीन्द्र भ्रमर	(*b*) सोन मछरी मन बसो
(*iii*) राजेन्द्र प्रसाद सिंह	(*c*) मिट्टी बोलती है
(*iv*) रमेश रंजक	(*d*) संजीवनी कहाँ

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
B.	(*a*)	(*d*)	(*b*)	(*c*)
C.	(*b*)	(*c*)	(*a*)	(*d*)
D.	(*a*)	(*b*)	(*d*)	(*c*)

111. नीचे दिए गए कवि और उनकी रचनाओं को सुमेलित करें–

कवि	रचना
(*i*) रामदरथ मिश्र	(*a*) मेंहदी और महावर
(*ii*) जगदीश श्रीवास्तव	(*b*) वंशी और बादल
(*iii*) ठाकुर प्रसाद सिंह	(*c*) कंधे पर सूरज
(*iv*) उमाकांत मालवीय	(*d*) तारीख

	(*i*)	(*ii*)	(*iii*)	(*iv*)
A.	(*c*)	(*b*)	(*a*)	(*d*)
B.	(*a*)	(*b*)	(*d*)	(*c*)
C.	(*c*)	(*d*)	(*b*)	(*a*)
D.	(*d*)	(*b*)	(*a*)	(*c*)

112. अभिव्यक्ति पत्रिका का प्रकाशन किसने किया?
A. उमाकांत मालवीय B. जगदीश श्रीवास्तव
C. इंद्रनाथ मदान D. श्याम परमार

113. ओम ने किस पत्रिका का सम्पादन किया?
A. भारत दर्पण B. विशाल भारत
C. भारत मिश्र D. उपर्युक्त सभी

114. जगदीश चतुर्वेदी किसके अन्तर्गत आते हैं?
A. प्रगतिवाद B. प्रयोगवाद
C. नई कविता D. अकविता

115. राजकमल चौधरी आते हैं–
A. नई कविता B. अकविता
C. छायावाद D. प्रगतिवाद

116. 'संघर्षमूलक' या 'वाम कविता' का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
A. राजेन्द्र प्रसाद सिंह B. जगदीश श्रीवास्तव
C. शलभ श्री राम सिंह D. रवीन्द्र भ्रमर

117. 'चिंता' और 'पूर्वा' किसकी कविताएँ हैं–
A. प्रसाद B. अज्ञेय
C. निराला D. मुक्तिबोध

118. नवल किशोर का किस पत्रिका से संबंध है?
A. नया प्रतीक B. युयुत्सा
C. प्रतीक D. कविता

119. वातायन पत्रिका का सम्पादन कौन करता था?
A. जगदीश चतुर्वेदी B. इंद्रनाथ मदान
C. शलभ श्री राम सिंह D. हरीश मादानी

120. आज की कविता आंदोलन चलाया–
A. राजकमल चौधरी B. जगदीश चतुर्वेदी
C. हरीश मादानी D. नवल किशोर

121. वीरेंद्र कुमार जैन किस पत्रिका का प्रकाशन करते थे?
A. भारती B. आर्य दर्पण
C. नया प्रतीक D. सैनिक

122. सहज कविता आंदोलन के प्रवर्तक हैं–
A. रवीन्द्र भ्रमर B. परमानंद श्रीवास्तव
C. रामदरश मिश्र D. विश्वनाथ त्रिपाठी

123. इसमे कौन-सा रीति ग्रंथ है?
A. चुभते चौपदे B. चोखे चौपदे
C. रस कलश D. बोलचाल

124. 'त्रिशूल' उपनाम से काव्य रचना किया करते थे?
A. गया प्रसाद शुक्ल B. रामचरित उपाध्याय
C. रायदेवी प्रसाद 'पूर्ण' D. सैयद अमीर अली 'मीर'

125. मैथिलीशरण गुप्त की प्रथम रचना का नाम बतावें–
A. झंकोर B. पंचवटी
C. जयद्रथ वध D. वृत्त-संहार

126. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल खड़ी बोली की पहली पुस्तक कौन-सी मानते हैं?
A. श्रांत पथिक B. उजड़ ग्राम
C. एकांतवासी योगी D. इनमे से कोई नहीं

127. 'प्रिय-प्रवास' की विशेषता नहीं है–
A. संस्कृत के वर्ण वृत्त B. कोमलकांत पदावली
C. खंडकाव्य D. भाव व्यंजनात्मय

128. 'नागरी तेरी यह दशा' कविता के रचयिता हैं–
A. अयोध्या सिंह उपाध्याय B. भारतेन्दु हरिशचंद्र
C. अम्बिकादत्त व्यास D. महावीर प्रसाद द्विवेदी

129. महावीर प्रसाद द्विवेदी मूलतः किससे प्रभावित थे?
A. कीट्स B. वर्डस्वर्थ
C. शैली D. क्रोचे

130. महावीर प्रसाद द्विवेदी की काव्य-रचना की विशेषता नहीं है–
A. वर्डसवर्थ का प्रभाव B. इतिवृत्तात्मकता
C. संस्कृत वृतों का प्रयोग D. गद्यात्मकता

131. द्विवेदी-युग में समस्या पूर्ति का केन्द्र था–
A. बनारस B. कानपुर
C. इलाहाबाद D. मेरठ

132. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की विशेषता नहीं है–
A. इतिवृत्तात्मकता B. मात्रिक छन्द
C. संस्कृत वृत्तों का प्रयोग D. खड़ी बोली का प्रयोग

133. कुणाल-गीत के रचयिता का नाम बतावें।
A. माखनलाल चतुर्वेदी B. मैथिलीशरण गुप्त
C. मुक्तिबोध D. दिनकर

134. 'उर्वशी' महाकाव्य के रचयिता हैं–
A. बालकृष्ण शर्मा B. दिनकर
C. रामनरेश त्रिपाठी D. विश्वनाथ त्रिपाठी

135. बालकृष्ण शर्मा नवीन की रचना नहीं है–
A. हल्दी घाटी B. क्वासि
C. उर्वशी D. विप्लव ग्राम

136. जयद्रथ वध का प्रकाशन वर्ष बतावें–
A. 1905 B. 1910
C. 1912 D. 1913

137. मैथिलीशरण गुप्त की रचना नहीं है–
A. पंचवटी B. विष्णुप्रिया
C. करूणा कादम्बिनी D. वृत-संहार

138. 'प्रथम रश्मि का आना' कविता पंत के किस संग्रह से है–
A. वीणा B. पल्लव
C. ग्रन्थि D. इनमे से कोई नहीं

139. रवीन्द्र नाथ टैगोर-कृत गीतांजलि को नोबेल पुरस्कार कब मिला?
A. 1903 ई. B. 1907 ई.
C. 1909 ई. D. 1913 ई.

140. 'राम की शक्ति पूजा' पर किसका प्रभाव है?
A. बांग्ला रामायण B. वाल्मीकी रामायण
C. रामचरित मानस D. रामचन्द्रिका

141. सरोज स्मृति का रचना वर्ष क्या है?
A. 1935 B. 1936
C. 1937 D. 1934

142. 'पंत' का आरम्भिक काव्य-ग्रंथ है–
A. ग्रंथि B. गुंजन
C. उच्छ्वास D. वीणा

143. 'हिमतरंगिनी' के रचयिता हैं–
A. दिनकर B. माखनलाल चतुर्वेदी
C. रामनरेश त्रिपाठी D. सियाराम शरण गुप्त

144. कौन 'कवि सम्राट' की उपाधि से विभूषित हुआ?
A. माखनलाल चतुर्वेदी B. मैथिलीशरण गुप्त
C. दिनकर D. महावीर प्रसाद द्विवेदी

145. नीहार काव्य संग्रह के रचयिता हैं–
A. सुमित्रानंदन पंत B. महादेवी वर्मा
C. रामचरित उपाध्याय D. श्रीकांत वर्मा

146. सुमित्रानंदन पंत को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ–
A. कला और बूढ़ा चाँद B. चिदम्बरा
C. पल्लव D. युगांत

147. 'मधुकण' कृति के रचयिता हैं–
A. भगवतीचरण वर्मा B. रामकुमार वर्मा
C. महादेवी वर्मा D. दिनकर

148. 'बादल-राग' कविता के कवि हैं–
A. नागार्जुन B. निराला
C. पंत D. केदारनाथ अग्रवाल

149. 'मांझी न बजाओ वंशी' कविता किस कवि की है?
A. केदारनाथ अग्रवाल B. रामविलास शर्मा
C. शिवमंगलसिंह सुमन D. त्रिलोचन शास्त्री

150. 'वैद्यनाथ मिश्र' किस कवि का उपनाम है?
A. रांगेय राधव B. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
C. नागार्जुन D. केदारनाथ सिंह

151. 'यात्री' नाम से नागार्जुन किस भाषा में कविता लिखते थे?
A. खड़ी बोली B. मैथिली
C. उर्दू D. ब्रजभाषा

152. दूसरा तार-सप्तक के कवि नहीं हैं–
A. हरिनारायण व्यास B. शमशेर बहादुर सिंह
C. भवानी प्रसाद मिश्र D. अज्ञेय

153. प्रथम तार-सप्तक के कवि नहीं है–
A. शकुंतला माथुर B. मुक्तिबोध
C. रामविलास शर्मा D. प्रभाकर माचवे

154. पृथ्वी-कल्प काव्य-नाटक के रचयिता हैं–
A. शमशेर बहादुर सिंह B. गिरिजा कुमार माथुर
C. भारतभूषण अग्रवाल D. प्रभाकर माचवे

155. जापानी लोक कथा पर आधारित कविता है–
A. शब्द B. असाध्य वीणा
C. अँधेरे में D. ब्रह्मराक्षस

156. 'मन' का राग कविता के रचनाकार हैं–
A. भारतभूषण अग्रवाल B. शमशेर
C. जगदीश गुप्त D. बालकृष्ण भट्ट

157. फैंटेसी शिल्प पर आधारित रचनाकार का नाम बतावें।
A. भवानी प्रसाद मिश्र B. मुक्तिबोध
C. शमशेर बहादुर सिंह D. गिरिजा कुमार माथुर

158. 'कनुप्रिया' कृति का काव्य-रूप है–
A. प्रबंध B. मुक्तक
C. खंड काव्य D. गीतिनाट्य

159. 'नई कविता' पत्रिका का प्रकाशन स्थल है–
A. काशी B. प्रयाग
C. कोलकाता D. कानपुर

160. 'अमर का राग' कविता का काव्य-रूप है–
A. प्रगीत B. गीत
C. काव्य-नाटक D. लंबी कविता

161. 'अतुकांत' काव्य संकलन से संबंधित है–
A. कुंवर नारायण B. लक्ष्मीकांत वर्मा
C. केदारनाथ सिंह D. केदारनाथ अग्रवाल

162. 'आत्मजयी' कृति का प्रकाशन वर्ष है–
A. 1955 B. 1958
C. 1961 D. 1965

163. 'माया-दर्पण' कविता के रचयिता हैं–
A. श्री राम वर्मा B. दुष्यन्त कुमार
C. श्रीकान्त वर्मा D. दूधनाथ सिंह

164. विश्व काव्य चयनिका के सम्पादक हैं–
A. रामविलास शर्मा B. नगेन्द्र
C. नंद दुलारे वाजपेयी D. नामवर सिंह

165. 'मधुस्त्रोत' के रचयिता हैं–
A. जगदीश गुप्त B. बच्चन
C. रामचन्द्र शुक्ल D. केदारनाथ सिंह

166. 'शंख-ध्वनि' के रचयिता हैं–
A. पंत B. भवानी प्रसाद मिश्र
C. केदारनाथ अग्रवाल D. भारतभूषण अग्रवाल

167. 'इति' के रचयिता हैं–
A. दिनेश नंदिनी डालमिया B. त्रिलोचन
C. अज्ञेय D. नरेश मेहता

168. 'इला और अमिताभ' के रचनाकार हैं–
A. देवराज B. दिनेशनंदिनी डालमिया
C. त्रिलोचन D. नरेश मेहता

169. 'जलते हुए वन का वसंत' के रचयिता हैं–
A. देवराज B. दुष्यंत कुमार
C. जगूडी D. धूमिल

170. तीसरा अंधेरा के रचयिता हैं–
A. धूमिल B. अशोक वाजपेयी
C. कैलाश वाजपेयी D. दुष्यंत कुमार

171. 'मिट्टी की बारात' किसकी रचना है?
A. शिवमंगल सिंह सुमन B. दिनेश कुमार शुक्ल
C. नागार्जुन D. दिनकर

172. 'शून्य पुरुष और वस्तुएँ' के रचनाकार हैं–
A. उदय प्रकाश B. राजेश जोशी
C. वीरेन्द्र कुमार जैन D. भवानी प्रसाद मिश्र

173. 'आस्था' के रचयिता–
A. रमेशचन्द्र शाह B. पंत
C. आलोक धन्वा D. बौधिसत्व

174. 'कछुए की पीठ पर' के रचयिता हैं–
A. प्रभाकर माचवे B. रमेशचन्द्र शाह
C. शकुन्तला माथुर D. मंगलेश डबराल

175. 'खुशबू के शिलालेख' के रचयिता हैं–
A. सर्वेश्वर B. शमशेर
C. भवानी प्रसाद मिश्र D. भारतभूषण अग्रवाल

176. 'गन्धवीथी' के रचयिता हैं–
A. पंत B. जगुड़ी
C. शमशेर D. धूमिल

177. 'जाल समेटा' के रचयिता हैं–
A. पंत B. भवानी प्रसाद मिश्र
C. केदारनाथ अग्रवाल D. बच्चन

178. 'युग्म' के रचयिता हैं–
A. पंत B. जगदीश गुप्त
C. जगदीश चतुर्वेदी D. रघुवीर सहाय

179. 'व्यक्तिगत' के रचयिता हैं–
A. भवानी प्रसाद मिश्र B. शमशेर
C. सर्वेश्वर D. धर्मवीर भारती

180. 'तालाब की मछलियाँ' के रचनाकार हैं–
A. केदारनाथ सिंह B. नागार्जुन
C. दुष्यंत कुमार D. अज्ञेय

181. 'दीवारों पर खून से' के रचनाकार हैं–
A. मंगलेश डबराल B. वल्लभ डोभाल
C. चंद्रकात देवताले D. बलदेव जोशी

182. 'महा प्रस्थान' के रचनाकार हैं–
A. रघुवीर सहाय B. प्रयाग शुक्ल
C. नरेश मेहता D. कैलाश वाजपेयी

183. 'अग्निलीक' के रचयिता हैं–
A. भवानी प्रसाद मिश्र B. केदारनाथ अग्रवाल
C. भारतभूषण अग्रवाल D. बच्चन

184. 'जंगल का दर्द' के रचयिता हैं–
A. सर्वेश्वर B. शमशेर
C. रघुवीर सहाय D. धर्मवीर भारती

185. 'प्रवाद पर्व' के रचयिता हैं–
A. नरेश मेहता B. पंत
C. भवानी प्रसाद मिश्र D. केदारनाथ अग्रवाल

186. 'बची हुई पृथ्वी' के रचयिता हैं–
A. जगूड़ी B. धूमिल
C. सर्वेश्वर D. लक्ष्मीकांत वर्मा

187. 'पानी की पुकार' के रचनाकार हैं–
A. रामदरश मिश्र B. गोविन्द मिश्र
C. विद्यानिवास मिश्र D. बच्चन

188. 'आमने-सामने' के रचयिता हैं–
A. इब्बार रब्बी B. गिरधर लाठी
C. कुंवर नारायण D. भवानी प्रसाद मिश्र

189. 'सामना होने पर' के रचयिता हैं–
A. गिरधर लाठी B. सोमदत्त
C. नरेन्द्र मोहन D. जगूडी

190. 'आदिम एकान्त' के रचनाकार हैं–
A. जगदीश गुप्त B. शमशेर
C. बच्चन D. नागार्जुन

191. 'उदिता' के रचयिता हैं–
A. त्रिलोचन B. सर्वेश्वर
C. शमशेर D. केदारनाथ सिंह

192. 'जमीन पक रही है' के रचयिता हैं–
A. रामदरश मिश्र B. केदारनाथ सिंह
C. वेणु गोपाल D. नागार्जुन

193. 'जिप्सी लड़की' के रचयिता हैं–
A. सोमदत्त B. राजेश जोशी
C. सुमन राजे D. अवधेश कुमार

194. 'मंटो मेरा दुश्मन' के रचनाकार हैं–
A. हरिनारायण व्यास B. उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
C. मदन वात्स्यायन D. प्रयाग शुक्ल

195. 'यह एक दिन है' के रचयिता हैं–
A. सोमदत्त B. प्रयाग शुक्ल
C. प्रयाग त्रिपाठी D. नंद किशोर आचार्य

196. 'सुनो कारीगर' के रचनाकार हैं–
A. उदय प्रकाश B. प्रयाग शुक्ल
C. गिरधर राठी D. सोमदत्त

197. 'माया दर्पण' के रचयिता हैं–
A. श्रीकांत वर्मा B. रघुवीर सहाय
C. नरेश मेहता D. कैलाश वाजपेयी

198. 'अपूर्वा' के रचयिता हैं–
A. अज्ञेय B. केदारनाथ अग्रवाल
C. भवानी प्रसाद मिश्र D. अरूण कमल

199. 'हजार-हजार बाहों वाली' के रचयिता हैं–
A. नागार्जुन B. लक्ष्मीकांत वर्मा
C. जगदीश गुप्त D. केदारनाथ सिंह

200. 'मगध' के रचयिता हैं–
A. कैलाश वाजपेयी B. अशोक वाजपेयी
C. श्रीकांत वर्मा D. नरेश मेहता

201. 'पहाड पर लालटेन' के रचयिता हैं–
A. मंगलेश डबराल B. इब्बार रबी
C. चंद्रकांत देवताले D. विनोद कुमार शुक्ल

202. 'फूल नहीं रंग बोलते हैं' के रचयिता हैं–
A. केदारनाथ अग्रवाल B. त्रिलोचन
C. शमशेर D. सर्वेश्वर

203. 'कटौती' के रचयिता हैं–
A. मदन वात्स्यायन B. कीर्ति चौधरी
C. सुमन राजे D. निलय उपाध्याय

204. 'मगर एक आवाज' के रचनाकार हैं–
A. जगूड़ी B. लीलाधर मंडलोई
C. विनोद कुमार शुक्ल D. मंगलेश डबराल

205. 'हम जो नदियों का संगम है' के रचयिता हैं–
A. गीतांजलि श्री B. नमिता सिंह
C. अनामिका D. बौधिसत्व

206. 'घर का रास्ता' के रचयिता हैं–
A. मंगलेश डबराल B. इब्बार रबी
C. अरूण कमल D. प्रयाग शुक्ल

207. 'कोई दूसरा नहीं' के रचनाकार का नाम है–
A. अशोक वाजपेयी B. कुंवर नारायण
C. अरूण कमल D. विनोद कुमार शुक्ल

208. 'मैं हूँ वक्त के सामने' के रचयिता हैं–
A. विनोद कुमार शुक्ल B. सर्वेश्वर
C. शमशेर D. गिरिजाकुमार शुक्ल

209. 'खूँटियों पर टंगे लोग' के रचयिता हैं–
A. रघुवीर सहाय B. शमशेर
C. सर्वेश्वर D. धर्मवीर भारती

210. 'आग का आइना' के रचयिता हैं–
A. भवानी प्रसाद मिश्र B. केदारनाथ अग्रवाल
C. भारतभूषण अग्रवाल D. केदार नाथ सिंह

211. 'परीक्षा गुरु' उपन्यास का नायक है–
A. ब्रजकिशोर B. मदनमोहन
C. चुन्नीलाल D. शम्भूदयाल

212. 'नूतन ब्रह्मचारी' उपन्यास के लेखक हैं–
A. बालकृष्ण भट्ट B. प्रेमधन
C. प्रतापनारायण मिश्र D. श्रीनिवासदास

213. 'कंकाल' उपन्यास की कथावस्तु है–
A. सामाजिक B. ऐतिहासिक
C. बौद्धकालीन D. सांस्कृतिक

214. बौद्धकालीन परिदृश्य पर आधारित उपन्यास है–
A. कंकाल B. इरावती
C. तितली D. चित्रलेखा

215. 'गोदान' उपन्यास में गाँधी और मार्क्स को जैसे प्रेमचन्द ने 'फेंट कर मिलाया हो'– कथन किसका है?
A. रामविलास शर्मा B. नंदकिशोर आचार्य
C. नामवर सिंह D. रामस्वरूप चतुर्वेदी

216. निम्न में कौन प्राकृतवादी उपन्यासकार नहीं है–
A. चतुरसेन शास्त्री B. पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
C. ऋषभचरण जैन D. अमृतलाल नागर

217. प्राकृतवादी उपन्यासों के जनक माने जाते हैं–
A. जोला B. चतुरसेन शास्त्री
C. उपेन्द्रनाथ 'अश्क' D. ऋषभचरण जैन

218. 'शहर में घूमता आईना' उपन्यास के रचयिता हैं–
A. अमृतलाल नागर B. चतुरसेन शास्त्री
C. बेचन शर्मा 'उग्र' D. उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

219. 'मुक्तिबोध' उपन्यास के रचयिता हैं–
A. लक्ष्मीनारायण लाल B. जैनेन्द्र
C. रामेश्वर शुक्ल अंचल D. मुक्तिबोध

220. जैनेन्द्र का अन्तिम उपन्यास है–
A. अनाम स्वामी B. दर्शाक
C. व्यतीत D. मुक्तिबोध

221. गाँधी जी के दक्षिण अफ्रीकी जीवन पर आधारित उपन्यास है–
A. ढ़ाई घर
B. पहला गिरमिटिया
C. दीवार में एक खिड़की रहती थी
D. कालिकथा : वाया बाइपास

222. 'आलोक पूर्व' रचना की विधा है–
A. उपन्यास B. कहानी
C. संस्मरण D. निबंध

223. नागार्जुन का पहला उपन्यास है–
A. नई पौध B. रतिनाथ की चाची
C. कुम्भीपाक D. इमरतिया

224. राही मासूम रजा का उपन्यास नहीं है–
A. आधा गाँव B. जाग मछंदर गोरख आया
C. दिल एक सादा कागज D. असंतोष के दिन

225. हरिजनों के उत्पीड़न की कथा पर आधारित उपन्यास है–
A. कटरा बी आरजू B. धरती धन न अपना
C. सात घूँघट वाला मुखड़ा D. मुर्दों का टीला

226. नरेश मेहता का उपन्यास नहीं है–
A. डूबते मस्तूल B. प्रथम फाल्गुन
C. उत्तर कथा D. अन्तराल

227. आधुनिकता बोध का आशय है–
(a) अकेलेपन का बोध
(b) विजातीयता की अनुभूति
(c) उदासी, तनाव तथा जीव की निरर्थकता
(d) महायुद्ध का संत्रास
A. केवल *(a)* B. केवल *(a)*, *(b)*
C. केवल *(b)*, *(c)*, *(d)* D. सभी *(a)*, *(b)*, *(c)*, *(d)*

228. उषा प्रियम्वदा के उपन्यास 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' की नायिका है–
A. राधिका B. नमिता
C. अनु D. सुषमा

229. द्वितीय महायुद्ध के बाद की स्थिति पर केन्द्रित उपन्यास है–
A. वे दिन B. रात का रिपोर्टर
C. लाल टीन की छत D. एक चिथड़ा सुख

230. 'स्मृतिलेखा' के रचयिता हैं–
A. प्रेमचन्द B. जैनेन्द्र
C. अज्ञेय D. शरतचन्द्र

231. 'मृगनयनी' उपन्यास के रचयिता हैं–
A. वृंदावनलाल वर्मा B. भगवती चरण वर्मा
C. निर्मल वर्मा D. रांगेय राधव

232. गाँधी-इरविन समझौते से संबंधित उपन्यास है–
A. कायाकल्प B. कर्मभूमि
C. रंगभूमि D. गबन

233. 'चितकोबरा' उपन्यास की लेखिका हैं–
A. मन्नू भण्डारी B. कृष्णा सोबती
C. मृदुला गर्ग D. मंजुल भगत

234. 'डूब' उपन्यास का संबंध है–
A. विनोद कुमार शुक्ल B. वीरेन्द्र जैन
C. मैत्रेयी पुष्पा D. कमलेश्वर

235. 'अन्तराल' उपन्यास के लेखक हैं–
A. गिरिराज किशोर B. मणि मधुकर
C. मोहन राकेश D. महेन्द्र भल्ला

236. नागार्जुन का उपन्यास नहीं है–
A. कुम्भीपाक B. नदी बहती थी
C. गरीबदास D. मर्यादा पुरुषोत्तम

237. अमृतलाल-नागर का उपन्यास नहीं है–
A. एक इंच मुस्कान B. उग्रतारा
C. बिखरे तिनके D. नाच्चो बहुत गोपाल

238. मृदुला गर्ग का उपन्यास नहीं है–
A. कठगुलाब B. वेशज
C. जुलूस D. चितकोबरा

239. 'एक चूहे की मौत' के रचयिता हैं–
A. रामदरश मिश्र B. राही मासूम रजा
C. बदी उज्जमां D. संजीव

240. 'सफेद मेमने' उपन्यास लिखा है–
A. मणि मधुकर B. गिरिराज किशोर
C. जगदीश चन्द्र D. अखिलेश

241. 'कटा हुआ आसमान' के उपन्यासकार हैं–
A. अब्दुल विस्मिल्लाह B. राही मासूम रजा
C. नागार्जुन D. मोहन राकेश

242. 'अन्तराल' के रचयिता हैं–
A. भीष्म साहनी B. मोहन राकेश
C. राजेन्द्र यादव D. कमलेश्वर

243. 'प्रेम एक अपवित्र नदी' के रचनाकार हैं–
A. अमृतलाल नागर B. लक्ष्मीनारायण लाल
C. अखिलेश D. नागार्जुन

244. 'बीस रानियों के बाइस्कोप' के रचयिता हैं–
A. नागार्जुन B. शिवानी
C. रांगेय राधव D. राजकमल चौधरी

245. 'सूरजमुखी अँधेरे के' उपन्यास के रचयिता हैं–
A. कृष्णा सोबती B. शिवानी
C. ममता कालिया D. महेन्द्र भल्ला

246. 'तमस' उपन्यास लिखा है–
A. भीष्म साहनी B. राजेन्द्र यादव
C. कृष्णा सोबती D. उदय प्रकाश

247. 'पुनर्नवा' उपन्यास के लेखक हैं–
A. कृष्णा सोबती B. भीष्म साहनी
C. अमृतलाल नागर D. हजारी प्रसाद द्विवेदी

248. 'सीमाएँ टूटती हैं' उपन्यास लिखा है–
A. श्रीलाल शुक्ल B. गिरिराज किशोर
C. शिवप्रसाद सिंह D. निर्मल वर्मा

249. 'काली आँधी' के रचयिता हैं–
A. मोहन राकेश B. कमलेश्वर
C. शिवप्रसाद सिंह D. काशीनाथ सिंह

250. 'मुर्दाघर' उपन्यास के रचनाकार हैं–
A. जगदम्बा प्रसाद दीक्षित B. गोविन्द मिश्र
C. महीप सिंह D. बदी उज्जमां

251. 'लाल टीन की छत' उपन्यास लिखा है–
A. जैनेन्द्र कुमार B. निर्मल वर्मा
C. अमृतलाल नागर D. मोहन राकेश

252. 'नरक-दर-नरक' उपन्यास लिखा है–
A. रवीन्द्र कालिया B. ममता कालिया
C. वदी उज्जमां D. मृदुला गर्ग

253. 'मुठ्ठी भर कांकर' के रचनाकार हैं–
A. गोविन्द मिश्र B. जगदीश चन्द्र
C. रांगेय राघव D. वीरेन्द्र जैन

254. 'लाल-पीली जमीन' के रचयिता हैं–
A. उदय प्रकाश B. गोविंद मिश्र
C. रामदरश मिश्र D. शैलेश मटियानी

255. 'तीसरा आदमी' के उपन्यासकार हैं–
A. जैनेन्द्र कुमार B. मोहन राकेश
C. हिमांशु जोशी D. कमलेश्वर

256. 'एक चिथड़ा सुख' उपन्यास के रचयिता हैं–
A. निर्मल वर्मा B. मृणाल पाण्डेय
C. राजेन्द्र यादव D. मन्नु भण्डारी

257. 'कसम' के रचयिता हैं–
A. कृष्ण बलदेव वैद B. मनोहर श्याम जोशी
C. कमलेश्वर D. प्रभाकर माचवे

258. यथार्थवादी लेखन की विशेषता है कि वह–
A. आदर्श का अनुकूल प्रयोग करता है
B. फोटोग्राफिक चित्रण करता है
C. ब्यौरेवार चित्रण नहीं करता
D. कल्पना प्रधान होता है

259. मानवतावादी लेखक की विशेषता यह है कि वह–
A. प्रकृतिवादी लेखक का अनुसरण करता है
B. प्रकृतिवादी लेखक का अनुसरण नहीं करता
C. प्रकृतिवादी लेखक से सद्भाव बनाता है
D. यथार्थवाद का विरोधी होता है

260. प्रेमचंद की कहानी 'कफन' का प्रकाशन वर्ष है–
A. 1933 B. 1934
C. 1935 D. 1936

261. 'आँधी' किस लेखक की कहानी है?
A. भगवती प्रसाद वाजपेयी B. जयशंकर प्रसाद
C. कमलेश्वर D. पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

262. प्रेमचंद को कबीर के बाद हिन्दी का सबसे बड़ा व्यंग्यकार किसने माना है?
A. नंद दुलारे वाजपेयी B. रामविलास शर्मा
C. विजयदेव नारायण साही D. नामवर सिंह

263. जनवादी विचार मंच की स्थापना सन् 1977 ई॰ में किस विश्वविद्यालय में हुई?
A. दिल्ली विश्वविद्यालय B. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
C. कोलकाता विश्वविद्यालय D. इलाहाबाद विश्वविद्यालय

264. वैराग्य कथा-संग्रह के रचनाकार हैं–
A. अलका सरावगी B. गीतांजलि श्री
C. मैत्रेयी पुष्पा D. वीरेन्द्र जैन

265. 'वारेन हेस्टिंग्ज का सांड' कहानी के लेखक हैं–
A. स्वयं प्रकाश B. उदय प्रकाश
C. काशीनाथ सिंह D. बाल मुकुन्द गुप्त

266. अज्ञेय की कहानियों की विशेषता है–
A. को-संघर्ष B. व्यक्ति का आत्मसंघर्ष
C. पैना व्यंग्य D. अर्थ का असामंजस्य

267. हिन्दी के प्रथम नाटक 'नहुष' का रचना वर्ष है–
A. 1835 B. 1836
C. 1859 D. 1869

268. दुःखिनी बाला' नाटक का प्रकाशन वर्ष है–
A. 1876 B. 1880
C. 1882 D. 1886

269. मोहन राकेश का पहला नाटक है–
A. लहरों के राजहंस B. आषाढ़ का एक दिन
C. आधे-अधूरे D. इनमे से कोई नहीं

270. गोदान उपन्यास का नाट्य रूपान्तर किया–
A. प्रतिभा अग्रवाल B. गिरीश रस्तोगी
C. मृदुला गर्ग D. मृणाल पाण्डेय

271. 'कर्फ्यू' के रचयिता हैं–
A. रामकुमार वर्मा B. उदयशंकर भट्ट
C. लक्ष्मीनारायण लाल D. रमेश बक्षी

272. 'अमृत पुत्र' के रचयिता हैं–
A. लक्ष्मीनारायण लाल B. रामकुमार वर्मा
C. सत्यव्रत सिन्हा D. ब्रजमोहन शाह

273. 'बकरी' के रचयिता हैं–
A. सर्वेश्वर B. निर्मल वर्मा
C. ज्ञानदेव अग्निहोत्री D. रमेश बक्षी

274. 'दरिन्दे' के रचयिता हैं–
A. सर्वेश्वर B. हमीदुल्ला
C. मुद्राराक्षस D. रमेश बक्षी

275. 'सत्य हरिशचन्द्र' के रचनाकार हैं–
A. लक्ष्मीनारायण लाल B. रामगोपाल गोयल
C. अज्ञात D. सुरेन्द्र तिवारी

276. 'उत्तर उर्वशी' के रचयिता हैं–
A. अज्ञेय B. दिनकर
C. हमीदुल्ला D. लक्ष्मीनारायण लाल

277. गोपालराम गहमरी कृत 'चीन देश का विवरण' की विधा है–
A. यात्रा-साहित्य B. संस्मरण
C. निबंध D. उपन्यास

278. 'रेल का टिकट' निबंध संग्रह है–
A. धीरेन्द्र वर्मा का B. शान्ति प्रिय द्विवेदी का
C. यशपाल का D. भदन्त आनंद कौसल्यायन का

279. 'साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध नामक निबंध संग्रह संबंधित है–
A. जयशंकर प्रसाद B. बालकृष्ण भट्ट
C. महादेवी वर्मा D. महावीर प्रसाद द्विवेदी

280. हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध कला की विशेषता नहीं है–
A. मनुष्य की जय यात्रा
B. समस्या का सांस्कृतिक समाधान
C. लालित्य और आत्मव्यंजना
D. गाँधी और रवीन्द्रनाथ टैगोर का प्रभाव

281. हजारी प्रसाद द्विवेदी का प्रथम निबंध संग्रह है–
A. कल्पलता B. साहित्य सहचर
C. अशोक के फूल D. विचार प्रवाह

282. 'प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ' निबंध संग्रह के लेखक हैं–
A. रामविलास शर्मा B. विजयेन्द्र स्नातक
C. नगेन्द्र D. विद्यानिवास मिश्र

283. आस्था के चरण निबंध संग्रह का प्रकाशन वर्ष है–
A. 1949 B. 1961
C. 1966 D. 1968

284. विद्यानिवास मिश्र का पहला निबंध संग्रह है–
A. कदम की फूली डाल B. छितवन की छाँह
C. तमाल के झरोखे से D. गाँव का मन

285. इनमें से कौन सहज कविता के कवि नहीं हैं–
A. परमानंद श्रीवास्तव B. रामदरश मिश्र
C. प्रभाकर माचवे D. विश्वनाथ त्रिपाठी

286. समकालीन कविता आंदोलन का सूत्रपात किसने किया?
A. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय B. वीरेन्द्र कुमार जैन
C. शलभ श्री राम सिंह D. जगदीश चतुर्वेदी

287. समकालीन कविता की भूमिका पुस्तक किसने लिखी है?
A. प्रभाकर माचवे B. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
C. अज्ञेय D. नवल किशोर

288. निम्न में कौन-सी पत्रिका निराला द्वारा संपादित नहीं है?
A. मतवाला B. गंगा पुस्तक माला
C. सुधा D. इनमे से कोई नहीं

289. निम्न में कौन-सा उपन्यास निराला का नहीं है?
A. निष्पक्ष B. नीला चांद
C. चोटी की पकड़ D. काले कारनामे

290. निम्न में निराला के रेखाचित्र बताएं–
A. बिल्लेसुर बकरीहा B. कुल्ली भाट
C. उपर्युक्त दोनों D. इनमें से कोई नहीं

291. निराला के कहानी संग्रह का नाम है–
(a) लिली *(b)* सखी
(c) चतुरी चमार *(d)* सुकुल की बीबी
A. केवल *(a)*, *(b)* B. केवल *(a)*, *(c)*, *(d)*
C. केवल *(c)*, *(d)* D. सभी *(a)*, *(b)*, *(c)*, *(d)*

292. 'रवीन्द्र कविता कानन' किसकी समीक्षा पुस्तक हैं?
A. नंद दुलारे वाजपेयी B. हजारी प्रसाद द्विवेदी
C. निराला D. अज्ञेय

293. इनमे से कौन निराला का नाट्य संग्रह नहीं है?
A. समाज B. अमृत और विष
C. शकुन्तला D. उषा अनिरूद्ध

294. पंत को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस कृति पर मिला?
A. कला और बूढ़ा चाँद B. पल्लव
C. वीणा D. गुंजन

295. पंत को सोवियत पुरस्कार मिला–
A. वीणा पर B. उच्छ्वास पर
C. लोकायतन पर D. ग्रन्थि पर

296. पंत को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला–
A. युगान्त पर B. चिदम्बरा पर
C. स्वर्णधूलि पर D. रजतशिखर पर

297. 'हार' किसका उपन्यास है?
A. प्रसाद B. निराला
C. पंत D. दिनकर

298. मधुवन कहानी किसकी है?
A. सियाराम शरण गुप्त B. नवीन
C. निराला D. पंत

299. उमर-खय्याम की रूबाइयों का हिन्दी में अनुवाद किसने किया था?
A. आचार्य शुक्ल B. केदारनाथ अग्रवाल
C. पंत D. भवानी प्रसाद मिश्र

300. 'महावृक्ष के नीचे' किसकी काव्य रचना है?
A. मुक्तिबोध B. पंत
C. अज्ञेय D. दिनकर

301. 'कल्पना' फिल्म के लिए किसने गीत लिखे थे?
A. हरिवंश राय बच्चन B. पंत
C. मैथिलीशरण गुप्त D. माखनलाल चतुर्वेदी

302. 'साहित्यकार' किसके द्वारा संपादित मुख्य पत्र था?
A. प्रसाद B. निराला
C. पंत D. महादेवी वर्मा

303. 'पथ के साथी' हिन्दी की कौन-सी विधा है?
A. उपन्यास B. कहानी
C. संस्मरण D. इनमे से कोई नहीं

304. 'साहित्यकार की आस्था' किसका निबंध संग्रह है?
A. हजारी प्रसाद द्विवेदी B. आचार्य शुक्ल
C. अज्ञेय D. महादेवी वर्मा

305. महादेवी की प्रौढ़तम काव्य रचना कौन है?
A. यामा B. रश्मि
C. सान्ध्यगीत D. दीपशिखा

306. 'मैं नीर भरी....' कहाँ की पंक्ति है–
A. नीरजा B. सान्ध्यगीत
C. नीहार D. रश्मि

307. 'अरूणोदय' कविता के लेखक हैं–
A. प्रसाद B. बच्चन
C. दिनकर D. माखनलाल चतुर्वेदी

308. 'पथिक' के काव्य-संग्रह किसका है?
A. महादेवी का B. सियाराम शरण गुप्त
C. रामनरेश त्रिपाठी D. प्रभाकर माचवे

309. 'प्रणमंत्र' खंडकाव्य के रचयिता हैं–
A. जगदीश चतुर्वेदी B. मैथिलीशरण गुप्त
C. शमशेर D. दिनकर

310. इनमें से कौन दिनकर का मुक्तक काव्य संग्रह नहीं है–
A. इतिहास के आंसू B. नील कुसुम
C. उतना वह सूरज है D. धूप-छांह

311. 'सीपी और शंख' के रचयिता हैं–
A. सुरेन्द्र वर्मा B. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
C. त्रिलोचन D. दिनकर

312. आत्मा की आँखें के रचयिता हैं–
A. विष्णु प्रभाकर B. दिनकर
C. नरेश मेहता D. केदारनाथ सिंह

313. 'हुंकार' किसका काव्य संग्रह है?
A. मुक्तिबोध B. धूमिल
C. दिनकर D. श्रीकांत वर्मा

314. इनमें से दिनकर का निबंध-संग्रह कौन नहीं है–
A. अर्द्धनारीश्वर B. वट वृक्ष
C. धर्म, नैतिकता और विज्ञान D. इनमें से कोई नहीं

315. 'कस्मैदे वाय' नामक कविता के रचयिता कौन हैं?
A. दिनकर B. हजारी प्रसाद द्विवेदी
C. भारत भूषण अग्रवाल D. श्रीकांत वर्मा

316. 'भारत' नामक पत्र का सम्पादन किसने किया?
A. निर्मल वर्मा B. केदारनाथ अग्रवाल
C. नरेन्द्र शर्मा D. अज्ञेय

317. निम्न में कौन सी रचना नरेंद्र शर्मा की नहीं है–
A. अरण्य B. प्रवासी के गीत
C. रक्त चंदन D. द्रौपदी

318. 'अंधेरे में' के लेखक हैं–
A. नरेश मेहता B. मुक्ति बोध
C. दिनकर D. सियाराम शरण गुप्त

319. सबसे पुराने साहित्यिक पत्र का नाम है–
A. कर्मवीर B. भारत जीवन
C. आर्य दर्पण D. ब्राह्मण

320. 'भारतेन्दु का साहित्य व्यापक स्तर पर गदर से प्रभावित' उक्ति है–
A. आचार्य शुक्ल B. हजारी प्रसाद द्विवेदी
C. डॉ॰ रामविलास शर्मा D. डॉ॰ नगेन्द्र

321. 'भारतेन्दु जी साहित्य के नए युग प्रवर्तक तथा नवजागरण के अग्रदूत हैं'- उक्ति है–
A. आचार्य शुक्ल B. नंद दुलारे वाजपेयी
C. नामवर सिंह D. रामविलास शर्मा

322. भारतेन्दु रचित "स्वर्ग की विचार सभा" साहित्य की विधा है–
A. कविता B. संस्मरण
C. निबंध D. कहानी

323. निम्न में कौन प्रतापनारायण मिश्र का निबंध नहीं है–
A. खुशामद B. भौं
C. कवि और कविता D. नारी

324. 'यमलोक की यात्रा' क्या है?
A. कहानी B. नाटक
C. संस्मरण D. निबंध

325. 'यमलोक की यात्रा' के रचनाकार हैं–
A. बालकृष्ण भट्ट B. प्रतापनारायण मिश्र
C. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र D. राधाचरण गोस्वामी

326. निम्न में कौन-सा निबंध बाल कृष्ण भट्ट का नहीं है?
A. बाल विवाह B. आँख
C. देश सेवा महत्व D. इनमें से कोई नहीं

327. इनमें से कौन-सा नाटक भारतेन्दु कृत नहीं है–
A. चंद्रावली B. हठी हमीर
C. अंधेर नगरी D. सती प्रताप

328. निम्न में कौन-सा नाटक प्रतापनारायण मिश्र का नहीं है–
A. प्रेम जोगिनी B. कलि कौतुक रूपक
C. गौ संकट D. भारत दुर्दशा

329. राधाकृष्ण दास रचित नाटक है–
A. महाराणा प्रताप B. दुःखिनी बाला
C. उपर्युक्त दोनों D. इनमें से कोई नहीं

330. 'संयोगिता स्वयंवर' नाटक लिखा है–
A. लाला श्री निवासदास B. राधाकृष्ण दास
C. राधाचरण गोस्वामी D. भारतेंदु

331. इनमें से कौन गोपाल राम गहमरी का नाटक नहीं है–
A. प्रहलाद चरित्र B. बूढ़े मुँह मुँहासे
C. तन-मन-धन D. श्रीदामा अमर सिंह राठौर

332. प्रेमघन के नाटक का नाम है–
A. विषस्य विषमौषधम B. भारत सौभाग्य
C. मयंक मंजरी D. तप्तासंवरण

333. किशोरी लाल गोस्वामी का नाटक है–
A. प्रणियिनी B. चंद्रावली
C. जुआरी-खुआरी D. प्रहलाद चरित्र

334. हिन्दी का पहला दुःखांत नाटक माना जाता है–
A. भारत दुर्दशा B. सती प्रताप
C. दुःखिनी बाला D. तप्ता संवरण

335. 'भाग्यवती' उपन्यास के रचयिता हैं–
A. लाला श्रीनिवास दास B. श्रद्धाराम फुल्लौरी
C. किशोरी लाल गोस्वामी D. गोपाल राम गहमरी

336. 'रहस्य कथा' उपन्यास लिखा है–
A. बालकृष्ण भट्ट B. लाला श्री निवासदास
C. भारतेन्दु D. लाल कृष्ण भट्ट

337. 'हिन्दी कालिदास की आलोचना है'- किसका कथन है?
A. नंद दुलारे वाजपेयी B. आचार्य शुक्ल
C. हजारी प्रसाद द्विवेदी D. महावीर प्रसाद द्विवेदी

338. किसने कहा था कि "खड़ी-बोली नीरस और कर्णकटु है।"
A. बालकृष्ण भट्ट B. लाला भगवान दीन
C. पद्मसिंह शर्मा D. राधाचरण गोस्वामी

339. रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का आरंभ माना है–
A. वि॰ सं॰ 1043 B. वि॰ सं॰ 1047
C. वि॰ सं॰ 1050 D. वि॰ सं॰ 1052

340. 'मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।' किसकी उक्ति है?
A. नंद दुलारे वाजपेयी B. डॉ॰ नगेन्द्र
C. आचार्य शुक्ल D. हजारी प्रसाद द्विवेदी

341. साकेत लिखा गया–
A. 1930 ई॰ B. 1931 ई॰
C. 1932 ई॰ D. 1933 ई॰

342. कामायनी की रचना हुई–
A. 1932 ई॰ B. 1934 ई॰
C. 1936 ई॰ D. 1937 ई॰

343. इनमें से कौन सियाराम शरण गुप्त की रचना नहीं है–
A. विषाद B. रक्त चंदन
C. बापू D. नकुल

344. 'हार की जीत' कहानी के लेखक हैं–
A. सुदर्शन B. कौशिक
C. जैनेन्द्र D. प्रेमचंद

345. लक्ष्मीकांत वर्मा किससे संबंधित हैं–
A. प्रगतिवाद B. प्रयोगवाद
C. नई कविता D. अकविता

346. 'औरंगजेब की आखिरी रात', एकांकी के लेखक हैं–
A. माखनलाल चतुर्वेदी B. दिनकर
C. मैथिलीशरण गुप्त D. रामकुमार वर्मा

347. कौन-सी नाट्य रचना भारतेन्दु की नहीं है?
A. भारत दुर्दशा B. नील देवी
C. अंधेर नगरी D. भारत भारती

निर्देश : नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को **कथन (A)** और दूसरे को **कारण (R)** कहा गया है। दोनों वाक्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करें और निर्णय करें कि क्या **कथन (A)** और **कारण (R)** स्वतंत्र रूप से सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या **कारण (R) कथन (A)** का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नों का उत्तर नीचे दिए गए कूटों की सहायता से चुनिए।

कूट :
A. कूट (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
B. (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
C. (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
D. (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

348. **कथन (A) :** महादेवी प्रगतिवादी कवयित्री हैं।
कारण (R) : उन्हें आधुनिक युग की मीरा कहा जाता है।

349. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	**सूची-ख (रचनाकार)**
(*a*) राम रावण विरोध	1. रामनरेश त्रिपाठी
(*b*) वैदेही वनवास	2. राय देवी प्रसाद पूर्ण
(*c*) मुक्तावली	3. हरिऔध
(*d*) मिलन	4. राम चरित उपाध्याय

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	2	3	4	1
D.	3	2	4	1

350. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) विचित्र प्रवाह	1. अज्ञेय
(*b*) वसन्त वियोग	2. दिनकर
(*c*) रसवंती	3. राम चरित उपाध्याय
(*d*) महावृक्ष के नीचे	4. राय देवी प्रसाद पूर्ण

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	3	4	2	1
C.	4	3	2	1
D.	3	2	1	4

351. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) आंसू	1. निराला
(*b*) आर्द्रा	2. प्रसाद
(*c*) अपरा	3. मुक्ति बोध
(*d*) भूल गलती	4. सियाराम शरण गुप्त

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	4	3	2	1
B.	1	2	3	4
C.	3	2	1	4
D.	2	4	1	3

352. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) चुभते चौपदे	1. राम नरेश त्रिपाठी
(*b*) देव सभा	2. हरिऔध
(*c*) मृत्युंजय	3. राम चरित उपाध्याय
(*d*) पथिक	4. राय देवी प्रसाद पूर्ण

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	3	4	1
B.	1	2	3	4
C.	4	3	2	1
D.	2	1	4	3

353. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) समर्पण	1. राम नरेश त्रिपाठी
(*b*) चोखे चौपदे	2. रामचरित उपाध्याय
(*c*) राम चरित चिंतामणि	3. हरिऔध
(*d*) मानसी	4. माखन लाल चतुर्वेदी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	4	3
B.	4	3	2	1
C.	3	2	1	4
D.	1	2	3	4

354. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) सूक्ति	1. राम चरित उपाध्याय
(*b*) रस कलश	2. हरि औध
(*c*) स्वप्न	3. राम नरेश त्रिपाठी
(*d*) वेणुलो गूंजे धरा	4. माखन लाल चतुर्वेदी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	1	4	3	2
D.	4	2	1	3

निर्देश : नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को **कथन (A)** और दूसरे को **कारण (R)** कहा गया है। दोनों वाक्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करें और निर्णय करें कि क्या **कथन (A)** और **कारण (R)** स्वतंत्र रूप से सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या **कारण (R) कथन (A)** का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नों का उत्तर नीचे दिए गए कूटों की सहायता से चुनिए।

कूट :

A. कूट (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

B. (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

D. (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

355. कथन (A) : निराला ने बड़ी संख्या में यथार्थवादी कविताएँ लिखीं हैं।

कारण (R) : उनके अनुसार 'कविता परिवेश की पुकार' है।

356. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) अनाथ	1. राम नरेश त्रिपाठी
(*b*) युगदीप	2. मोहन लाल महतो वियोगी
(*c*) निर्माल्य	3. उदयशंकर भट्ट
(*d*) मिलन	4. सियाराम शरण गुप्त

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	4	3	2	1
B.	1	2	3	4
C.	4	3	2	1
D.	2	4	3	1

357. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) पथिक	1. उदयशंकर भट्ट
(*b*) अमृत और विष	2. रामनरेश त्रिपाठी
(*c*) प्रिय प्रवास	3. रामचरित उपाध्याय
(*d*) राष्ट्रभारती	4. हरिऔध

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	4	2	3
B.	4	3	2	1
C.	2	1	4	3
D.	1	2	3	4

358. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) आर्द्रा	1. हरिऔध
(*b*) एकतारा	2. सियाराम शरण गुप्त
(*c*) युगचारण	3. मोहन लाल महतो वियोगी
(*d*) प्रद्यप्रसून	4. माखन लाल चतुर्वेदी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	2	3	4	1
C.	4	3	2	1
D.	3	4	1	2

359. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) रश्मि रेखा	1. उदयशंकर भट्ट
(*b*) करूणा कादम्बिनी	2. सियाराम शरण गुप्त
(*c*) पाथेय	3. गयाप्रसाद शुक्ल सनेही
(*d*) राका	4. बालकृष्ण शर्मा नवीन

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	1	2
C.	3	2	4	1
D.	4	3	2	1

360. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) मृण्मयी	1. गयाप्रसाद शुक्ल सनेही
(*b*) प्रेम पचीसी	2. माखन लाल चतुर्वेदी
(*c*) हिम किरीटिनी	3. उदयशंकर भट्ट
(*d*) मानसी	4. सियाराम शरण गुप्त

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	4	2	1	3
B.	1	2	3	4
C.	4	1	2	3
D.	4	3	2	1

361. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) हिम तरंगिनी	1. सियाराम शरण गुप्त
(*b*) त्रिशूल तरंग	2. गया प्रसाद शुक्ल सनेही
(*c*) बापू	3. माखन लाल चतुर्वेदी
(*d*) विसर्जन	4. उदयशंकर भट्ट

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	3	2	1	4
B.	3	1	2	4
C.	4	2	3	1
D.	1	2	3	4

362. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) जय भारत	1. गयाप्रसाद शुक्ल सनेही
(*b*) कविता कलाप	2. बालकृष्ण शर्मा नवीन
(*c*) क्वासि	3. मैथिलीशरण गुप्त
(*d*) कृषक कृन्दन	4. महावीर प्रसाद द्विवेदी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	1	3	2	4
D.	3	4	2	1

363. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) हम विषपायी जन्म के	1. महावीर प्रसाद द्विवेदी
(*b*) नहुष	2. बालकृष्ण शर्मा नवीन
(*c*) काव्य मंजूषा	3. मैथिलीशरण गुप्त
(*d*) दूर्वादल	4. सियाराम शरण गुप्त

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	3	2	4
B.	2	3	1	4
C.	1	2	3	4
D.	3	4	2	1

364. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) विषाद	1. महावीर प्रसाद द्विवेदी
(*b*) कान्यकुब्ज अबला विलाप	2. सियाराम शरण गुप्त
(*c*) विनोबा स्तवन	3. गया प्रसाद शुक्ल सनेही
(*d*) राष्ट्रीय वीणा	4. बालकृष्ण शर्मा नवीन

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	4	3	1
B.	4	3	2	1
C.	2	1	4	3
D.	1	2	3	4

365. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) द्वापर	1. नाथू राम शर्मा शंकर
(*b*) बिहार विहार	2. मैथिली शरण गुप्त
(*c*) अनुराग रत्न	3. बाल कृष्ण शर्मा नवीन
(*d*) कुंकुम	4. अम्बिका दत्त व्यास

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	4	1	3
B.	1	2	3	4
C.	4	3	2	1
D.	1	2	4	3

366. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) कंसवध	1. नाथू राम शर्मा शंकर
(*b*) यशोधरा	2. अम्बिका दत्त व्यास
(*c*) शंकर सरोज	3. मैथिलीशरण गुप्त
(*d*) उर्मिला	4. बालकृष्ण शर्मा नवीन

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	2	3	1	4
C.	4	3	2	1
D.	1	3	4	2

367. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) झंकार	1. मैथिलीशरण गुप्त
(*b*) अपलक	2. बालकृष्ण शर्मा नवीन
(*c*) गर्भरण्डा रहस्य	3. नाथूराम शर्मा शंकर
(*d*) मौर्य विजय	4. सियाराम शरण गुप्त

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	1	3	4	2
C.	2	3	1	4
D.	4	1	2	3

368. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) नरेन्द्र मोहन	1. एक अग्निकाण्ड जगहें बदलता
(*b*) वीरेन्द्र कुमार डंगवाल	2. दुष्चक्र में सृष्टा
(*c*) बिजेन्द्र	3. त्रास
(*d*) पंकज सिहं	4. कुछ आहटें आसपास

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	1	4	2	3
C.	3	2	1	4
D.	4	3	2	1

369. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) एक दिन लौटेगी लड़की	1. ऋतुराज
(*b*) इस हादसे में	2. अनामिका शिव
(*c*) कोई और नाम दो	3. नरेन्द्र मोहन
(*d*) अंगीरस	4. गगन गिल

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	3	2	4	1
B.	4	3	2	1
C.	4	1	2	3
D.	2	3	1	4

370. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) एक मरण धर्मा और अन्य	1. पंकज सिंह
(*b*) पवन जैसे पानी	2. ऋतुराज
(*c*) आकाश विभाजित है	3. कात्यायनी
(*d*) इस पौरूषपूर्ण समय में	4. विष्णुचन्द्र शर्मा

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	4	2	3	1
D.	2	1	4	3

371. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) अपनी केवल धार	1. लीलाधर मण्डलोई
(*b*) घर-घर घूमा	2. कैलाश वाजपेयी
(*c*) महास्वप्न का मध्यांतर	3. स्वप्निल श्रीवास्तव
(*d*) ईश्वर एक लाठी है	4. अरूण कमल

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	4	3
B.	4	3	1	2
C.	4	1	2	3
D.	1	2	3	4

372. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) खिलाफ हवा से गुजरते हुए	1. केदारनाथ सिंह
(*b*) नए इलाके में	2. विनोददास
(*c*) यहां से देखो	3. अरूण कमल
(*d*) प्रकाश वर्ष	4. संजय चतुर्वेदी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	2	3	1	4
C.	4	3	2	1
D.	3	4	1	2

373. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) सबूत	1. केदारनाथ सिंह
(*b*) एक और अयोध्या	2. विनोददास
(*c*) अकाल में सारस	3. धूमिल
(*d*) सुदामा पाण्डेय का प्रजातंत्र	4. अरूण कमल

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	3	1	2	4
C.	2	4	1	3
D.	4	2	1	3

374. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) राजेश जोशी	1. समरगाथा
(*b*) धूमिल	2. पटकथा
(*c*) राजकमल चौधरी	3. दास कवि
(*d*) सौमित्र मोहन	4. लुकमान अली

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	2	4	1	3
C.	1	3	4	2
D.	2	4	3	1

375. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) कुमार विकल	1. रात में हारमोनियम
(*b*) विमल कुमार	2. अनंतिम
(*c*) कुमार अंबुज	3. यह मुखौटा किसका है
(*d*) उदय प्रकाश	4. एक छोटी सी लड़ाई

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	3	1	4	2
B.	1	2	3	4
C.	2	4	3	1
D.	4	3	2	1

376. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) अबूतर कबूतर	1. बलदेव वंशी
(*b*) किवाड़	2. ललित शुक्ल
(*c*) अंतर्गत	3. उदय प्रकाश
(*d*) बच्चे की दुनिया	4. कुमार अंबुज

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	3	2	4
B.	4	3	2	1
C.	3	4	2	1
D.	1	2	3	4

377. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) मोचीराम	1. ठाकुर प्रसाद सिंह
(*b*) जमीन पक रही है	2. धूमिल
(*c*) अन्न हैं मेरे शब्द	3. केदारनाथ सिंह
(*d*) हारी हुई लड़ाई लड़ते हुए	4. एकांत श्रीवास्तव

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	3	4	1
B.	1	2	3	4
C.	4	3	2	1
D.	3	2	1	4

378. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) कल सुनना मुझे	1. उदय प्रकाश
(*b*) प्रार्थना बन्द करो	2. आलोक धन्वा
(*c*) क से कबूतर	3. धूमिल
(*d*) दुनिया रोज बनती है	4. ज्ञानेन्द्रपति

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	3	4	1	2
C.	4	3	2	1
D.	1	4	3	2

379. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) सुनो कारीगर	1. राजेश जोशी
(*b*) एक दिन बोलेंगे पेड़	2. उदय प्रकाश
(*c*) संसद से सड़क तक	3. विमल कुमार
(*d*) सपने में एक औरत से बातचीत	4. धूमिल

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	4	3
B.	3	2	4	1
C.	1	2	3	4
D.	2	1	4	3

380. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) रोशनी के मैदान की तरफ	1. चन्द्रकांत देवताले
(*b*) अत्याचारी के प्रमाण	2. मंगलेश डबराल
(*c*) यह एक दिन है	3. प्रयाग शुक्ल
(*d*) साथ चलते हुए	4. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	2	1	4	3
D.	3	4	1	2

381. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) बेहतर दुनिया के लिए	1. राजकमल चौधरी
(*b*) दीवारों पर खून से	2. धूमिल
(*c*) भाषा की रात	3. चन्द्रकांत देवताले
(*d*) मुक्ति प्रसंग	4. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	2	1	3
C.	1	3	2	4
D.	4	3	2	1

382. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) लुकमान अली तथा अन्य कविताएं	1. मुक्ति बोध
(*b*) कंकावती	2. सौमित्र मोहन
(*c*) जो नितांत मेरी है	3. राजकमल चौधरी
(*d*) चांदा का मुंह टेड़ा है	4. बाल स्वरूप राही

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	3	4	1
B.	1	2	3	4
C.	4	3	1	2
D.	2	1	4	3

383. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) उदय प्रकाश	1. इतना जो मिला
(*b*) श्याम विमल	2. पहाड़ पर लालटेन
(*c*) बलदेव वंशी	3. बच्चे की दुनिया
(*d*) मंगलेश डबराल	4. महापुरूष

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	4	1	3	2
B.	1	2	3	4
C.	4	3	2	1
D.	1	2	4	3

384. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) कोई आवाज नहीं	1. मणि मधुकर
(*b*) घर का रास्ता	2. मलयज
(*c*) बलराम के हजारों हाथ	3. बलदेव वंशी
(*d*) जख्म पर धूल	4. मंगलेश डबराल

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	3	4	1	2
C.	1	2	4	3
D.	4	3	2	1

385. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) लक्कड़ बग्घा हंस रहा है	1. दिविक रमेश
(*b*) हम जो देखते हैं	2. चन्द्रकांत देवताले
(*c*) मुझे मालूम है	3. मंगलेश डबरवाल
(*d*) खुली आंखों का आकाश	4. कन्हैयालाल नन्दन

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	4	3
B.	4	3	2	1
C.	2	3	4	1
D.	1	2	3	4

386. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) भूरी भूरी खाक धूल	1. रणजीत मिश्र
(*b*) नाटक जारी है	2. मुक्ति बोध
(*c*) मंजीर	3. लीलाधर जगूड़ी
(*d*) इतिहास का दर्द	4. गिरिजा कुमार माथुर

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	2	3	4	1
C.	4	3	2	1
D.	3	2	4	1

387. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) झुलसा हुआ रक्त कमल	1. लीलाधर जगूड़ी
(*b*) ब्रह्म राक्षस	2. गिरिजा कुमार माथुर
(*c*) रात अब भी मौजूद है	3. मुक्तिबोध
(*d*) नाश और निर्माण	4. रणजीत मिश्र

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	4	3	1	2
B.	1	2	3	4
C.	4	3	2	1
D.	2	1	4	3

388. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) बची हुई पृथ्वी	1. लीलाधर जगूड़ी
(*b*) अंधेरे में	2. गिरिजा कुमार माथुर
(*c*) बेरंग बेनाम चिट्ठियां	3. मुक्ति बोध
(*d*) धूप के धान	4. रामदरश मिश्र

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	4	3
B.	4	3	2	1
C.	1	2	3	4
D.	1	3	4	1

389. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) घबराए हुए शब्द	1. रामदरश मिश्र
(*b*) भूल गलती	2. गिरिजा कुमार माथुर
(*c*) साक्षी रहे वर्तमान	3. मुक्तिबोध
(*d*) कंधे पर सूरज	4. लीलाधर जगूड़ी

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	4	3	2	1
B.	1	2	3	4
C.	3	4	2	1
D.	2	3	4	1

390. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) दिन एक नदी बन गया	1. रामदरश मिश्र
(*b*) भीतरी नदी की यात्रा	2. गिरिजा कुमार माथुर
(*c*) तीसरा पक्ष	3. लक्ष्मीकांत वर्मा
(*d*) कलम के फूल	4. भवानी प्रसाद मिश्र

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	3	1	4
B.	1	4	2	3
C.	2	3	4	1
D.	1	2	3	4

391. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) अतुकांत	1. अजित कुमार
(*b*) कविताएं	2. लक्ष्मीकांत वर्मा
(*c*) शिलापंख चमकीले	3. कीर्ति चौधरी
(*d*) अंकित होने दो	4. गिरिजा कुमार माथुर

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	4	3
B.	4	3	2	1
C.	2	3	4	1
D.	1	2	3	4

392. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) साही	1. संवाद तुम से
(*b*) भवानी प्रसाद मिश्र	2. सन्नाटा
(*c*) रघुवीर सहाय	3. आत्महत्या के विरुद्ध
(*d*) सौमित्र मोहन	4. चाकू से खेलते हुए

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	2	1	3	4
D.	3	4	1	2

393. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) रघुवीर सहाय	1. इतिहास पुरूष
(*b*) धर्मवीर भारती	2. गीत फरोश
(*c*) भवानी प्रसाद मिश्र	3. अंधायुग
(*d*) डा. देवराज	4. हंसो-हंसो जल्दी हंसो

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	2	1	3	4
D.	4	3	2	1

394. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) भटका मेघ	1. भवानी प्रसाद मिश्र
(*b*) ठण्डा लोहा	2. श्रीकांत वर्मा
(*c*) लोग भूल गए हैं	3. धर्मवीर भारती
(*d*) चूंकि है दुख	4. रघुवीर सहाय

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	3	2	1	4
B.	4	3	2	1
C.	2	3	4	1
D.	1	2	3	4

395. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) अकेले कण्ठ की पुकार	1. भवानी प्रसाद मिश्र
(*b*) छायामत छूना	2. हरिनारायण व्यास
(*c*) मृग और तृष्णा	3. अजित कुमार
(*d*) वाणी की दीनता	4. गिरिजाकुमार माथुर

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	3	4	2	1
C.	4	3	1	2
D.	1	2	4	3

396. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) टूटने का सुख	1. हरिनारायण व्यास
(*b*) मछली घर	2. भवानी प्रसाद मिश्र
(*c*) पृथ्वी कल्प	3. साही
(*d*) त्रिकोण पर सूर्योदय	4. गिरिजा कुमार माथुर

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	4	3
B.	4	3	1	2
C.	2	3	4	1
D.	1	2	3	4

397. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचना)	सूची-ख (रचनाकार)
(*a*) कल्पांतर	1. भवानी प्रसाद मिश्र
(*b*) साखी	2. रघुवीर सहाय
(*c*) सतपुड़ा के जंगल	3. गिरिजा कुमार माथुर
(*d*) सीढ़ियों पर धूप में	4. साही

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	1	2	3	4
B.	4	3	2	1
C.	2	3	4	1
D.	3	4	1	2

398. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) रघुवीर सहाय	1. अंधेरी कविताएं
(*b*) धर्मवीर भारती	2. माया दर्पण
(*c*) श्रीकांत वर्मा	3. कुछ पते कुछ चिट्ठियां
(*d*) भवानी प्रसाद मिश्र	4. कनुप्रिया

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	3	4
B.	4	3	2	1
C.	3	4	2	1
D.	1	2	3	4

399. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) श्रीकांत वर्मा	1. सूर्य का स्वागत
(*b*) भवानी प्रसाद मिश्र	2. मगध
(*c*) धर्मवीर भारती	3. गांधी पंचशती
(*d*) दुष्यंत कुमार	4. देशांतर

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	2	1	4	3
B.	2	3	4	1
C.	4	3	1	2
D.	1	2	3	4

400. सुमेलित कीजिए–

सूची-क (रचनाकार)	सूची-ख (रचना)
(*a*) दुष्यंत कुमार	1. बुनी हुई रस्सी
(*b*) नरेश मेहता	2. दिनारंभ
(*c*) श्रीकांत वर्मा	3. वनपांखी सुनो
(*d*) भवानी प्रसाद मिश्र	4. जलते हुए वन का वसंत

कूट :	(*a*)	(*b*)	(*c*)	(*d*)
A.	3	4	1	2
B.	1	3	2	4
C.	1	2	3	4
D.	4	3	2	1

उत्तरमाला

1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
A	B	C	B	C	D	A	B	A	C
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
B	D	A	C	B	C	A	C	B	D
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
B	C	A	D	D	B	C	B	D	B
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
D	C	D	C	D	A	A	C	D	D
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
B	D	B	B	C	B	A	D	A	A
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
C	D	A	A	C	D	D	B	D	D
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**
C	C	B	B	A	A	B	C	D	B
71	**72**	**73**	**74**	**75**	**76**	**77**	**78**	**79**	**80**
A	D	C	B	B	C	C	D	B	B
81	**82**	**83**	**84**	**85**	**86**	**87**	**88**	**89**	**90**
C	B	A	C	B	C	D	B	A	C
91	**92**	**93**	**94**	**95**	**96**	**97**	**98**	**99**	**100**
B	C	D	C	D	D	B	C	B	C
101	**102**	**103**	**104**	**105**	**106**	**107**	**108**	**109**	**110**
D	C	B	D	A	C	A	D	C	D
111	**112**	**113**	**114**	**115**	**116**	**117**	**118**	**119**	**120**
C	C	B	D	B	C	B	D	D	C
121	**122**	**123**	**124**	**125**	**126**	**127**	**128**	**129**	**130**
A	A	C	A	C	C	C	D	B	A
131	**132**	**133**	**134**	**135**	**136**	**137**	**138**	**139**	**140**
B	C	B	A	A	B	C	A	D	A
141	**142**	**143**	**144**	**145**	**146**	**147**	**148**	**149**	**150**
A	C	B	D	B	B	A	B	A	C

151	**152**	**153**	**154**	**155**	**156**	**157**	**158**	**159**	**160**
B	D	A	B	B	B	B	A	B	D
161	**162**	**163**	**164**	**165**	**166**	**167**	**168**	**169**	**170**
B	D	C	B	C	A	A	A	B	C
171	**172**	**173**	**174**	**175**	**176**	**177**	**178**	**179**	**180**
A	C	B	B	C	A	D	B	A	B
181	**182**	**183**	**184**	**185**	**186**	**187**	**188**	**189**	**190**
C	C	C	A	A	A	C	C	C	A
191	**192**	**193**	**194**	**195**	**196**	**197**	**198**	**199**	**200**
C	B	D	B	B	A	A	A	A	C
201	**202**	**203**	**204**	**205**	**206**	**207**	**208**	**209**	**210**
A	A	D	B	D	A	B	D	C	B
211	**212**	**213**	**214**	**215**	**216**	**217**	**218**	**219**	**220**
B	A	A	B	D	D	A	D	B	C
221	**222**	**223**	**224**	**225**	**226**	**227**	**228**	**229**	**230**
B	D	B	B	B	D	D	D	A	C
231	**232**	**233**	**234**	**235**	**236**	**237**	**238**	**239**	**240**
A	B	C	B	A	B	A	B	C	A
241	**242**	**243**	**244**	**245**	**246**	**247**	**248**	**249**	**250**
A	B	B	D	C	A	D	A	B	A
251	**252**	**253**	**254**	**255**	**256**	**257**	**258**	**259**	**260**
B	B	B	B	D	A	B	B	B	D
261	**262**	**263**	**264**	**265**	**266**	**267**	**268**	**269**	**270**
B	B	A	B	B	B	C	B	B	A
271	**272**	**273**	**274**	**275**	**276**	**277**	**278**	**279**	**280**
C	C	A	B	A	C	C	D	C	D
281	**282**	**283**	**284**	**285**	**286**	**287**	**288**	**289**	**290**
C	A	D	B	C	A	B	D	B	C
291	**292**	**293**	**294**	**295**	**296**	**297**	**298**	**299**	**300**
D	C	B	A	C	B	C	B	C	C
301	**302**	**303**	**304**	**305**	**306**	**307**	**308**	**309**	**310**
B	D	C	D	D	B	C	C	D	C
311	**312**	**313**	**314**	**315**	**316**	**317**	**318**	**319**	**320**
D	B	C	D	A	C	A	B	A	C
321	**322**	**323**	**324**	**325**	**326**	**327**	**328**	**329**	**330**
A	C	C	D	D	D	B	A	C	A
331	**332**	**333**	**334**	**335**	**336**	**337**	**338**	**339**	**340**
A	B	A	D	B	A	D	C	C	D
341	**342**	**343**	**344**	**345**	**346**	**347**	**348**	**349**	**350**
C	C	B	A	C	D	D	D	C	B
351	**352**	**353**	**354**	**355**	**356**	**357**	**358**	**359**	**360**
D	A	B	A	A	A	C	B	D	C
361	**362**	**363**	**364**	**365**	**366**	**367**	**368**	**369**	**370**
A	D	B	C	A	B	A	A	B	D
371	**372**	**373**	**374**	**375**	**376**	**377**	**378**	**379**	**380**
C	B	D	A	D	C	A	B	D	A
381	**382**	**383**	**384**	**385**	**386**	**387**	**388**	**389**	**390**
D	A	A	B	C	B	A	D	A	D
391	**392**	**393**	**394**	**395**	**396**	**397**	**398**	**399**	**400**
C	A	D	C	B	C	D	C	B	D

❑ ❑ ❑